सूर्योदय 5:24 सूर्यास्त 7:12

आज का तापमान

शिमला	18.2 न्यू	28.6अधि
धर्मशाला	18.1 न्यू	35.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,180
निफ्टी	23,650
सोना	1,58,000
चांदी	2,67,000

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | मंगलवार, 19 मई 2026 | 5 ज्येष्ठ, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 140, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

यूपी में इंजीनियर और टीचर समेत 10 की मौत

एजेंसी, लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में सोमवार सुबह 7.30 बजे मैजिक वाहन और ट्रक की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई। ये सभी मैजिक वाहन में सवार थे। 9 लोगों की मौके पर ही मौत हुई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों में सरकारी टीचर और इंजीनियर भी शामिल हैं। हादसा जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर अदलीसपुर गांव के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मैजिक वाहन लखीमपुर से सिसैया की तरफ से जा रहा था। इसे बहराइच से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से टक्कर मारी। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मैजिक में बैठे लोगों के सिर फट गए। लोग सीट के बीच में ही फंस गए। दो लोग उछलकर बाहर रोड पर गिरे। राष्ट्रपति, पीएम मोदी और सीएम योगी ने हादसे पर दुख जताया है। मृतकों के परिजनों का 2-2 लाख की आर्थिक मदद का ऐलान किया है। (अनंत ज्ञान)

कोलकाता में पुलिस पर पथराव, 40 गिरफ्तार

एजेंसी, कोलकाता। कोलकाता में रविवार को पार्क सर्कस इलाके में अतिक्रमण हटाने के खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस पर पथराव भी हुआ, जिसमें 3 पुलिसकर्मी घायल हो गए। सुरक्षाबलों की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई। बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि मामले में अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिसवालों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे। कानून तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी दरअसल पार्क सर्कस सेवन प्वाइंट क्रॉसिंग के पास बड़ी संख्या में लोग एंटी-एन्क्रोचमेंट ड्राइव के विरोध में जुटे थे। उन्होंने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस जब भीड़ को हटाने पहुंची, तो पथराव शुरू हो गया। कोलकाता के तिलजला इलाके में पिछले हफ्ते एक फैक्ट्री में आग लगने से 2 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद प्रशासन ने अवैध निर्माण व अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाया। (अनंत ज्ञान)

एयर शो के बीच दो लड़ाकू विमान टकराए

एजेंसी, वाशिंगटन। अमेरिका के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में स्थित इडाहो राज्य में आयोजित गनफाइटर स्काइज एयर शो को रद कर दिया गया। हुआ यूं कि माउंटेन होम एयर फोर्स बेस पर दूसरे दिन का एयर शो शुरू होने से पहले ही दो अमेरिकी लड़ाकू विमान एक-दूसरे से टकरा गए। इससे दोनों में आग लग गई और वह मलबे में बदल गए। आश्चर्यजनक रूप से दोनों विमानों के चालक दल के सभी चार सदस्य सुरक्षित हैं। चारों समय रहते सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में सफल रहे। यह हादसा अमेरिका के स्थानीय समयानुसार रविवार दोपहर लगभग 12:30 हुआ। आसमान में रोमांच का प्रदर्शन कर रहे यह फाइटर जेट अचानक हवा में एक दूसरे में लिपट कर गिर गए। गिरते ही दोनों में आग लग गई। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- शिमला शहर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी -पेज 2
- आईपीएल: प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी राजस्थान... -पेज 7
- कुल्लू के रायसन में सुरक्षा दीवार का काम अधर में -पेज 8

47 शहरी निकायों में से 32 पर कांग्रेस की जीत

मुख्यमंत्री सुक्खू का बड़ा दावा, बोले- जनता ने विकास और भरोसे की राजनीति को दिया आशीर्वाद

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश के शहरी निकाय चुनावों के नतीजों के बाद राज्य की राजनीति पूरी तरह से चरम पर है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों की जीत को जनता के विश्वास और सरकार की नीतियों की बड़ी विजय बताते हुए कहा कि प्रदेश की जनता ने विकास, जनकल्याण और सामाजिक संतुलन की राजनीति पर अपनी स्पष्ट मुहर लगा दी है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश के 47 शहरी निकायों में से 32 निकायों में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों ने जीत हासिल कर यह साबित कर दिया है कि लोगों का भरोसा कांग्रेस सरकार पर लगातार मजबूत हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर जिले में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों को व्यापक जनसमर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि यह परिणाम केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और उम्मीदों का प्रतीक है। सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बीते ढाई वर्षों में जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक फैसले लिए हैं, जिनका सकारात्मक असर जनता के बीच दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि जनता का यह समर्थन सरकार को और अधिक जिम्मेदारी और समर्पण के साथ काम करने की प्रेरणा देगा।

सीएम ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष लगातार धर्म और जाति के आधार पर समाज को बांटने की राजनीति करता रहा है, जबकि कांग्रेस ने हमेशा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जो वादे किए थे, सरकार उन्हें पूरा करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रही है। सुक्खू ने दावा किया कि उनकी सरकार ने केवल चुनावी गारंटियों तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि उससे आगे बढ़कर आम लोगों को राहत देने वाले कई बड़े निर्णय लिए हैं।

सीएम सुक्खू ने कहा कि महिलाओं, मजदूरों, किसानों और समाज के कमजोर वर्गों के लिए प्रदेश सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जबकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए भी सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार केवल घोषणाओं की राजनीति नहीं करती, बल्कि धरातल पर बदलाव लाने में विश्वास रखती है और निकाय चुनावों में जनता ने उसी कार्यशैली को समर्थन दिया है।

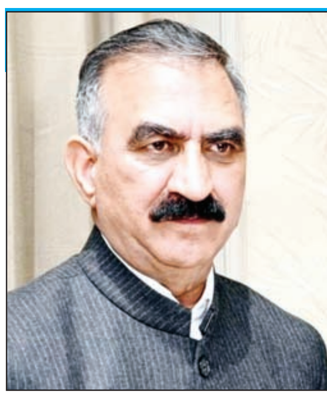

सीएम ने विजयी उम्मीदवारों को दी जीत की बधाई

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सभी विजयी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि अब सभी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म हो चुके हैं और अब समय प्रदेश के विकास, शहरों की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का है।

भविष्य में भी जनहित योजनाएं होती रहेंगी लागू

सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस सरकार भविष्य में भी जनहितकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करती रहेगी और हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध बनाने की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

हिमाचल पंचायत चुनाव में बड़ा घोटाला

दो बैलेट पेपर गायब, 8 कर्मियों पर एफआईआर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों के बीच सोलन जिले के कुनिहार में पोस्टल बैलेट पेपर गायब होने का मामला सामने आने से प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। ग्राम पंचायत खनलग के वार्ड नंबर-4 के प्रधान पद के लिए जारी किए गए दो बैलेट पेपर रहस्यमयी परिस्थितियों में गायब पाए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आठ कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी है। साथ ही सभी संबंधित कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी से भी हटा दिया गया है। बताया जा रहा है कि 16 मई से कुनिहार ब्लॉक मुख्यालय में पोस्टल बैलेट लेखन का कार्य चल रहा था। इसी दौरान बैलेट पेपर क्रम संख्या 5265669 और 5265670 रिकॉर्ड से गायब पाए गए। मामले की जानकारी मिलते ही बीडीओ कुनिहार तनमय कंवर ने पुलिस थाना कुनिहार में शिकायत दर्ज करवाई। प्रशासन ने अपने स्तर पर भी जांच शुरू कर दी है और संबंधित कर्मचारियों से लगातार पूछताछ की जा रही है। डीएसपी अशोक चौहान ने पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की गहन पड़ताल कर रही है। इस घटनाक्रम ने चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए है।

सुवेंदु कैबिनेट का बड़ा फैसला : बंगाल में महिलाओं को मिलेंगे 3000 रुपए महीना

एजेंसी, नई दिल्ली

- 1 जून से प्रति माह मिलेंगे महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा भंडार योजना भी मंजूर
- सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा सेवा शुरू

पश्चिम बंगाल में सीएम सुवेंदु ने कैबिनेट की दूसरी बैठक में महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा भंडार योजना और फ्री बस सेवा को मंजूरी दे दी। इस योजना के लागू होते ही बंगाल की महिलाओं को

एक जून से हर महीने 3,000 रुपये मिलेंगे। इसके साथ ही एक जून से सभी महिलाएं सरकारी बसों में मुफ्त में सफर कर सकेंगी।

इसके साथ ही सरकारी कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग का भी राज्य सरकार ने गठन किया है। हालांकि, दूसरी कैबिनेट बैठक में बकाया डीए पर कोई फैसला नहीं लिया गया। इसके अलावा मंत्री अग्निमित्रा पाल ने बताया कि जिन महिलाओं का नाम लक्ष्मी भंडार में है उन्हें नए तरीके से अन्नपूर्णा भंडार योजना के लिए फार्म भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वहीं, मदरसा को मिलने वाले तमाम सरकारी सहायता को बंद करने का निर्णय लिया गया है। इसमें इमाम और मोअज्जिम को मिलने वाला मासिक भत्ता भी शामिल है। इसके अलावा 2011 से राज्य में ओबीसी आरक्षण सूची का दोबारा जांच कराने की भी बात कही गई है। बैठक में अब हर 15 दिन में एक बार राज्य मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की बैठक करने का भी निर्णय लिया गया है। (अनंत ज्ञान)

केरलम के सीएम बने वीडी सतीशन

64 साल बाद राज्य में किसी मुख्यमंत्री ने पूरी कैबिनेट के साथ ली शपथ

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के विधायक दल के नेता वडास्सेरी दामोदरन सतीशन (वीडी सतीशन) ने सोमवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सतीशन के साथ 20 विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित समारोह में कांग्रेस नेता सतीशन और उनके 20 मंत्रियों को पद व गोपनीतया की शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले मंत्रियों में कांग्रेस के 11 और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के पांच विधायक शामिल हैं।

इसके अलावा यूडीएफ के घटक दलों- केरल कांग्रेस-जोसेफ, क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी (आरएसपी), केरल कांग्रेस-जैकब और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एक-एक विधायक को मंत्री बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सतीशन को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि केंद्र सरकार केरल की नई सरकार को जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में हर संभव सहयोग देगी। (अनंत ज्ञान)

कैबिनेट में 14 नए चेहरे

केरलम की कैबिनेट में 14 विधायकों ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली। इसमें सीपी जॉन और एन शमसुद्दीन, केएम शाजी, पीके बशीर और वीई अब्दुल गफूर, पीसी विष्णुनाथ, रोजी एम जॉन, बिंदु कृष्णा, टी सिद्दीकी, केए थुलसी और ओजे जनीश शामिल हैं। कांग्रेस ने स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पद भी अपने पास रखे हैं। तिरुवनचूर राधाकृष्णन को विधानसभा स्पीकर और शनिमोल उस्मान को डिप्टी स्पीकर बनाया गया है।

केरलम में नए नेतृत्व के आगाज पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने दी शुभकामनाएं

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। तिरुवनंतपुरम में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में केरलम की राजनीति ने एक नए दौर में प्रवेश किया, जब वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू विशेष रूप से समारोह में उपस्थित रहे और उन्होंने वीडी सतीशन को मुख्यमंत्री बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान विभिन्न राज्यों के राजनीतिक और सामाजिक प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों, जनसेवा और सामाजिक प्रतिबद्धता के प्रति वी. डी. सतीशन की सोच केरलम को नई दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में राज्य विकास, सामाजिक न्याय और सुशासन

के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को स्पर्श करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्यों के बीच सहयोग और समन्वय से देश की संघीय व्यवस्था और अधिक सशक्त होगी।

उन्होंने आशा जताई कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरी उतरेगी तथा जनकल्याणकारी नीतियों के माध्यम से आम लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगी। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अन्य गणमान्य अतिथियों से भी मुलाकात की व लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाने पर विचार साझा किए।

43 साल बाद नॉर्वे पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, ओस्लो में भव्य स्वागत

भारत-नॉर्वे रिश्तों में नई मजबूती की उम्मीद

एजेंसी, ओस्लो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को नॉर्वे की राजधानी ओस्लो पहुंचे। यह 43 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली नॉर्वे यात्रा है। एयरपोर्ट पर नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे ने उनका स्वागत किया। मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वे नॉर्वे पहुंच गए हैं

और प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे के गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभारी हैं। उन्होंने कहा कि चार दशक से ज्यादा समय बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली नॉर्वे यात्रा है और उन्हें भरोसा है कि इससे भारत-नॉर्वे दोस्ती को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री स्टोरे के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इसके अलावा वे मोदी नॉर्वे के किंग हेराल्ड पंचम और क्वीन सोन्या से मुलाकात करेंगे।

नॉर्वे बोला- भारत के साथ साझेदारी जरूरी

नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्टोरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ओस्लो दौरे को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में बढ़ती अनिश्चितता, तनाव और संघर्ष के दौर में उन देशों के साथ रिश्ते मजबूत करना जरूरी है, जिनके साथ समान मूल्यों और हितों को साझा किया जाता है। स्टोरे ने कहा कि दुनिया में इस समय काफी तनाव और अनिश्चितता का माहौल है। ऐसे समय में उन देशों के साथ रिश्ते मजबूत करना जरूरी है जिनकी सोच और मूल्य एक जैसे हों। उन्होंने कहा कि भारत और नॉर्वे जैसे लोकतांत्रिक देशों के बीच सहयोग बहुत अहम है। प्रधानमंत्री मोदी की ओस्लो यात्रा दोनों देशों के मजबूत होते रिश्तों को दिखाती है। स्टोरे ने कहा कि भारत और नॉर्वे कई नए समझौते करने जा रहे हैं, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग और बढ़ेगा।

आज भारत-नॉर्डिक समिट में हिस्सा लेंगे मोदी

19 मई को ओस्लो में तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन आयोजित होगा। मोदी ने कहा कि यह उनके नॉर्डिक समकक्षों से मुलाकात का शानदार अवसर होगा। इस समिट में नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के नेता शामिल होंगे। यह भारत-नॉर्डिक समिट पहली बार 2018 में स्टॉकहोम और दूसरी बार 2022 में कोपेनहेगन में हुई थी। इस बार बैठक में ग्रीन एनर्जी, डिजिटलाइजेशन, रक्षा सहयोग, जलवायु परिवर्तन और आर्कटिक नीति जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। मोदी की यह यात्रा उनके 5 देशों के दौरे का चौथा चरण है। इससे पहले वे यूएई नीदरलैंड और स्वीडन का दौरा कर चुके हैं। इसके बाद वे इटली जाएंगे।

शिमला एलएसडी ड्रग्स केस : होटल में हुई थी डील, हार्ड डिस्क से मिटाई सीसीटीवी फुटेज, होटल मालिक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला में सामने आए एक करोड़ रुपये के एलएसडी ड्रग्स तस्करी मामले की जांच में नया खुलासा हुआ है। इस मामले में अब कुल्लू के एक होटल के पार्टनर मालिक को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार होटल में हुई ड्रग्स डील के सबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी फुटेज हार्ड डिस्क से डिलीट कर दी गई थी। फॉरेंसिक जांच में इसका खुलासा होने के बाद पुलिस ने भुंतर निवासी संजीव कुमार (35) को गिरफ्तार किया।

यह मामला 10 मार्च को न्यू शिमला थाना में दर्ज किया गया था। उसी दिन पुलिस ने पंजाब के मोगा निवासी संदीप शर्मा और सिरमौर की युवती प्रिया शर्मा को गिरफ्तार किया था। दोनों के कब्जे से 562 स्टाम्प साइज एलएसडी स्ट्रिप बरामद हुई थीं। पुलिस के

खंगाली जा रही पूरे ड्रग्स नेटवर्क की भूमिका

एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए सोमवार को बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और पूरे ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। उन्होंने कहा है कि मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अनंत ज्ञान फॉलोअप

अनुसार बरामद एलएसडी का कुल वजन 11.570 ग्राम था, जिसे कमर्शियल मात्रा माना गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 और 29 तथा बीएनएस की धारा 238 के तहत केस दर्ज किया गया था।

जांच के दौरान पुलिस ने ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क की कड़ियां खंगालीं तो केरल के कालीकट निवासी नविएल हैरिसन का नाम सामने आया। उसे 13 मार्च को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया। बाद में जांच में एसटीएफ के चार कर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई, जिन्हें 19 मार्च को गिरफ्तार कर सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

आगे की जांच में पता चला कि एलएसडी की खेप कुल्लू स्थित सी रॉक होटल में ली गई थी। पुलिस ने होटल से डीवीआर और हार्ड डिस्क जब्त कर फॉरेंसिक जांच करवाई, जिसमें फुटेज डिलीट होने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने संजीव कुमार को आपराधिक साजिश और साक्ष्य मिटाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

नीट केस में महाराष्ट्र की केमिस्ट्री कोचिंग का डायरेक्टर अरेस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। नीट पेपर लीक केस में सोमवार को 10वीं गिरफ्तारी हुई। सीबीआई ने महाराष्ट्र के लातूर से केमिस्ट्री कोचिंग डायरेक्टर शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया। सीबीआई के अनुसार, तलाशी के दौरान उसके मोबाइल से नीट का लीक पेपर मिला। वह एक संगठित गिरोह का हिस्सा बताया जा रहा है, जो पेपर लीक करने और उसे आगे फैलाने में शामिल था। जांच में पता चला है कि 23 अप्रैल को ही पेपर और आंसर की हासिल कर ली गई थी और कई लोगों को भेजी गई थी। इससे पहले 15 मई को उससे उसके घर पर लंबी पूछताछ भी की गई थी। मोटेगांवकर का 'रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस' नाम से कई जिलों में कोचिंग सेंटर है और उसका बड़ा कारोबार बताया जा रहा है। आरोप है कि कुछ डॉक्टरों और छात्रों को भी यह लीक पेपर दिया गया।

ताकत | दूनागिरी, संशोधक, अग्रय, मालवन वॉरशिप से समंदर में कांपेंगे भारत के दुश्मन

भारतीय नौसेना को जल्द मिलेंगे 4 स्वदेशी युद्धपोत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय नौसेना अपनी समुद्री क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रही है। भारतीय नौसेना जल्द ही चार स्वदेशी युद्धपोतों-स्टेल्थ फ्रिगेट दूनागिरी, सर्वेक्षण पोत संशोधक और दो एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट अग्रय व मालवन को कमीशन करने जा रही है। ये सभी पोत पूरी तरह भारत में बने हैं। अगले कुछ हफ्तों में इनकी कमीशनिंग होने वाली है।

प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाई गई दूनागिरी नीलगिरी क्लास की पांचवीं फ्रिगेट है। इसे कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स में बनाया गया है। 30 मार्च 2026 को इसे भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। यह युद्धपोत अत्याधुनिक स्टेल्थ तकनीक, शक्तिशाली हथियारों और बेहतरीन ऑटोमैटिक

सिस्टम से लैस है। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल, एमएफएसटीए, रडार, एमआरएसएएम एयर डिफेंस सिस्टम, 76एमएम तोप और एंटी-सबमरीन हथियार शामिल हैं। कोडडोग प्रोपल्शन सिस्टम के साथ यह कई तरह के मिशन कर सकता है। 75% स्वदेशी सामग्री वाले इस पोत ने सैकड़ों एमएसएमईएस को रोजगार दिया है। पुरानी आईएनएस दूनागिरी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए नई दूनागिरी नौसेना की ताकत बढ़ाएगी। इसका नाम उत्तराखंड के पर्वत पर रखा गया है।

अग्रय जीआरएसई, कोलकाता द्वारा बनाया गया चौथा एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट है। यह लगभग 77 मीटर लंबा है। वॉटरजेट प्रोपल्शन से चलता है। इसमें हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर और एडवांस सोनार सिस्टम लगे हैं जो समुद्र में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम हैं।

मालवन कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा बनाया गया दूसरा एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी है। यह महाराष्ट्र के प्रसिद्ध मालवन शहर के नाम पर रखा गया है। लगभग 80 मीटर लंबा और 1100 टन वजन वाला यह पोत भी पानी के उथले इलाकों में एंटी-सबमरीन, माइन वारफेयर और तटीय निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है। दोनों पोतों में 80% से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल हुआ है।

संशोधक (यार्ड 3028) चार बड़े सर्वेक्षण पोतों में आखिरी है। इसे भी जीआरएसई कोलकाता में बनाया गया है। 30 मार्च 2026 को डिलीवर किया गया यह 110 मीटर लंबा और 3400 टन वजन वाला पोत हाइड्रोग्राफिक सर्वे, समुद्र की गहराई मापने, नेविगेशन चैनल तय करने और महासागरीय डेटा इकट्ठा करने का काम करेगा। इसमें ऑटोनॉमस अंडर वॉटर व्हीकल (एयूवी), रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल (आरओवी), एडवांस्ड सोनार और डीजीपीएस जैसी उपकरण लगे हैं। यह पोत 18 नॉट से ज्यादा की रफ्तार पकड़ सकता है।

ये चारों स्वदेशी पोत भारतीय नौसेना को हिंद महासागर क्षेत्र में मजबूती देंगे। खासकर चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों के बीच पनडुब्बी रक्षा, तटीय सुरक्षा, समुद्री निगरानी और बहुमुखी युद्ध क्षमता बढ़ेगी। इनके शामिल होने से नौसेना की लड़ाकू क्षमता में वृद्धि होगी और देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा और मजबूत होगी। भारतीय नौसेना अब इन पोतों के कमीशनिंग की तारीखों का इंतजार कर रही है।

प्रदेश में 5 दिन तक बदलेगा मौसम का मिजाज

19 से 23 मई तक में बारिश, अंधड़ और बिजली गिरने की संभावना

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में एक बार फिर मौसम करवट लेने जा रहा है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के बीच अब राज्य में अगले पांच दिनों तक बारिश, अंधड़ और बिजली चमकने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने 19 से 23 मई तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान जारी करते हुए कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम के बदलते तेवरों ने जहां लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद जगाई है, वहीं किसानों और बागवानों की चिंता भी बढ़ा दी है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही कई क्षेत्रों में बारिश और बिजली गिरने की भी संभावना है। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। प्रदेश में बीते कुछ दिनों से लगातार तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही थी। सोमवार को भी प्रदेशभर में तेज धूप खिली रही, जिससे अधिकतम और न्यूनतम तापमान में इजाफा हुआ। सिरमौर का पांवटा साहिब प्रदेश का सबसे गर्म क्षेत्र रहा, जहां अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सुंदरनगर, भुंतर, धर्मशाला, ऊना, नाहन, सोलन, कांगड़ा, मंडी, जुब्बलहट्टी और नेरी में तापमान 30 डिग्री से ऊपर पहुंच गया।

बीते 24 घंटों के दौरान सराहन में 18.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि चंबा में 2 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार 18 मई को मौसम साफ रहने की संभावना है, लेकिन 19 मई से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के चलते मध्य और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश और अंधड़ का दौर शुरू हो सकता है। 22 मई को पूरे प्रदेश में मौसम खराब रहने का अनुमान है, जबकि 23 मई को भी कई इलाकों में बारिश और गर्जन की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

पहाड़ों पर बदलेगा मौसम, सतर्क रहने की सलाह

मौसम विभाग ने पर्यटकों, वाहन चालकों और बागवानों को विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। विभाग का कहना है कि खराब मौसम के दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यात्रा करने से पहले मौसम की ताजा जानकारी जरूर लें। तेज हवाओं और बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है। आने वाले दिनों में मौसम के बदलते मिजाज का असर जनजीवन, खेती और पर्यटन गतिविधियों पर भी देखने को मिल सकता है।

- बारिश और आंधी का अलर्ट किसानों-बागवानों की बढ़ी चिंता

शिमला शहर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी

तीसरे दिन भी जारी रही सैहब कर्मचारियों की हड़ताल, शहर में जगह-जगह कूड़े के ढेर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। राजधानी शिमला में सैहब कर्मचारियों की हड़ताल लगातार तीसरे दिन भी जारी रहने से शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सोमवार को कर्मचारियों ने सीटीओ चौक पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी की। हड़ताल के चलते शहर के हजारों घरों से पिछले तीन दिनों से कूड़ा नहीं उठ पाया है, जिससे कई इलाकों में कचरे के ढेर लग गए हैं और आम लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। शहर के मुख्य बाजारों, रिहायशी इलाकों और उपनगरों में कूड़ा संग्रहण प्रभावित होने से हालात चिंताजनक बनते जा रहे हैं। खासकर संजौली, ढली, टुटू, न्यू शिमला, छोटा शिमला और उपनगरीय क्षेत्रों में लोगों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कई स्थानों पर खुले में पड़े कचरे से दुर्गंध फैलने लगी है, जबकि गर्मी बढ़ने के कारण संक्रमण फैलने की आशंका भी गहरा रही है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम और प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्थाएं लागू करने का प्रयास किया है। कुछ स्थानों पर निजी वाहनों और अस्थायी कर्मचारियों की मदद से कूड़ा उठाने की कवायद शुरू की गई, लेकिन शहरभर में फैले संकट के मुकाबले ये इंतजाम अपर्याप्त साबित हो रहे हैं।

सीटीओ चौक पर प्रदर्शन करते सैहब कर्मचारी। अनंत ज्ञान

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि लोगों को राहत देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं कर्मचारियों से भी वार्ता जारी है। सोमवार सुबह सीटीओ चौक पर बड़ी संख्या में जुटे कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से लंबित मांगों की अनदेखी की जा रही है, जिसके कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

- **नगर निगम के वैकल्पिक इंतजाम भी पड़े नाकाफी**
- **गर्मी बढ़ने के साथ संक्रमण और दुर्गंध का खतरा गहराया**

पर्यटन नगरी की छवि पर भी पड़ रहा असर

गर्मी के मौसम में शिमला में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में शहर में फैली गंदगी पर्यटन नगरी की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। शहर के प्रमुख पर्यटक स्थलों और सड़कों के किनारे जमा कूड़ा आने वाले पर्यटकों के लिए भी परेशानी का कारण बन रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

समाधान की राह पर टिकी लोगों की निगाहें

राजधानी शिमला के शहरवासी अब प्रशासन और कर्मचारी संगठनों के बीच जल्द सहमति बनने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। लोगों का मानना है कि सफाई व्यवस्था जैसी मूलभूत सेवा लंबे समय तक प्रभावित रहने से आम जनजीवन पर व्यापक असर पड़ता है। फिलहाल शिमला में हर ओर यही सवाल उठ रहा है कि आखिर इस सफाई संकट का समाधान कब निकलेगा।

किन्नौर में पहली बार दिखा हॉर्न्ड लार्क

रकछम-छितकुल अभयारण्य में दुर्लभ पक्षी की दस्तक से वन विभाग गदगद

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमालय की बर्फीली चोटियों व शांत वादियों के बीच बसे रकछम-छितकुल वन्यजीव अभयारण्य ने एक बार फिर अपनी अद्भुत प्राकृतिक धरोहर से वैज्ञानिकों और प्रकृति प्रेमियों को रोमांचित कर दिया है। किन्नौर जिले में पहली बार दुर्लभ हॉर्न्ड लार्क पक्षी के दिखाई देने और उसकी तस्वीरें दर्ज किए जाने से वन्यजीव संरक्षण जगत में उत्साह की लहर दौड़ गई है। यह उपलब्धि केवल एक पक्षी के मिलने भर तक सीमित नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे हिमालयी जैव विविधता के नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है। ऊंचे पर्वतीय घास मैदानों में गूंजती इस दुर्लभ परिंदे की उपस्थिति ने यह संकेत भी दिया है कि किन्नौर की प्रकृति अब भी अनेक अनदेखे और अनछुए रहस्यों को अपने भीतर समेटे हुए है।

यह महत्वपूर्ण खोज लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) ए. कार्तिक और डॉ. एमवीएलएस प्रवीणा द्वारा संतोष ठाकुर के नेतृत्व में किए गए जैव विविधता अन्वेषण के दौरान सामने आई। इस अभियान में अल्पना ने भी क्षेत्रीय प्रलेखन और सर्वेक्षण कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई। विशेषज्ञों के अनुसार रकछम-छितकुल अभयारण्य और पूरे किन्नौर जिले से 'हॉर्न्ड लार्क' का यह पहला औपचारिक एवं लिखित रिकॉर्ड माना जा रहा है। पक्षी विशेषज्ञों और वन अधिकारियों ने पुराने दस्तावेजों, स्थानीय जानकारियों और उपलब्ध वैज्ञानिक अभिलेखों की गहन समीक्षा के बाद इस खोज की पुष्टि की। इससे पहले इस पक्षी की उपस्थिति का कोई प्रमाणित उल्लेख क्षेत्र में दर्ज नहीं था।

ब्लॉक वन अधिकारी संतोष ठाकुर ने इसे हिमाचल के ऊंचाई वाले क्षेत्रों की पक्षी विविधता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। वहीं लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) ए. कार्तिक ने कहा कि रकछम-छितकुल अभयारण्य जैव विविधता की दृष्टि से असाधारण रूप से समृद्ध क्षेत्र है, जहां अभी भी कई दूरस्थ इलाकों में वैज्ञानिक अध्ययन की आवश्यकता है। डीसीएफ वन्यजीव सराहन अशोक नेगी के अनुसार अब किन्नौर जिले में 170 से अधिक पक्षी प्रजातियां दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें स्थानीय, प्रवासी और ऊंचे हिमालयी क्षेत्रों में प्रजनन करने वाली कई दुर्लभ प्रजातियां शामिल हैं।

उनका मानना है कि इस प्रकार की खोजें न केवल संरक्षण प्रयासों को मजबूती देंगी, बल्कि ईको पर्यटन के माध्यम से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के नए द्वार भी खोलेंगी।

खुले और कम वनस्पति वाले इलाके पसंदीदा क्षेत्र

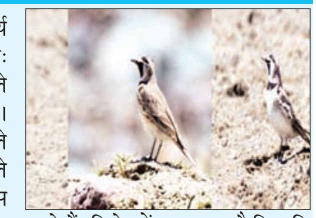

पक्षी विशेषज्ञ डॉ. माल्या भट्टाचार्य के अनुसार हॉर्न्ड लार्क सामान्यतः खुले और कम वनस्पति वाले इलाकों में रहना पसंद करता है। चितकुल के आसपास फैले अल्पाइन घास मैदान, सूखे खुले क्षेत्र और ऊंचे पहाड़ी ढलान इस पक्षी के लिए अनुकूल आवास प्रदान करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ऐसे क्षेत्रों में नियमित वैज्ञानिक सर्वेक्षण और संरक्षण गतिविधियां जारी रहीं, तो भविष्य में किन्नौर से और भी दुर्लभ प्रजातियों के रिकॉर्ड सामने आ सकते हैं। हिमालय की नीरव घाटियों में इस नन्हे परिंदे की मौजूदगी मानो प्रकृति का एक शांत संदेश है कि पहाड़ अब भी जीवंत हैं, रहस्यमयी हैं और संरक्षण की प्रतीक्षा में हैं। यह खोज बताती है कि हिमालय के दूरस्थ क्षेत्रों में अभी भी प्रकृति के अनेक अनछुए रहस्य छिपे हुए हैं।

कडैल शिलगिरी बिशु मेले में गूंजी देव संस्कृति की अनूठी छटा

ठोडा खेल, महिलाओं की रस्साकशी स्पर्धा रहेंगी आकर्षण का केंद्र

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। कोटखाई क्षेत्र के परगना चगांव में आयोजित कडैल शिलगिरी बिशु मेला इस बार भी श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक उल्लास के रंगों से सराबोर हो उठा है। ग्राम पंचायत हिमरी एवं ग्राम पंचायत घुंडा भरेच के संयुक्त तत्वावधान में 17 से 19 मई तक चलने वाले इस ऐतिहासिक मेले में क्षेत्र की समृद्ध देव परंपरा, लोक संस्कृति और सामाजिक एकता की अनुपम झलक देखने को मिल रही है।

क्षेत्र के आराध्य देव श्री कोटेश्वर महादेव को समर्पित इस मेले में दूर-दूर से श्रद्धालु एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। रियासती काल से चली आ रही यह परंपरा आज भी लोगों की आस्था और सांस्कृतिक पहचान का मजबूत आधार बनी हुई है। मेला समिति के अध्यक्ष रोशन चौहान ने बताया कि मेले का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना एवं देव आशीर्वाद के साथ किया गया। वहीं, समिति के प्रधान राजेश वर्मा ने कहा कि यह आयोजन केवल एक मेला नहीं, बल्कि परगना चगांव की सांस्कृतिक आत्मा और सामाजिक भाईचारे का उत्सव है, जो युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करता है।

ग्राम पंचायत घुंडा भरेच की प्रधान तनुजा शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी प्राचीन लोक परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को जीवित रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा नई पीढ़ी को अपनी विरासत से परिचित करवाते हैं। मेले में हिमाचली लोक संस्कृति, पारंपरिक नृत्य, लोक वाद्य यंत्रों और रंग-बिरंगी वेशभूषाओं की मनमोहक प्रस्तुति लोगों को आकर्षित कर रही है।

इस वर्ष मेले का मुख्य आकर्षण वीरता और अनुशासन का प्रतीक पारंपरिक ठोडा खेल रहेगा, जिसमें ठोडा दल दरोल और ठोडा दल बिशड़ी अपनी कला और शौर्य का प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा महिलाओं की रस्साकशी प्रतियोगिता, लोक गायन और सांस्कृतिक संध्याएं भी मेले को विशेष रंग प्रदान करेंगी। मेले के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा वातावरण बना हुआ है तथा श्रद्धालु भगवान श्री कोटेश्वर महादेव का आशीर्वाद प्राप्त कर मेले की गरिमा को और अधिक भव्य बना रहे हैं।

- **श्री कोटेश्वर महादेव का आशीर्वाद लेने उमड़े श्रद्धालु**

जनता की विकास-जनसेवा की राजनीति पर मुहर: रोहित

जुब्बल नगर पंचायत में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों की जीत के जश्न में हुए शामिल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। नगर पंचायत जुब्बल के चुनावों में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों की जीत के बाद सोमवार को कांग्रेस कार्यालय जुब्बल में उत्साह और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। नवनिर्वाचित कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों ने प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं, समर्थकों और स्थानीय लोगों की उपस्थिति ने पूरे कार्यक्रम को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बना दिया। शिक्षा मंत्री ने सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जीत केवल उम्मीदवारों की व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि जुब्बल की जागरूक जनता के विश्वास, कांग्रेस कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और विकासोन्मुख सोच की विजय है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि नगर पंचायत जुब्बल की जनता ने साफ संदेश दिया है कि क्षेत्र में ईमानदारी, जनसेवा और विकास की राजनीति को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता के विश्वास पर खरी उतरने का प्रयास करती रही है और आने वाले समय में नगर पंचायत क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं, शिक्षा, सड़क, पेयजल तथा युवाओं से जुड़े विकास कार्यों को और अधिक गति प्रदान की जाएगी। उन्होंने नगर पंचायत जुब्बल के सम्मानित एवं प्रबुद्ध मतदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का यह स्नेह और समर्थन क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

ब्लॉक कांग्रेस जुब्बल-नावर-कोटखाई की ओर से भी सभी नवनिर्वाचित प्रत्याशियों को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि कांग्रेस समर्थित प्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस जीत को संगठन की एकजुटता और जनता के भरोसे की बड़ी जीत बताते हुए भविष्य में भी जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने का संकल्प दोहराया।

- **कांग्रेस कार्यालय जुब्बल में देखने को मिला उत्साह और उल्लास का वातावरण**
- **मंत्री ने नगर पंचायत जुब्बल के लोगों का जताया आभार**

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के साथ नगर पंचायत जुब्बल के नवनिर्वाचित कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी एवं समर्थक। अनंत ज्ञान

रोहड़ू नगर परिषद क्षेत्र में 22 मई को रहेगा सार्वजनिक अवकाश

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश सरकार ने रोहड़ू नगर परिषद क्षेत्र में 22 मई शुक्रवार को सार्वजनिक एवं सवेतन अवकाश घोषित किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नगर परिषद रोहड़ू के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी सरकारी कार्यालय, बोर्ड, निगम, शैक्षणिक संस्थान, औद्योगिक प्रतिष्ठान, दुकानें तथा वाणिज्यिक संस्थान इस दिन बंद रहेंगे। यह अवकाश मतदान प्रक्रिया को सुचारु और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के उद्देश्य से घोषित किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अवकाश दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों पर भी लागू होगा। वहीं ऐसे कर्मचारी जो प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं लेकिन उनका मताधिकार रोहड़ू नगर परिषद क्षेत्र में है, उन्हें मतदान करने के लिए विशेष आकस्मिक अवकाश दिया जा सकेगा। इसके लिए संबंधित पीठासीन अधिकारी से मतदान करने का प्रमाण प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

अधिसूचना में औद्योगिक एवं वाणिज्यिक संस्थानों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि श्रमिकों और कर्मचारियों को मतदान के दिन अतिरिक्त सवेतन अवकाश उपलब्ध करवाया जा सके। सरकार ने सभी विभागों और संस्थानों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

- **मतदान के लिए सरकार की अधिसूचना जारी**

प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की भरपूर उपलब्धता

एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की सप्लाई निर्बाध, लगातार रखी जा रही निगरानी

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के सभी क्षेत्रों में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी भी प्रकार की कमी या बाधा की स्थिति नहीं है। कंपनियों के अनुसार सप्लाई चैनलों के माध्यम से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति लगातार जारी है। तेल कंपनियों ने बताया कि टर्मिनलों, डिपो और पेट्रोल पंपों तक पूरी ईंधन आपूर्ति श्रृंखला सुचारू रूप से संचालित हो रही है। प्रदेश के सभी हिस्सों में ईंधन स्टॉक की नियमित निगरानी की जा रही है तथा आवश्यकतानुसार पुनःपूर्ति का कार्य भी लगातार किया जा रहा है, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विज्ञप्ति में कहा गया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है और पूरे राज्य में रसोई गैस की उपलब्धता सामान्य बनी हुई है। तेल कंपनियां लॉजिस्टिक्स, स्टॉक आवागमन और रिटेल संचालन पर लगातार समन्वय बनाए हुए हैं, जिससे प्रदेश में ईंधन की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

अफवाहों पर ध्यान न दें

तेल विपणन कंपनियों ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराहट में अतिरिक्त खरीदारी से बचें। कंपनियों ने भरोसा दिलाया है कि प्रदेश में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। साथ ही लोगों को सलाह दी गई है कि ईंधन संबंधी जानकारी के लिए केवल तेल कंपनियों के आधिकारिक संचार पर ही विश्वास करें।

सेब के बगीचे में अफीम की खेती का पर्दाफाश, केस दर्ज

अनंत ज्ञान

शिमला। शिमला जिला के पुलिस थाना देहा के तहत झोला गांव में पुलिस ने अवैध अफीम की खेती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 350 अफीम के पौधे बरामद कर नष्ट किए हैं। इस संबंध में पुलिस थाना देहा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 18 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार रविवार को पुलिस टीम गांव झोला क्षेत्र में गश्त पर मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि महेंद्र निवासी गांव झोला ने अपने सेब के बगीचे में अवैध रूप से अफीम के पौधे उगा रखे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां महेंद्र की माता श्यामा मौजूद पाई गईं। उनकी उपस्थिति और स्वतंत्र गवाहों के सामने घर से करीब 50 मीटर नीचे स्थित सेब के बागीचे की तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान पुलिस को सेब के पौधों के बीच बड़ी संख्या में अफीम के पौधे मिले। जब इनकी गिनती की गई तो कुल 350 पौधे पाए गए। पुलिस ने सभी पौधों को मौके पर ही नष्ट कर दिया। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बताया कि पुलिस संबंधित भूमि के मालिकाना रिकॉर्ड भी प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

निकाय चुनावों में कांग्रेस का विजय शंखनाद: विनोद जिंटा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश कांग्रेस ने नगर निकाय चुनावों के परिणामों को अपनी नीतियों, संगठन और सरकार के कार्यों पर जनता की स्पष्ट मुहर बताते हुए दावा किया है कि यह जीत वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों का 'सेमीफाइनल' साबित हुई है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए संगठन महासचिव विनोद जिंटा ने कहा कि 47 नगर निकायों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने 31 निकायों में शानदार जीत दर्ज कर भाजपा के दावों की पूरी तरह पोल खोल दी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सबसे बड़े जिला कांगड़ा और चंबा में भाजपा अपना खाता तक नहीं खोल पाई, जबकि अधिकांश जिलों में कांग्रेस को स्पष्ट बढ़त मिली है। चंबा में तीनों निकायों पर कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार विजयी रहे, जबकि कांगड़ा की छह निकायों और हमीरपुर की दोनों निकायों में कांग्रेस को बढ़त मिली। शिमला जिला में नौ में से पांच निकायों पर कांग्रेस और दो पर कांग्रेस समर्थित गठबंधन को सफलता मिली है। सिरमौर और सोलन में भी कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि जहां पार्टी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकी, वहां संगठनात्मक स्तर पर समीक्षा कर कमियों को दूर किया जाएगा। साथ ही दावा किया कि 31 मई को होने वाले चार नगर निगमों के चुनाव परिणाम भी कांग्रेस के पक्ष में आएंगे। भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए विनोद ज़िंटा ने कहा कि कांग्रेस ने इन चुनावों में अधिकृत प्रत्याशी घोषित नहीं किए थे, इसके बावजूद कांग्रेस विचारधारा से जुड़े उम्मीदवारों की जीत ने प्रदेश में जनमत की दिशा साफ कर दी है।

- **भाजपा के दावों की हवा निकली, जनता ने कांग्रेस की नीतियों पर लगाई मुहर**

संबोधन

विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में सामाजिक संस्थाओं और नागरिक संगठनों की भागीदारी जरूरी

राष्ट्र निर्माण में सिविल सोसायटी की अहम भूमिका : राज्यपाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जम्मू में आयोजित रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3070 के क्लब लीडरशिप लर्निंग सेमिनार में राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने राष्ट्र निर्माण में सिविल सोसायटी और स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रभावी नेतृत्व केवल किसी पद तक सीमित नहीं होता, बल्कि समाज को साथ लेकर आगे बढ़ने और सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता ही सच्चे नेतृत्व की पहचान है। जम्मू, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली से आए प्रतिनिधियों की बड़ी भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह सेवा, सामाजिक समर्पण और नेतृत्व भावना का जीवंत उदाहरण है।

राज्यपाल ने रोटरी इंटरनेशनल के मूल मंत्र 'सर्विस एबव सेल्फ' की सराहना करते हुए कहा कि रोटरी केवल एक संस्था नहीं, बल्कि मानव सेवा का वैश्विक आंदोलन है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, आपदा राहत और सामाजिक विकास जैसे क्षेत्रों में रोटरी क्लबों के योगदान को प्रेरणादायक बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को साकार करने में सामाजिक संस्थाओं और नागरिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने नशा सेवन, पर्यावरण असंतुलन, मानसिक तनाव और युवाओं में बढ़ती सामाजिक दूरी जैसी चुनौतियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं का समाधान केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं, बल्कि समाज की जागरूक भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है।

युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नेतृत्व का अर्थ केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी है। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और नवाचार क्षमता को राष्ट्रहित में लगाने का आह्वान किया। समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे सहायता। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच अभियान, स्वच्छता अभियान, पौधरोपण और आपदा राहत जैसे रोटरी क्लबों के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सच्चा नेतृत्व वही है जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का प्रयास करे।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत संबंधी अपील का समर्थन करते हुए नागरिकों से सार्वजनिक परिवहन अपनाने, ट्रैफिक सिग्नल पर इंजन बंद रखने और कार पूलिंग को बढ़ावा देने की अपील की।

- **ईंधन बचत को बताया राष्ट्रीय दायित्व युवाओं से नवाचार का आह्वान**

ईंधन संरक्षण राष्ट्रीय से जुड़ा दायित्व

राज्यपाल ने कहा कि ईंधन संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रहित से जुड़ा दायित्व है। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन रोहित ओबेरॉय, अनिल सिंघल, अविनाश महेंद्रू, एएस वेंकटेश, शशांक रस्तोगी तथा आशीष लांगर सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

परागपुर में चुनावी रिहर्सल, बीडीओ ने मतदान कर्मियों को दिए निर्देश

अनंत ज्ञान

◆ बोले- 100 मीटर के दायरे में कानून-व्यवस्था बनाए रखना मुख्य जिम्मेदारी

परागपुर। परागपुर विकास खंड परिसर में आयोजित चुनावी रिहर्सल के दौरान खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) मीना शर्मा ने पीठासीन अधिकारियों और मतदान अधिकारियों को उनके दायित्वों एवं कानूनी अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान कराने की पूरी जिम्मेदारी पोलिंग पार्टी की सजगता पर निर्भर करती है। प्रशिक्षण के दौरान बीडीओ ने मतदान कर्मियों को चुनाव प्रक्रिया के सभी महत्वपूर्ण नियमों से अवगत कराया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीठासीन अधिकारी अपने मतदान केंद्र के संपूर्ण प्रभारी होते हैं और केंद्र के भीतर तथा 100 मीटर के दायरे में कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी मुख्य जिम्मेदारी है। मतदान से पहले मॉक पोल कराना, मतपेटियों या मशीनों को सील करना तथा उसका प्रमाणपत्र तैयार करना अनिवार्य प्रक्रिया बताई गई। मतदान अधिकारी प्रथम को मतदाता सूची की जांच, पहचान पत्र सत्यापन और नाम की घोषणा की जिम्मेदारी दी गई, जबकि द्वितीय अधिकारी को अमिट स्याही लगाने और रजिस्टर संधारण का कार्य सौंपा गया। अन्य अधिकारियों को मतपत्र वितरण और मतदान कक्ष की ओर मार्गदर्शन की जिम्मेदारी दी गई। बीडीओ ने सख्त निर्देश दिए कि मतदान की गोपनीयता हर हाल में बनी रहनी चाहिए और किसी भी अनधिकृत व्यक्ति का प्रवेश वर्जित होगा। दिव्यांग मतदाताओं के लिए नियमानुसार सहयोगी की अनुमति तथा मतदान समाप्ति के बाद सभी प्रक्रियाओं को नियमों के अनुसार पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

बचपन में आटे से बनाती थी डिजाइन बिना ट्रेनिंग के पेंटिंग में पाई पहचान

रूपानी शिमला से गोवा तक लगा चुकी हैं प्रदर्शनी, ट्रेडिशनल आर्ट से स्ट्रेस भी होता है दूर

अनंत ज्ञान

राजेश कुमार, धर्मशाला। बचपन में मम्मी से आटा लेकर डिजाइन बनाने वाली रूपाली शर्मा ने बिना किसी ट्रेनिंग के पेंटिंग्स में महारत पाई है। आलम यह है कि रूपाली की पेंटिंग की शिमला से लेकर गोआ तक प्रदर्शनियां लग चुकी हैं। रूपाली में मानना है कि ट्रेडिशनल आर्ट कला से जुड़ने का जरिया होने के साथ स्ट्रेस दूर करने का भी सबसे बड़ा माध्यम है।

यहां जिक्र हो रहा है दिल्ली की मास्टर आर्टिस्ट रूपाली शर्मा, जो कि गणित अध्यापिका रह चुकी हैं। किन्हीं कारणों से नौकरी छोड़नी पड़ी तो घर में समय निकालना मुश्किल हो गया। ख्याल आया क्यों न खुद के लिए कुछ किया जाए, फिर वर्ष 2017 में शुरू हुआ क्रिएटिव आर्ट का सिलसिला बदस्तूर जारी है। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर धर्मशाला संग्रहालय में आयोजित प्रदर्शनी में अपनी कृतियों संग पहुंची रूपाली शर्मा ने अनंत ज्ञान से विशेष बातचीत में बताया कि वह वर्ष 2017 से पेंटिंग कर रही हैं।

रुपाली शर्मा।

बचपन से मन में थी क्रिएटिविटी

रूपाली में क्रिएटिविटी ऐसी थी कि बचपन में मम्मी से आटा लेकर डिजाइन बनाती थी, जबकि किसी से पेंटिंग्स की कोई ट्रेनिंग नहीं ली है। क्रिएटिविटी बचपन से मन में थी। किन्हीं कारणों के चलते वर्ष 2017 में जॉब छोड़नी पड़ी, जिस पर घर में फ्री रहते हुए सोचा क्यों न अपने लिए कुछ किया जाए।

जयपुर में पसंद की गई पहली पेंटिंग

रूपाली ने शुरूआत में कुछ एक पेंटिंग बनाई, जो कि पड़ोसियों को पसंद आईं और लेकर चले गए, जिसका जयपुर में अच्छा रुझान सामने आया। जिस पर मैंने पेंटिंग में काम शुरू किया, वर्तमान में मेरे पास चार लोगों की टीम है, साथ ही कुछ स्टूडेंट्स भी मेरे साथ हैं। शिमला के गेयटी थियेटर, जोधपुर, जयपुर, गोवा गवालियर, एनसीआर दिल्ली और नोयडा में प्रदर्शनी लगा चुकी हूं।

ट्रेडिशनल आर्ट पर फोकस करें यूथ

रूपाली के अनुसार, आज का यूथ स्ट्रेस में रहता है, ऐसे में युवाओं को स्ट्रेस दूर करने के लिए ट्रेडिशनल आर्ट पर फोकस करना चाहिए। लाइफ में बहुत सी चीजें चल रही होती हैं, लेकिन जब में आर्ट बनाने में लग जाती हूं , तो सब भूल कर रिलेक्स हो जाती हूं।

जिला कांगड़ा पेंशन संघ की वरिष्ठ सदस्य नरवदा को किया सम्मानित

80 वर्षीय नरवदा को सम्मानित करते पेंशन संघ के पदाधिकारी।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा पेंशन संघ के प्रधान कृष्ण स्वरूप शर्मा ने संघ की वरिष्ठ सदस्य नरवदा के 80 वर्ष पूर्ण होने पर उनके गांव दरशोपुर स्थित निवास पर पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर राज्य कार्यकारिणी के सदस्य मदन लाल शर्मा भी उपस्थित रहे। संघ पदाधिकारियों ने नरवदा को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। कृष्ण स्वरूप शर्मा ने कहा कि वरिष्ठ सदस्यों का अनुभव संगठन के लिए मार्गदर्शक होता है और उनका सम्मान करना समाज की जिम्मेदारी है। इस दौरान परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। सभी ने नरवदा के स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। कार्यक्रम में सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला और वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान को लेकर संघ की पहल की सराहना की गई।

धर्मशाला में सजी मास्टर आर्टिस्ट की कृतियां

धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर प्रदर्शनी का आयोजन

◆ एडीएम शिल्पी बेक्टा ने किया शुभारंभ, कहा- क्रिएटिविटी को सराहा जाना चाहिए

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर कांगड़ा कला संग्रहालय धर्मशाला में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ एडीएम कांगड़ा शिल्पी बेक्टा ने किया।

इस प्रदर्शनी में देश के विभिन्न क्षेत्रों के मास्टर आर्टिस्ट की कृतियों को प्रदर्शित किया गया है, जो कि संग्रहालय में आने वाले आगुंतकों को आकर्षित कर रही हैं।

मुख्यातिथि शिल्पी बेक्टा ने कहा कि वर्ष 1977 से अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाने का सिलसिला शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य था कि हमारी धरोहर, संस्कृति और इतिहास बना रहे और बिना किसी बदलाव के हमारी धरोहरें व संस्कृति अगली पीढ़ी तक पहुंचे। संग्रहालय दिवस मनाने का उद्देश्य सफल हो रहा है। कांगड़ा कला संग्रहालय में कांगड़ा पेंटिंग सहित अन्य कृतियां प्रदर्शित रहती हैं।

उन्होंने कहा कि संग्रहालय दिवस पर धर्मशाला में प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से मास्टर आर्टिस्ट अपनी विभिन्न कृतियों के साथ पहुंचे हैं। प्रदर्शनी में ऑयल पेंटिंग, मंडाला आर्ट सहित अन्य कृतियां शामिल हैं। क्रिएटिविटी है, उसे सराहा जाना चाहिए।

प्रदर्शनी में ऑयल पेंटिंग, मंडाला आर्ट सहित अन्य कृतियां शामिल हैं।

परागपुर स्कूल में एनसीसी कैडेट भर्ती प्रक्रिया संपन्न, 29 छात्र चुने

सैन्य अधिकारियों ने स्टूडेंट्स का शारीरिक परीक्षण लिया।

अनंत ज्ञान

प्रवेश शर्मा, परागपुर। 6वीं एनसीसी स्वतंत्र कंपनी ऊना के तत्वावधान में कमांडिंग अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल रविंद्र सिंह के आदेशानुसार राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला परागपुर में नए सत्र के लिए एनसीसी कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष भर्ती अभियान को संपन्न कराने के लिए ऊना मुख्यालय से एनसीसी इंस्ट्रक्टर नायब सूबेदार जितेंद्र कुमार एवं नायब सूबेदार सोनू कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

चयन प्रक्रिया के दौरान सैन्य अधिकारियों ने छात्रों का शारीरिक परीक्षण लिया गया, जिसमें दौड़, वजन की जांच और शारीरिक ऊंचाई का माप शामिल रहा। शारीरिक दक्षता परीक्षा को पार करने वाले छात्रों के बौद्धिक स्तर को परखने के लिए इसके बाद एक लिखित परीक्षा भी आयोजित की गई। इस पूरी भर्ती प्रक्रिया में विद्यालय के कुल 40 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें से योग्यता के कड़े मापदंडों को पूरा करते हुए 29 छात्रों का चयन एनसीसी कैडेट के रूप में किया गया। प्रधानाचार्य सीमा कौशल ने कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल रविंद्र सिंह का विशेष आभार व्यक्त किया। भर्ती से जुड़ी यह आधिकारिक जानकारी विद्यालय के एनसीसी अधिकारी विवेकानंद शर्मा की ओर से प्रदान की गई।

टिपरी गांव में कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा शुरू

अनंत ज्ञान

पिंकी, डाडासीबा। तहसील डाडासीबा के अंतर्गत टिपरी में मंगलवार को कलश यात्रा के सा1थ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और राधा-कृष्ण के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कथाव्यास पंडित सुमित शास्त्री ने श्रीमद्भागवत कथा के महात्म्य का वर्णन करते हुए कहा कि सत्संग की प्राप्ति अनेक जन्मों के पुण्य कर्मों का फल होती है। उन्होंने कहा कि भागवत कथा से बढ़कर पापों का नाश करने वाला कोई अन्य साधन नहीं है। कथा श्रवण से मन को शांति मिलती है और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से भगवान राधा-कृष्ण की भक्ति अपनाने और नियमित कथा श्रवण करने का आह्वान किया। कलश यात्रा में रविंद्र सिंह मेहता, रक्षित मेहता, दिनेश कुमार, विकास, पारुल, अंजना, रंजना, पूजा, मीना कुमारी और शालिनी सहित अनेक श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजन समिति ने बताया कि कथा प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएगी।

कलश यात्रा निकालते श्रद्धालु।

कुलदेवी मंदिर में भंडारे में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

अनंत ज्ञान, गरली। थाना बरग्रां स्थित कुलदेवी मंदिर परिसर रविवार को 20वें विशाल भंडारे के अवसर पर आस्था के महासागर में तब्दील हो गया, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और 'जय कुलदेवी माता' के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। दिनभर मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं और सेवा-भाव के साथ प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन में दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने कुलदेवी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कुलदेवी हार मंदिर सभा के सदस्यों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और मंदिर परिसर के समीप बट वृक्ष का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभी ने मिलकर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया और इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए आवश्यक कदम बताया।

पठानकोट में महिला समेत तीन आरोपी 783 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार

◆ चंबा की बस में बैठकर आए थे आरोपी

अनंत ज्ञान, अशोक ठाकुर, पठानकोट। पठानकोट के थाना मामून कैंट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला सहित तीन लोगों को 783 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी हिमाचल प्रदेश के चंबा की ओर से आई बस में सवार होकर पठानकोट पहुंचे थे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार थाना मामून कैंट में तैनात सहायक सब इंस्पेक्टर पवन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम बघार चौक पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान चंबा की ओर से आई एक बस से एक महिला और दो युवक उतरे। पुलिस को देखकर तीनों घबरा गए और पीछे मुड़ने लगे। इस दौरान एक युवक ने अपने बैग से एक लिफाफा निकालकर सड़क किनारे फेंक दिया। पुलिस को उनकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं, जिसके बाद टीम ने तुरंत तीनों को रोककर पूछताछ की। फेंके गए लिफाफे की तलाशी लेने पर उसमें से 783 ग्राम चरस बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने मौके पर ही तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान अबरोल नगर निवासी दीपक कुमार, मोहित कुमार और प्रियंका के रूप में हुई है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रीति ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और यह पता लगाया जा रहा है कि चरस की खेप कहां से लाई गई थी तथा इसे कहां पहुंचाया जाना था। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े अन्य संभावित लिंक भी खंगाले जा रहे हैं।

विकास के नाम पर टैक्स वसूली बंद करे सुक्खू सरकार: भंडारी

अनंत ज्ञान

◆ बोले- छात्रों की जेब पर डाका बर्दाश्त नहीं होगा

ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश विश्वविद्यालय की ओर से छात्रों से प्रतिवर्ष डेवलपमेंट फंड वसूलने के फरमान पर प्रदेश आम आदमी पार्टी के राज्य प्रवक्ता ने सुक्खू सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने इस फैसले को प्रदेश के लाखों युवाओं और उनके परिवारों पर एक क्रूर आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक करार दिया है। राज्य प्रवक्ता कल्याण भंडारी ने सरकार की मंशा पर कड़े सवाल उठाते हुए कहा कि जो शुल्क पहले पूरे डिग्री कोर्स में सिर्फ एक बार लिया जाता था, उसे अब सालाना 'जजिया टैक्स' बना दिया गया है। सामान्य वर्ग से 500 रुपए और बीपीएल/आईआरडीपी परिवारों के छात्रों से 250 रुपए सालाना वसूलना यह साबित करता है कि सरकार जन-कल्याण के रास्ते से भटक कर 'व्यापारिक मोड' में आ चुकी है। भंडारी ने कहा कि हिमाचल का युवा पहले ही अभूतपूर्व बेरोजगारी और पेपर लीक जैसे घोटालों की मार झेल रहा है। ऐसे में उच्च शिक्षा को जानबूझकर महंगा करना गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को यूनिवर्सिटी से बाहर धकेलने की साजिश है। भंडारी ने कहा कि एक तरफ दिल्ली और पंजाब में 'आप' शिक्षा को सर्वोच्च अधिमान प्रदान कर इसका बजट बढ़ाकर उसे हर नागरिक के लिए मुफ्त और विश्वस्तरीय बना रही है। वहीं, दूसरी तरफ, हिमाचल की सरकार शिक्षा के अधिकार को एक लग्जरी बनाने पर तुली है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सालाना आधार पर डेवलपमेंट फंड वसूलने के इस जनविरोधी तुगलकी फरमान को बिना शर्त तुरंत वापस लिया जाए। यूनिवर्सिटी के पिछले 5 वर्षों के फंड का 'सोशल ऑडिट' करवाकर उसकी रिपोर्ट जनता के समक्ष रखी जाए व आर्थिक मंदी को देखते हुए छात्रों के लिए एक विशेष 'राहत नीति' बनाई जाए, न कि उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि 'आप' इस मुद्दे पर चुप बैठने वाली नहीं है। सरकार ने जल्द ही इस फैसले को निरस्त नहीं किया, तो 'आप' छात्र संगठनों, अभिभावकों और आम जनता को साथ लेकर सड़कों पर उतरेगी और प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन की शुरुआत करेगी।

देशव्यापी केमिस्ट्स की हड़ताल 20 को, पीएम को भेजा जाएगा ज्ञापन

◆ ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बंद रहेंगे मेडिकल स्टोर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के आह्वान पर देशभर के केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स 20 मई को हड़ताल करेंगे। अवैध एवं अनियंत्रित ऑनलाइन दवा बिक्री तथा जन स्वास्थ्य एवं लाखों छोटे केमिस्ट्स के अस्तित्व से जुड़े गंभीर मुद्दों के विरोध में राष्ट्रव्यापी एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की जा रही है। एआईओसीडी एवं हिमाचल प्रदेश राज्य केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के आह्वान कांगड़ा जिले के सभी केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स ने अपने प्रतिष्ठान पूर्णत: बंद रखकर आंदोलन का समर्थन करेंगे। हड़ताल के माध्यम से दवाओं की अवैध एवं अनियमित ऑनलाइन बिक्री, बिना वैध एवं सत्यापित चिकित्सकीय पर्चे के दवाओं की बिक्री एवं होम डिलीवरी, ऑनलाइन दवा प्लेटफॉर्म्स द्वारा अत्यधिक छूट की अनुचित नीति, जिससे छोटे एवं लाइसेंस धारी केमिस्ट्स गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स के सचिव राजेश शर्मा ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि दवाएं सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं हैं तथा उचित सत्यापन के बिना उनकी अनियंत्रित ऑनलाइन बिक्री जन स्वास्थ्य, मरीजों की सुरक्षा एवं ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के अंतर्गत स्थापित नियामकीय व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही है। उन्होंने केमिस्ट समुदाय की ओर से केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि मरीजों की सुरक्षा, जन स्वास्थ्य एवं लाखों छोटे लाइसेंसधारी केमिस्ट्स एवं उनके कर्मचारियों के हितों की रक्षा हेतु तत्काल प्रभावी एवं सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

मझग्रां पंचायत में तीन वार्ड सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

मझग्रां (लदवाड़ा) पंचायत में निर्विरोध चुने वार्ड सदस्य।

अनंत ज्ञान

शाहपुर। उपमंडल शाहपुर के अंतर्गत आने वाली मझग्रां (लदवाड़ा) पंचायत होने वाले पंचायत चुनावों के लिए नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया के अंतिम दिन 15 मई को तीन वार्डों में उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए।

पंचायत के सात वार्डों में से वार्ड नंबर-1 से रंजना देवी, वार्ड नंबर-2 से कृष्णा देवी तथा वार्ड नंबर-3 से तरसेम कुमार निर्विरोध वार्ड सदस्य निर्वाचित घोषित किए गए। पूर्व प्रधान योगराज चड्ढा ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व जिला परिषद चेयरमैन देसराज बागी, कैप्टन अमर सिंह, कै. दविंदर सिंह, डॉ. अश्वनी कुमार, पूर्व उपप्रधान योगिंद्र तथा गांव के प्रबुद्ध लोग और उनके खुद के प्रयासों से तीनों वार्डों में सर्वसम्मति से चुनाव संपन्न करवाए गए, जिसमें तीन वार्ड सदस्य निर्विरोध चुने गए। उन्होंने कहा कि पंचायत में आपसी भाईचारे और सौहार्द का परिचय देते हुए ग्रामीणों ने निर्विरोध चुनाव करवाकर एक सकारात्मक संदेश दिया है। क्षेत्र की जनता ने नवनिर्वाचित वार्ड सदस्यों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

नगर पंचायत शाहपुर में चार निर्दलीय जीते, पर अध्यक्ष पद के लिए भाजपा की दावेदारी मजबूत

अनंत ज्ञान

कोहली, शाहपुर। केवल सिंह पठानिया के विधानसभा क्षेत्र शाहपुर की नगर पंचायत की चुनावी तस्वीर ने इस बार स्थानीय राजनीति को नया मोड़ दे दिया है। सात वार्डों वाली नगर पंचायत में जनता ने किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं दिया और सबसे अधिक भरोसा निर्दलीय उम्मीदवारों पर जताया।

परिणामों में चार सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे, जबकि कांग्रेस को दो और भाजपा को केवल एक सीट मिली, लेकिन राजनीतिक समीकरणों का सबसे बड़ा मोड़ अध्यक्ष पद के आरक्षण ने पैदा कर दिया है।

अध्यक्ष पद अनुसूचित जनजाति महिला के लिए आरक्षित होने के कारण पूरे सदन में इस श्रेणी से निर्वाचित होने वाली एकमात्र पार्षद भाजपा की बबिता हैं। ऐसे में संख्या बल कम होने के बावजूद अध्यक्ष पद पर भाजपा का कब्जा लगभग तय माना जा रहा है। शाहपुर नगर पंचायत में कुल वार्ड सात, बहुमत का आंकड़ा 4, निर्दलीय विजेता 4, कांग्रेस समर्थित विजेता 2, भाजपा समर्थित 1 विजेता।

एक सीट के बावजूद भाजपा क्यों मजबूत?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह चुनाव परिणाम संख्या बनाम व्यवस्था की स्थिति पैदा कर रहा है। सदन में भाजपा की केवल एक सीट होने के बावजूद अध्यक्ष पद के लिए कानूनी तौर पर सबसे मजबूत स्थिति उसी की बन गई है। चूंकि अध्यक्ष पद अनुसूचित जनजाति महिला वर्ग के लिए आरक्षित है और भाजपा की बबिता ही इस वर्ग से निर्वाचित पार्षद हैं, इसलिए उनके सामने किसी अन्य उम्मीदवार के उतरने की संभावना नहीं दिख रही। यही वजह है कि शाहपुर नगर पंचायत में सत्ता संचालन की चाबी भाजपा के हाथों में जाती नजर आ रही है।

कांग्रेस का बहुमत दावा, लेकिन रास्ता कठिन

चुनाव परिणामों के तुरंत बाद पांच विजयी प्रत्याशी कांग्रेस खेमे के साथ दिखाई दिए। सभी ने विधायक केवल सिंह पठानिया से मुलाकात की, जिसके बाद कांग्रेस ने दावा किया कि नगर पंचायत में पांच पार्षद पार्टी समर्थित हैं। हालांकि राजनीतिक जानकार मानते हैं कि बहुमत का दावा करने के बावजूद कांग्रेस अध्यक्ष पद हासिल नहीं कर पाएगी, क्योंकि आरक्षण व्यवस्था उसके रास्ते की सबसे बड़ी बाधा है। ऐसे में बोर्ड गठन के लिए कांग्रेस समर्थित गुट को भाजपा की बबिता के नाम पर सहमति देनी पड़ सकती है।

रोजगार हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय में कौशल विकास पर जोर, रोजगारोन्मुख शिक्षा की दिशा में पहल

सीयू के 44 विद्यार्थियों का विभिन्न कंपनियों में चयन

◆ कुलपति प्रो. बंसल ने बांटे प्री-प्लेसमेंट ऑफर लेटर

◆ बोले- कौशल विकास पर केंद्रित शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा दे रहा विश्वविद्यालय

अनंत ज्ञान

राजेश कुमार, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने कहा कि विश्वविद्यालय कौशल विकास पर केंद्रित शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है, जिससे डिग्री पूर्ण होने के बाद विद्यार्थियों को आसानी से रोजगार उपलब्ध हो सके।

नई शिक्षा नीति को लागू करने में विश्वविद्यालय पूरे देश में अग्रणी रहा है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कौशल विकास से संबंधित पाठ्यक्रम को बनाने और पढ़ाने की दिशा में कार्य हो रहा है। विद्यार्थियों के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट को ध्यान में रखते हुए विभागों की ओर से कई गतिविधियों व कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इसी के तहत कई विभागों द्वारा विश्वविद्यालय कैंपस में विभिन्न कंपनियों को बुलाकर प्री-प्लेसमेंट वार्ता का आयोजन अभी हाल ही में किया गया, जिसके तहत विभिन्न विभागों से विद्यार्थियों का चयन कंपनियों द्वारा किया गया। कुलपति ने इस वित्त वर्ष में विश्वविद्यालय के 44 विद्यार्थियों को प्री-प्लेसमेंट ऑफर लेटर प्रदान करते हुए यह बातें कहीं। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. अमित गंगोटिया ने बताया कि कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के तहत इस वर्ष अभी तक 44 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न कंपनियों द्वारा किया गया है। चयनित विद्यार्थियों में 30 विद्यार्थी एमबीए विभाग के हैं, जिन्हें टीसीएस, टाटा पावर, वर्धमान, इंफिनिटी होटल, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, स्वराज ट्रैक्टर, एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस और बजाज फाइनेंस द्वारा प्री-प्लेसमेंट ऑफर दिए गए हैं।वहीं समाज कार्य विभाग के 8 विद्यार्थियों का चयन गांधी फेलोशिप के लिए हुआ है, वहीं विभाग के 3 विद्यार्थियों को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा चुना गया है। इसके अलावा समाजशास्त्र विभाग के दो, इतिहास विभाग के एक और अर्थशास्त्र विभाग के दो विद्यार्थी को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा प्री-प्लेसमेंट ऑफर दिए गए।

केंद्रीय विश्वविद्यालय के 44 विद्यार्थियों को प्री-प्लेसमेंट ऑफर लेटर प्रदान करते कुलपति।

चुनाव ड्यूटी से शिक्षा का बंटाधार

दो सप्ताह तक पढ़ाई बाधित कर रही चुनावी ड्यूटी, स्टूडेंट्स का है क्या कसूर

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। हिमाचल में चुनावी ड्यूटी के बीच स्कूलों में पढ़ाई बाधित नहीं करने के सरकारी दावे हवा हो गए हैं। बड़सर उपमंडल में शिक्षकों को बीती 16 मई को चुनावी रिहर्सल के लिए बुलाया गया। इसके बाद 22 और 24 मई को फिर से बुलाया गया था।

बड़सर उपमंडल प्रशासन ने चुनावी रिहर्सल के दिन एक नया फरमाना जुबानी तौर पर जारी किया कि अब पार्टी संख्या 1 से 61 तक की सारी पोलिंग पार्टियां अगले 3 दिन तक यहीं रहेंगी और बैठकर बैलेट पेपर्स पर प्रत्याशियों के नाम लिखेंगी। इसके चलते रविवार को भी सारे कर्मचारी बिझड़ी स्थित खंड विकास अधिकारी कार्यालय में प्रत्याशियों के नाम बैलेट पेपर्स पर लिखते रहे। सोमवार और मंगलवार को भी उन्हें यही काम करना है, जिसके कोई लिखित आदेश तक स्कूलों को नहीं भेजे गए हैं। इसके चलते कार्यालयों का काम और स्कूलों में पढ़ाई बाधित हो गई है। क्योंकि अधिकतम स्टाफ चुनावी ड्यूटी में तैनात कर दिया गया है। 20 से 21 मई तक शेष पोलिंग पार्टियां भी यही काम करेंगी। इसके बाद 22 और 24 मई को रिहर्सल होगी। 24 मई रविवार के दिन पोलिंग पार्टियां पोलिंग स्टेशन पर रवाना कर दी जाएंगी। इस तरह अगले रविवार भी उनसे चुनावी ड्यूटी ली जाएगी। 25 मई से 30 मई वे बूथ सैट करते हुए पंचायत चुनाव करवाएंगे। इस तरह 31 मई रविवार तक सारे स्कूलों में चुनाव ड्यूटी वाला स्टाफ ड्यूटी पर नहीं होगा। सवाल वही है कि आखिर चुनावों के आगे पढ़ाई का महत्व 'गौण' क्यों हो जाता है। इधर असल में व्यवस्थाएं मुकम्मल तौर पर अजीबोगरीब मरहले में हैं और ड्यूटी पर तैनात सारा स्टाफ इनकी चर्चा भी कर रहा है।

काम में व्यस्त ड्यूटी पर तैनात स्टाफ। अनंत ज्ञान

स्कूलों का अधिकतम स्टाफ चुनावी ड्यूटी में लगा

31 मई को रविवार है और 1 जून से 8 जून तक स्कूलों में गर्मियों का अवकाश है। इसके चलते शिक्षक 9 जून को वापस स्कूल जाएंगे, जिससे शिक्षा के तीन सप्ताह 'गर्क' हो जाएंगे। चुनाव ड्यूटी पता है तैनात ऐसे शिक्षक बता रहे हैं कि ऐसा इतिहास में पहली बार हो रहा है कि अनेकों स्कूलों का अधिकतम स्टाफ ही चुनावी ड्यूटी में झोंक दिया है और उनसे मतपत्र लिखवाने का कार्य खंड स्तर पर करवाया जा रहा है, जबकि इससे पहले यह काम पोलिंग पार्टियां चुनावी गंतव्य पर चुनाव के पिछले दिन करती थीं। अब चुनाव के पिछले दिन बूथ सेटअप ही करना होगा। इसके चलते सरकारी स्कूलों में बच्चों की शिक्षा का बंटाधार हो रहा है। अगर ग्रीष्मकालीन अवकाश का शेड्यूल चुनावों के मद्देनजर 24 मई से 31 मई तय होता तो बच्चों की पढ़ाई के 8 दिन बर्बाद नहीं होते, मगर शिक्षा विभाग भी गहन निद्रा में है। चुनावी ड्यूटी वाले स्टाफ को उसके संदर्भ में प्रतिपूरक अवकाश दे दिया जाता तो स्थिति बेहतर हो जाती। शिक्षक अपनी सुविधा अनुसार वह अवकाश ले लेते और स्कूलों में पढ़ाई चलती रहती। सवाल यह भी है कि कई स्कूलों का 90 प्रतिशत स्टाफ इस ड्यूटी में लगाया गया है, तो वहां बच्चों को सिंगल टीचर इतने दिन क्या क्या पढ़ाएंगे। 1 जून से जनगणना ड्यूटी भी शुरू है। ऐसे में अगले माह भी पढ़ाई पर असर पड़ेगा और शिक्षा विभाग में 14 हजार रिक्त पद हैं। ऐसे में मौजूदा स्टाफ पर पहले से ही बहुत अधिक काम का दबाव है।

मतदान प्रक्रिया को गहनता से समझें सभी अधिकारी: संजीत

मतदान अधिकारियों के लिए बड़ू में प्रशिक्षण एवं पूर्वाभ्यास सत्र आयोजित

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। पंचायतीराज संस्थाओं की मतदान प्रक्रिया को पूर्ण करवाने के लिए विभिन्न मतदान केंद्रों पर तैनात होने वाले उपमंडल हमीरपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए सोमवार को यहां बहुतकनीकी महाविद्यालय बड़ू के सभागार में प्रशिक्षण एवं पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण एवं पूर्वाभ्यास के विभिन्न सत्रों के दौरान एसडीएम हमीरपुर संजीत सिंह और अन्य मास्टर ट्रेनर अधिकारियों ने पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं।

इस अवसर पर एसडीएम संजीत सिंह ने कहा कि मतदान प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्वक एवं विवादरहित संपन्न करवाने के लिए पीठासीन और मतदान अधिकारियों को सभी नियमों एवं राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने पीठासीन और मतदान अधिकारियों से कहा कि वे मतदान प्रक्रिया और राज्य निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों को गहनता के साथ समझें। किसी भी नियम या प्रक्रिया को लेकर उन्हें कोई शंका है तो तुरंत मास्टर ट्रेनरों या अन्य उच्च अधिकारियों से संपर्क करें।

इस प्रशिक्षण एवं पूर्वाभ्यास में तहसीलदार नरेश पटियाल, नायब तहसीलदार जगदीश ठाकुर, हमीरपुर उपमंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, पीठासीन अधिकारियों और मतदान अधिकारियों ने भाग लिया।

अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया से संबंधित जानकारियां प्रदान कीं। अनंत ज्ञान

वार्ड- 2 से मीना देवी को सर्वसम्मति से चुना

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज के अंतर्गत पंचायत गरसाहड़ के वार्ड नंबर-2 से मीना देवी को सर्वसम्मति से निर्विरोध चुना गया है। उनके चुने जाने के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है और स्थानीय लोगों ने इसे विकास की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है। मीना देवी ने वार्ड वासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता ने जो विश्वास उन पर जताया है, वे उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वार्ड में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना, पेयजल आपूर्ति में सुधार, सड़क सुविधाओं का विस्तार और अन्य मूलभूत जरूरतों को पूरा करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनके निर्विरोध चुने जाने से वार्ड में आपसी एकता का संदेश गया है।

भोरंज ब्लॉक में पंचायत चुनावों के लिए तैयार होने लगी मतदान केंद्र की चुनाव सामग्री

नियुक्त कर्मचारी आज लिखना शुरू करेंगे बैलेट पेपर पर प्रत्याशियों का नाम

अनंत ज्ञान

भोरंज। भोरंज ब्लॉक में पंचायत चुनावों को लेकर मतदान केंद्र के लिए चुनाव सामग्री तैयार करने का कार्य जोरों पर है। स्थानीय ब्लॉक समिति हाल में प्रत्येक बूथ के पीठासीन अधिकारी को दी जाने वाली चुनाव सामग्री के बैग तैयार किए जा रहे हैं।

भोरंज में चुनावी प्रक्रिया को सुचारु रूप से बूथ स्तर पर संपन्न करवाने के लिए आज मंगलवार को मुख्यमंत्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भोरंज परिसर में पीठासीन व मतदान अधिकारियों का दूसरा पूर्वाभ्यास होगा, जिसमें चुनाव संबंधी प्रशिक्षण के साथ पोलिंग पार्टियों का गठन भी किया जाएगा। पूर्वाभ्यास के दौरान पीठासीन अधिकारियों व मतदान अधिकारियों को मतदान पेटी को खोलने, सील लगाने व अन्य चुनाव संबंधी पेपर तैयार करने के लिए भी प्रशिक्षित किया जाएगा। इसी दिन प्रत्येक पंचायत के लिए नियुक्त सहायक निर्वाचन अधिकारी (एआरओ) को बैलेट पेपर लिखने के लिए आवंटित किए जाएंगे तथा उन पर प्रत्याशियों के चुनाव चिन्ह के साथ नाम लिखने का कार्य किया जाएगा।477 कर्मचारी लगाए गए हैं। इसी तरह चुनावी प्रक्रिया के लिए मतदान पेटियां भी खंड कार्यालय में पहुंच चुकी हैं। चुनावी प्रक्रिया की सफलता के लिए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भोरंज में स्ट्रांग रूम बनाया गया है।

पंचायत चुनावों को लेकर भोरंज समिति हॉल में मतदान केंद्र के लिए चुनाव सामग्री के बैग तैयार करते हुए कर्मचारी। अनंत ज्ञान

क्या कहते हैं खंड विकास अधिकारी

खंड विकास अधिकारी भोरंज कुलवंत सिंह का कहना है कि भोरंज ब्लॉक में 44 ग्राम पंचायतों में चुनाव हो रहे हैं। पहले व दूसरे फेज में 15-15 व तीसरे फेज में 14 ग्राम पंचायतों में चुनाव होंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए चुनाव संबंधी सामग्री तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्र तक पोलिंग पार्टियों को पहुंचाने के लिए करीब 15 बसें मांगी गई है।

पंचायत चुनाव के लिए 404 कर्मचारियों की ड्यूटी

बेल्ट पेपर लिखने का कार्य जारी, 21 मई को होगा पूरा, बड़सर में तीन चरणों में होंगे पंचायत चुनाव

अनंत ज्ञान

एसके ठाकुर, बड़सर। पंचायती चुनाव तीन चरणों में होने जा रहे हैं। इन चुनावों को सफलतापूर्वक करवाने के लिए निर्वाचन अधिकारी बड़सर द्वारा लगभग 404 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जानकारी के अनुसार 17 मई को चुनाव संबंधी प्रथम रिहर्सल उपरांत बेल्ट पेपर लिखने कार्य यह कर्मचारी कर रहे हैं। बेल्ट पेपर लिखने का कार्य 21 में को खत्म होगा बता दे कि जिला परिषद बीडीसी प्रधान उप प्रधान वार्ड पंच की वोटिंग तीन चरण 26 28 और 30 मई को होगी।

यह वोटिंग बेल्ट पेपर्स से होगी। बेल्ट पेपर पर प्रत्याशियों के नाम मैन्युअल लिखे जा रहे हैं। यह कार्य पूरे जोर-शोर से चला हुआ है। 21 मई को दूसरी रिहर्सल होगी। 24 मई को वोटिंग करवाने वाली टीमें पोलिंग बूथ के लिए रवाना होगी पहले चरण का मतदान 26 दूसरे चरण का मतदान 28 और तीसरे चरण का मतदान 30 मई को होगा। 31 मई को जिला परिषद बीडीसी के वोटो की गिनती करवाई जाएगी। अब सबसे बड़ा सवाल यह भी खड़ा होता है कि शिक्षकों को लगभग 16 दिन तक शिक्षा संस्थानों उपस्थित नहीं हो सकेंगे। इसका सीधा सीधा असर सरकारी स्कूलों में शिक्षक ग्रहण कर रहे बच्चों की पढ़ाई पर पड़ेगा । अब उसके बाद यानी 1 जून से लेकर 10 जून तक शिक्षा संस्थानों में गर्मियों की छुट्टियां रहेगी यानी के लगभग एक महीना जो शिक्षक बच्चों की क्लास में नहीं नहीं जाएंगे ऐसे में सरकारी स्कूलों में शिक्षक ग्रहण कर रहे बच्चों की पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ेगा और यही कारण है कि आज सरकारी शिक्षण संस्थाओं में बच्चों की संख्या दिन प्रतिदिन घटती जा रही है। इस विषय पर सरकार को गंभीरता से सोचना चाहिए। शिक्षकों की के स्थान पर अन्य विभागों के कर्मचारियों के साथ-साथ आंगनवाड़ी वर्कर आशा वर्कर आंगनवाड़ी सहायिका को अगर इस कार्य में लगा दिया जाए तो सरकारी शिक्षा संस्थान में बच्चों की पढ़ाई कम प्रभावित होगी। इस संदर्भ में जब रिटर्निंग अधिकारी से बातचीत हुई तो उनका कहना पंचायती चुनाव ऑन के मध्य नजर 101 पोलिंग पार्टियों बनाई गई है एक पार्टी में चार कर्मचारी लगाएंगे सभी विभागों के लगभग 404 कर्मचारी चुनावी ड्यूटी पर हैं।

चुनाव संबंधी प्रथम रिहर्सल के बाद बेल्ट पेपर लिखने कार्य में जुटे कर्मचारी। अनंत ज्ञान

रेडक्रॉस सोसायटी हीरानगर के चिल्ड्रन पार्क में 23 को चलाएगी सफाई अभियान

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला रेडक्रॉस सोसायटी 23 मई को हीरानगर के चिल्ड्रन पार्क में सफाई अभियान चलाएगी। एडीसी एवं जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष अभिषेक गर्ग ने बताया कि सुबह 9 बजे आरंभ होने वाले इस सफाई अभियान में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्ता, अन्य संगठनों के कार्यकर्ता और आम नागरिक भाग लेकर श्रमदान करेंगे। एडीसी ने हमीरपुरवासियों से इस सफाई अभियान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

वैकल्पिक सड़क पर मिट्टी ही मिट्टी, नहीं हो रहा पानी का छिड़काव

बड़ू-इंडस्ट्रियल एरिया के बीच बन रहा पुल; एक और गसोता महादेव मंदिर के पास निर्माणाधीन, वाहन चालक परेशान

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। हमीरपुर-भोरंज सड़क मार्ग पर जिन दो पुलों का निर्माण हो रहा है, उनके लिए बनाई गई वैकल्पिक सड़क लोगों के जी का जंजाल बनी हुई है। वाहन चालक यहां पर उड़ रही धूल मिट्टी से अच्छे खासे परेशान हैं। खासकर दो पहिया वाहन चालक। वजह यह है कि दोनों ही जगह पर जिस रोड से होकर वाहन गुजर रहे हैं वह वैकल्पिक मार्ग है। और इसी कारण मिट्टी युक्त इस सड़क पर गर्मी के मौसम में यदि पानी का छिड़काव नहीं होगा, तो परेशानी तो निश्चित रूप में होगी। यही कुछ पिछले कुछ दिनों से हो रहा है। अब क्योंकि गसोता महादेव मंदिर के पास नलवाड़ी मेले का भी शुभारंभ हो चुका है।

यहां भी अच्छी खासी भीड़ रोजाना देखने को मिल रही है। इस मेले में दूर-दूर से गांव वासी पहुंच रहे हैं। लेकिन जब दोनों जगह पर सड़क की हालत ही खराब हो और जिस एजेंसी को इस सड़क पर पानी का छिड़काव करने की इजाजत हो। वह लापरवाही से पेश आए, तो फिर पीडब्ल्यूडी की कार्रवाई पर सवाल निश्चित रूप में उठेंगे ही। जिन दो जगह पर पुलों का निर्माण हो रहा है, उन दोनों ही जगह पर पानी का छिड़काव नहीं हो रहा। सोमवार को भी किसी ने भी यहां पर पानी का छिड़काव नहीं किया और मिट्टी की मोटी परत धूल में बदल चुकी है। इसीलिए दिक्कत नहीं आ रही है। सुबह ऑफिस टाइम में और शाम को 3:00 बजे के बाद यहां पर जाम की समस्या भी परेशानी का सबब बनी हुई है। दरअसल में इन दोनों ही जगहों पर सिंगल लेन पुलों को डबल लेन करने का काम चल रहा है। और यह इलाका हमीरपुर के बिल्कुल पास में है। यहां पर वाहनों की आवाजाही भी अच्छी खासी तादाद में रहती है। लंबलू तक का इलाका इन्हीं दो पुलों से होकर जुड़ता है।

वैकल्पिक रोड पर उड़ती धूल। मिट्टी से परेशान होता दो पहिया वाहन चालक। अनंत ज्ञान

क्या कहते हैं एसडीओ

लंबलू स्थित पीडब्ल्यूडी के एसडीओ साहिल शर्मा ने बताया कि कई दिनों से बारिश हुई नहीं है, इसलिए समस्या तो है। एक पुल पर ठेकेदार को बोला गया है, जबकि दूसरे पर विभाग ही अपने स्तर पर पानी के छिड़काव में निर्भर है। लेकिन उन्होंने बताया कि अब क्योंकि गर्मी ज्यादा पड़ रही है और मिट्टी उड़ रही होगी, तो इस पर पानी के छिड़काव की व्यवस्था की जाएगी।

नवनिर्वाचित पार्षदों के साथ बैठक में सरोज कुमारी का नाम अध्यक्ष के लिए फाइनल

कांग्रेस ने नगर पंचायत भोटा में बढ़ाई बढ़त, क्या भाजपा भी दाव खेलेगी

अनंत ज्ञान

भोटा। नगर पंचायत भोटा में चुनावों के बाद कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुमन भारती में प्रेस वार्ता की। इस अवसर पर नगर पंचायत भोटा में सरोज कुमारी को अध्यक्ष बनाने की सहमति जताई है। प्रेसवार्ता से पहले जिला अध्यक्ष ने नगर पंचायत चुनावों में जीते हुए पार्षदों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पंचायत भोटा का अध्यक्ष सरोज कुमारी को चुना गया। सरोज कुमारी पहले भी इस वार्ड से कांग्रेस पार्षद रह चुकी हैं।

उन्होंने वार्ड में पहले भी काफी विकास करवाया है। स्थानीय कांग्रेस नेता सरण प्रसाद ने बताया कि भोटा नगर पंचायत की जनता ने जो समर्थन इस गठबंधन को दिया है इस समर्थन के लिए वे लोगों का धन्यवाद करते हैं । उन्होंने बताया कि हमारे सात मे से चार पार्षद जीतकर आए हैं और यह एक मुट्ठी में बंधे हैं। उन्होंने बताया कि व्यापार मंडल और कांग्रेस के बीच में जो गठबंधन किया गया था वह भाजपा को बैक फुट पर लाने के लिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का भोटा मे बस अड्डा देने के लिए धन्यवाद किया है और कहा कि यही कारण है कि यहां पर विकास कार्यों के लिए ही लोगों ने गठबंधन को चुना है। उन्होंने यह भी बताया कि अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण होने के उपरांत वे चारों उम्मीदवारों को मुख्यमंत्री के पास ले जाकर भोटा नगर पंचायत के विकास कार्य हेतु मिलने भी जाएंगे और उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। कांग्रेस के अध्यक्ष सुमन भारती ने चारों उम्मीदवारों को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी एवं स्थानीय नगर पंचायत कोटा के लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद किया।

सरोज कुमारी पहले भी इस वार्ड से कांग्रेस पार्षद रह चुकी हैं। अनंत ज्ञान

सलासी में स्थापित किया 'किताब घर'

नादौन में यशपाल साहित्य संस्थान भवन को तोड़कर बनेगा राज्य स्तरीय पुस्तकालय

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। यशपाल साहित्य प्रतिष्ठान नादौन के भवन को गिराकर उसकी जगह राज्यस्तरीय पुस्तकालय के निर्माण की प्रक्रिया आरंभ होने के कारण भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग ने पुराने भवन में चल रहे किताब घर को फिलहाल सलासी में स्थित जिला भाषा अधिकारी कार्यालय एवं संस्कृति सदन में स्थानांतरित कर दिया है। जिला भाषा अधिकारी संतोष कुमार पटियाल ने बताया कि यशपाल साहित्य प्रतिष्ठान, नादौन के भवन को गिराया जा रहा है।

पुराने भवन में संचालित किए जा रहे किताब घर को अभी अस्थायी तौर पर जिला भाषा अधिकारी कार्यालय एवं संस्कृति सदन सलासी में स्थापित किया गया है, ताकि साहित्य प्रेमियों, पाठकों एवं शोधार्थियों को इस किताब घर में भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग, हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी, जिला हमीरपुर और अन्य जिलों के साहित्यकारों एवं लेखकों की पुस्तकें व पत्रिकाएं बिक्री के लिए उपलब्ध करवाई जा सकें। जिला भाषा अधिकारी ने बताया कि विभाग द्वारा नादौन में राज्य स्तरीय आधुनिक पुस्तकालय निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे यहां पाठकों, साहित्यकारों एवं शोधार्थियों को बेहतर अधोसंरचना एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने लेखकों एवं आम पाठकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वे संस्कृति सदन सलासी में स्थापित किताब घर में आकर पुस्तकों का अवलोकन करें तथा अपनी रुचि के अनुसार पुस्तकें खरीदें। विभाग का यह प्रयास साहित्य एवं पठन संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। जिला भाषा अधिकारी ने कहा कि विभाग का उद्देश्य साहित्य, भाषा, कला एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्द्धन के साथ-साथ पाठकों तक पुस्तकों की सहज पहुंच सुनिश्चित करना है।

किताब घर को जिला भाषा अधिकारी कार्यालय सलासी किया स्थानांतरित। अनंत ज्ञान

प्रतियोगिता एथलेटिक्स प्रतियोगिता के समापन समारोह में जिला ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष बोले-

हमीरपुर एथलेटिक ट्रैक के पास बनेगा ओपन एयर जिम

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, हमीरपुर। हमीरपुर एथलेटिक्स ट्रैक के समीप जल्द ही लाखों रुपए की लागत से अत्याधुनिक ओपन एयर जिम स्थापित किया जाएगा। इसकी घोषणा जिला ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने हमीरपुर में आयोजित दो दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के समापन समारोह में की। उन्होंने कहा कि हमीरपुर एथलेटिक एसोसिएशन खेलों के विकास और युवाओं को बेहतर मंच देने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है।

धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाना और खेल ढांचे को मजबूत करना जिला ओलंपिक संघ की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को नशे, मोबाइल और टीवी के अत्यधिक दुष्प्रभाव से दूर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा फिट इंडिया अभियान को भी मजबूती प्रदान करती हैं। समारोह के दौरान जिला एथलेटिक संघ ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। जिला अध्यक्ष पंकज भारतीय ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों सुहानी और प्रिया ठाकुर को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय वेटरन एथलीट सुरेंद्र ठाकुर ने भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। कार्यक्रम में सूरज ठाकुर, अनिल शर्मा, विजय राणा, कोच राजेंद्र सिंह, प्रोफेसर सनी शर्मा, संजय शर्मा, राहुल वर्मा, अरुण ठाकुर और रोहित चौहान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भी बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों के लिए विशेष दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन भी आकर्षण का केंद्र रहा।

अंतरराष्ट्रीय वेटरन एथलीट सुरेंद्र ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। अनंत ज्ञान

बाल एथलेटिक्स स्पर्धा में नन्हे खिलाड़ियों ने दिखाया दम

बाल एथलेटिक्स प्रतियोगिता में नन्हे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। अंडर-8 लड़कों की 30 मीटर दौड़ में मोक्षित राजपूत प्रथम, अद्विक ठाकुर द्वितीय और अनिरुद्ध तृतीय स्थान पर रहे। स्पून एंड लेमन रेस में अरनव ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि बुक बैलेंसिंग प्रतियोगिता में रियांश विजेता बने। रिले रेस में अयान परमार, शिवांश परमार, स्वास्तिक ठाकुर और कार्तिक की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। अंडर-8 लड़कियों में प्रिशा ने 30 मीटर रेस में पहला स्थान हासिल किया। स्पून एंड लेमन और बुक बैलेंसिंग प्रतियोगिताओं में शोभित का दबदबा रहा। लड़कियों की स्प्रिंट रिले में ईना चौहान, शोबिता नेगी, इवा चौहान और शिवांगी की टीम विजेता रही। अंडर-10 लड़कों में प्रिंस ने 30 मीटर दौड़, नक्श ने ब्रॉड जंप और आरव ठाकुर ने फारवर्ड थ्रो में पहला स्थान प्राप्त किया। लड़कों की स्प्रिंट रिले में जयेश राजपूत, आरुष, स्तानजिन और रियाज की टीम प्रथम रही। लड़कियों के वर्ग में वंशिका ने दौड़, तृषिका ने ब्रॉड जंप तथा वरदानियां ने फारवर्ड थ्रो में जीत दर्ज की। स्प्रिंट रिले में वंशिका, अन्वी कटोच, हानिका और अंशिका गुलरिया की टीम पहले स्थान पर रही। अंडर-12 लड़कों की 60 मीटर दौड़ में वरदान पहले, विश्वास दूसरे और ऋषभ तीसरे स्थान पर रहे। ब्रॉड जंप में विश्वास तथा फारवर्ड थ्रो में दिवेश भारती ने पहला स्थान हासिल किया। रिले में दिवांशु, क्षितिज, ऋतुल और रियाज की टीम विजेता रही। लड़कियों के अंडर-12 वर्ग में अन्वी ने 60 मीटर दौड़ और ब्रॉड जंप दोनों में पहला स्थान हासिल किया। फारवर्ड थ्रो में अंशु पठानिया विजेता रहीं। रिले प्रतियोगिता में अन्वी, यशिका, आराध्या और अद्विका की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया।

न्यूज ब्रीफ

लोअर महादेव में शिवमहापुराण कथा 26 से

अनंत ज्ञान, महादेव। नाचन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गांव चौक पुल के निकट यानी गांव लोअर महादेव स्थित सिद्ध श्री बाबा बालकनाथ मंदिर में शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन 26से 3जून तक आयोजित किया जाएगा। धार्मिक श्रद्धा के केंद्र बाबा बालकनाथ मंदिर को समर्पित अनुयायी प्रमुख दौलत राम एवं उनकी पत्नि सत्या देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस धार्मिक कथा का रसास्वादन दोपहर 1बजे से लेकर सांय 4बजे तक दूर-दूर तक मशहूर कथा वाचक महेंद्रानंद जी महाराज करसोग वाले के मुखारविंद से होगा। अनुयायिओं ने सभी भक्तों से आग्रह किया है कि कथा को श्रवण कर पुण्य कमाएं।

फतेहपुर-चंदेश-दुर्गापुर मार्ग 23 मई तक बंद

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। उपमंडलाधिकारी सरकाघाट द्वारा फतेहपुर-चंदेश-दुर्गापुर सड़क मार्ग पर यातायात बंद करने संबंधी आदेश जारी किए गए हैं। यह निर्णय लोक निर्माण विभाग, उपमंडल भद्रवाड़ द्वारा सड़क के उन्नयन एवं मेटलिंग-टारिंग कार्य को सुचारू रूप से संपन्न करवाने हेतु लिया गया है। जारी आदेशों के अनुसार फतेहपुर-चंदेश-दुर्गापुर सड़क मार्ग के भदरोई से दुर्गापुर खंड पर 18 से 23 मई तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पूर्णतः बंद रहेगी। एसडीएम सरकाघाट ने बताया कि सड़क बंद रहने के दौरान आम जनता की सुविधा के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में सरनोटा-भदरोई रोड तथा जमनी-गौंटा-रखोटा मार्ग का उपयोग किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए ठेकेदार द्वारा एक वाहन एवं मोबाइल संपर्क सुविधा उपलब्ध रखी जाएगी। प्रशासन ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए हैं कि मार्ग बंद होने से पूर्व संबंधित स्थानों पर सूचना एवं डायवर्जन बोर्ड लगाए जाएं, ताकि लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े। साथ ही विभाग को निर्धारित अवधि के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली स्वच्छता की शपथ

अनंत ज्ञान, महादेव। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बीएसएल प्रोजेक्ट सुंदरनगर में 16 से 30 मई तक मनाए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़े' के संबंध में आज एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह अभियान मुख्य अभियंता बीएसएल प्रोजेक्ट सुंदरनगर बीएस नारा तथा उप मुख्य अभियंता कश्मीर सिंह के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत आज प्रोजेक्ट के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देश को स्वच्छ रखने के लिए देशभक्ति की भावना के साथ स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। कार्यकारी अभियंता टाउनशिप गुलशन मान, कार्यकारी अभियंता डीके वर्मा तथा कार्यकारी अभियंता दिनेश यादव के अलावा प्रोजेक्ट के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकारी अभियंता टाउनशिप गुलशन मान ने सभी को शपथ दिलाते हुए अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ एवं पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए अन्य लोगों को भी जागरूक करने हेतु प्रेरित किया।

जोगिंद्रनगर में पांच व छह जून को सर्जरी कैंप

अनंत ज्ञान, बरोट। जोगिंद्रनगर के वृज मंडी के समीप स्थित सिंगला अस्पताल के संचालक एनके सिंगला के आग्रह पर सरकारी अस्पताल जोगिंद्रनगर में पांच और छह जून को निःशुल्क सर्जरी शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में दिल्ली से आने वाले विशेषज्ञ चिकित्सक गरीब और जरूरतमंद मरीजों के पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी, बच्चेदानी और रसौली सहित विभिन्न बीमारियों के ऑपरेशन निःशुल्क करेंगे। डॉ. सिंगला ने बताया कि जरूरतमंद लोग 25 मई तक सिंगला अस्पताल में अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने लोगों से इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। शिविर से संबंधित अधिक जानकारी के लिए बीएन सकलानी और मंजू कपूर से संपर्क किया जा सकता है।

बरोट के मुख्याध्यापक महेंद्र सिंह सेवानिवृत्त

अनंत ज्ञान, बरोट। शिक्षा खंड द्रंग प्रथम के अंतर्गत केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला बरोट में कार्यरत मुख्याध्यापक महेंद्र सिंह शिक्षा विभाग में 28 वर्ष की सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने अपने शिक्षकीय जीवन की शुरुआत तीन फरवरी 1998 को राजकीय प्राथमिक पाठशाला छान टिक्कर से बतौर अध्यापक की थी। इसके बाद उन्होंने विभिन्न विद्यालयों में सेवाएं देते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 2022 में उन्हें मुख्याध्यापक पद पर पदोन्नत किया गया तथा बाद में केंद्रीय मुख्याध्यापक के रूप में केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला बरोट में सेवाएं दीं। पंचायत चुनाव ड्यूटी के चलते शिक्षक संघ द्रंग प्रथम जोगिंद्रनगर द्वारा 17 मई को विद्यालय परिसर में प्रीतिभोज एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

सरकाघाट नगर परिषद में अध्यक्ष पद को लेकर जोर-आजमाइश तेज

भाजपा बहुमत के दावे पर कायम, कांग्रेस को भी अध्यक्ष पद मिलने का विश्वास

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। सरकाघाट नगर परिषद चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद अब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। दोनों दल बहुमत होने का दावा कर रहे हैं और परिषद में समर्थन जुटाने को लेकर अंदरखाने जोड़तोड़ की राजनीति भी शुरू हो चुकी है। भाजपा अपने पक्ष में चार पार्षदों का समर्थन होने का दावा कर रही है, जबकि कांग्रेस खेमे में फिलहाल तीन पार्षद माने जा रहे हैं। हालांकि कांग्रेस भी चार सदस्यों के समर्थन का दावा कर रही है, जिससे राजनीतिक स्थिति रोचक बनी हुई है। वार्ड-1 टट्टीह से मीरा देवी, वार्ड-3 जमसाई से पुष्पा देवी, वार्ड-5 रोपा कॉलोनी से संतोष कुमार और वार्ड-7 वैहड से लाल सिंह को भाजपा समर्थित माना जा रहा है। दूसरी ओर वार्ड-2 रामनगर से अश्वनी गुलेरिया, वार्ड-4 कलस से ललिता शर्मा तथा वार्ड-6 कुनालग से मीना कुमारी कांग्रेस समर्थित मानी जा रही हैं। सबसे अधिक चर्चा वार्ड-7 से निर्वाचित लाल सिंह को लेकर हो रही है। भाजपा ने उनकी जगह पूर्व पार्षद राजूराम को टिकट दिया था। इसके बाद धर्मपुर भाजपा नेता रजत ठाकुर ने पर्दे के पीछे रहकर लाल सिंह को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतारने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि लाल सिंह को भाजपा विचारधारा से जुड़ा माना जाता है और माना जा रहा है कि वे हाऊस में भाजपा का ही समर्थन कर सकते हैं। यदि भाजपा समर्थित सभी पार्षद एकजुट रहते हैं, तो पुष्पा देवी के अध्यक्ष और लाल सिंह के उपाध्यक्ष बनने की संभावना मजबूत मानी जा रही है।

वहीं, भाजपा का एक भी पार्षद दूसरी ओर जाता है तो राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस समर्थित ललिता शर्मा या मीना कुमारी अध्यक्ष पद की दौड़ में आगे आ सकती हैं। वहीं, उपाध्यक्ष पद को लेकर पूर्व उपाध्यक्ष अश्विनी गुलेरिया के बजाय भाजपा समर्थित अधिवक्ता लाल सिंह पर कांग्रेस उपाध्यक्ष का दावा खेल सकती है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि भाजपा अपने पार्षदों को एकजुट रख पाती है या कांग्रेस कोई नया राजनीतिक समीकरण तैयार करने में सफल होती है।

नगर परिषद कांग्रेस की थी और रहेगी : पवन

कांग्रेस नेता पवन ठाकुर ने कहा कि शहर की जनता ने कांग्रेस पार्टी के पक्ष में मतदान किया है और पूर्व में भी नगर परिषद पर कांग्रेस का ही कब्जा था। ऐसे में इस बार भी हर हाल में कांग्रेस पार्टी ही नगर परिषद अध्यक्ष बनाएगी।

भाजपा के पास पूर्ण बहुमत : दिलीप ठाकुर

भाजपा नेता दिलीप ठाकुर ने कहा कि भाजपा एक सैद्धांतिक पार्टी है और उसका कोई भी कार्यकर्ता या पार्षद दूसरे दल को समर्थन नहीं देगा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के पास पूर्ण बहुमत है और नगर परिषद में भाजपा ही भगवा लहराएगी।

मंडी में कांग्रेस की बढ़त ने दिए 2027 के संकेत : दीपक शर्मा

अनंत ज्ञान

◆ **बोले- जनता विकास और जवाबदेही की राजनीति के साथ**

ब्यूरो, मंडी। दीपक शर्मा ने मंडी जिला के नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों के शानदार प्रदर्शन को प्रदेश की राजनीति में बड़ा और सकारात्मक संकेत करार दिया है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के गृह जिला मंडी में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने नेरचौक, रिवालसर, करसोग और सरकाघाट सहित छह में से चार शहरी निकायों में जीत दर्ज कर महत्वपूर्ण राजनीतिक बढ़त हासिल की है। दीपक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे जनहितकारी कार्यों, पारदर्शी प्रशासन, ईमानदार कार्यशैली और विकासोन्मुख सोच पर जनता लगातार विश्वास जता रही है। उन्होंने कहा कि मंडी जिला के चुनाव परिणाम साफ संकेत दे रहे हैं कि प्रदेश की जनता अब नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि विकास, जनसेवा और जवाबदेही की राजनीति के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के गृह जिला में कांग्रेस की यह बढ़त आने वाले 2027 विधानसभा चुनावों के लिए भी बेहद सकारात्मक संकेत मानी जा रही है। जनता ने स्पष्ट कर दिया है कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस का जनाधार लगातार मजबूत हो रहा है और मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार दोबारा पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी। दीपक शर्मा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं, संगठन पदाधिकारियों, प्रत्याशियों और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत, संगठन की एकजुटता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मंडी जिला में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण और ऊर्जा के साथ चुनाव लड़ा, उसी का परिणाम पार्टी को मजबूत बढ़त के रूप में मिला है।

चोलथरा में एयरटेल टावर में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। ग्राम पंचायत चोलथरा के राख की रीड़ी क्षेत्र में आईपीएच विभाग के सप्लाई टैंक के समीप स्थित एयरटेल टावर में शनिवार शाम अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और टावर के शेल्टर, बैटरी बैंक, केबल सहित अन्य उपकरण जलकर नष्ट हो गए। घटना में करीब 5 से 6 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। घटना की सूचना स्थानीय लोगों द्वारा प्रशासन और पुलिस को दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम करीब 5:30 बजे टावर से धुआं उठता दिखाई दिया, जिसके बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इस दौरान जनरेटर स्वतः चालू हो गया, जिसे एयरटेल कर्मचारी ने मैन्युअली बंद किया। पुलिस थाना सरकाघाट में भीम सिंह निवासी गिहुला की शिकायत पर अभियोग संख्या 78/26, धारा 326 बीएनएस के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार इंडस टावर्स लिमिटेड की साइट को नुकसान पहुंचाया गया है। मामले की जांच जारी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में अतिरिक्त अग्निशमन सुविधाओं और बेहतर आपदा प्रबंधन व्यवस्था की मांग उठाई है।

ड्रेनेज बंद, डडौर में सड़क बनी तालाब

फोरलेन बनने के बाद बढ़ी समस्या, दुकानदार बोले- बारिश में दुकानों में भर जाता है पानी

अनंत ज्ञान

महेंद्र सिंह राणा, भौर। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की फोरलेन परियोजना के बाद नगर परिषद नेरचौक के वार्ड नंबर-9 डडौर में ड्रेनेज व्यवस्था ठप होने से स्थानीय लोगों और दुकानदारों का जीवन मुश्किलों में घिर गया है। सर्विस रोड पर हर समय गंदे पानी का जमाव रहने से कारोबार प्रभावित हो रहा है, वहीं लोगों को बीमारियों का डर भी सताने लगा है।

स्थानीय निवासियों और दुकानदारों का कहना है कि फोरलेन निर्माण से पहले सड़क किनारे ड्रेन बनी हुई थी, जिससे बरसात और गंदा पानी आसानी से निकल जाता था। लेकिन फोरलेन निर्माण के दौरान ड्रेनेज व्यवस्था को नजरअंदाज कर दिया गया। इसका नतीजा यह है कि मार्बल मार्किट के आगे सर्विस रोड पर स्थायी रूप से पानी जमा रहता है और सड़क तालाब का रूप ले चुकी है। यहां मोटरसाइकिल मैकेनिक का काम करने वाले नंद लाल ने बताया कि उनकी दुकान और घर दोनों गंदे पानी की चपेट में हैं। उन्होंने कहा कि समस्या को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और नगर परिषद नेरचौक के समक्ष भी उठाया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि दूषित पानी और बदबू के कारण परिवार का रहना मुश्किल हो गया है।

फर्नीचर कारोबारी राकेश कुमार ने बताया कि अभी गर्मी के मौसम में ही सड़क पर पानी लबालब भरा रहता है तो बरसात के दिनों में हालात कितने भयावह होंगे, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पिछले साल पानी दुकान के अंदर घुस गया था, जिससे लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। डर के कारण उन्हें दूसरी जगह किराये पर दुकान लेनी पड़ी। स्थानीय दुकानदार गोपाल सिंह, रमेश कुमार, अनंत राम, विवेक कुमार, चरन दास और बंटी ने मुख्यमंत्री से मांग उठाई है कि या तो एनएचएआई को ड्रेनेज व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए जाएं या फिर नगर परिषद नेरचौक को इस समस्या का स्थायी समाधान करने को कहा जाए।

लोगों का आरोप है कि सुनवाई नहीं होने के कारण वार्ड के लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। प्रभावित लोगों ने यह मांग भी दोहराई कि यदि सुविधाएं नहीं दी जा सकतीं तो उन्हें नगर परिषद क्षेत्र से बाहर किया जाए।

नेरचौक के वार्ड नंबर-9 डडौर में सर्विस रोड पर जमा गंदा पानी। अनंत ज्ञान

◆ **सीएम से एनएचएआई को ड्रेनेज व्यवस्था दुरुस्त करने के आदेश देने की मांग**

केरल बना लोकतंत्र की मिसाल, धर्म नहीं इंसानियत के नाम पर पड़े वोट : सन्नी ईप्पन

धार्मिक आधार पर विभाजन की राजनीति को जनता ने किया खारिज

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश सह संयोजक सन्नी ईप्पन ने केरल विधानसभा चुनाव परिणामों को लोकतंत्र, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की बड़ी जीत बताते हुए कहा कि केरल ने पूरे देश को यह संदेश दिया है कि जनता अब धर्म और जाति के नाम पर नहीं बल्कि इंसानियत, शिक्षा, विकास और स्वच्छ छवि वाले नेताओं के नाम पर वोट डाल रही है। उन्होंने कांग्रेस की जीत पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों से कुछ राजनीतिक ताकतों द्वारा केरल में धर्म के नाम पर विभाजन पैदा करने का भरपूर प्रयास किया गया, लेकिन वहां की जागरूक जनता ने ऐसी राजनीति को पूरी तरह नकार दिया। उन्होंने कहा कि केरल का यह नजारा देश के लिए एक बेहतरीन मिसाल बनता है। यह एक ऐसा राज्य है जहां लोग सबसे पहले इंसानियत को देखते हैं, जाति या मजहब को नहीं। सन्नी ईप्पन ने कहा कि चुनाव परिणामों में 41 हिंदू विधायक, 31 ईसाई विधायक और 30 मुस्लिम विधायक चुने जाना इस बात का प्रमाण है कि वहां मतदाता उम्मीदवार की सोच, शिक्षा और कार्यशैली को महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम बहुल तवानूर विधानसभा क्षेत्र से ईसाई समुदाय के वीएस जॉय का जीतना, हिंदू बहुल क्लामासैरी क्षेत्र से मुस्लिम उम्मीदवार ई. अब्दुल गफूर का विधायक चुना जाना और ईसाई बहुल कोच्चि से मुस्लिम उम्मीदवार मोहम्मद शियास की जीत लोकतंत्र की असली खूबसूरती को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने 'केरल स्टोरी' जैसी फिल्म बनाकर धार्मिक विभाजन और समाज में फूट डालने का प्रयास किया, लेकिन केरल की जनता ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया। ईप्पन ने कहा कि देश को ऐसे ही लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक भाईचारे की आवश्यकता है, जहां नेता को उसके धर्म या जाति से नहीं बल्कि उसके काम और चरित्र से आंका जाए।

केरल में सरकार के शपथ ग्रहण में शामिल हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू। अनंत ज्ञान

सन्नी ईप्पन

सुंदरनगर के दवा विक्रेताओं ने 20 मई को बंद का किया आह्वान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। ब्रह्मदास चौहान ने 20 मई को प्रस्तावित अखिल भारतीय दवा विक्रेता बंद को सफल बनाने के लिए सुंदरनगर क्षेत्र के सभी दवा विक्रेताओं से एकजुट होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि दवा विक्रेताओं के सम्मान, रोजगार और मरीजों की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। ब्रह्मदास चौहान ने कहा कि आज ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की अनियंत्रित बिक्री, बड़ी कंपनियों द्वारा भारी छूट और नकली दवाइयों का बढ़ता खतरा छोटे दवा विक्रेताओं के भविष्य पर सीधा असर डाल रहा है। यदि समय रहते इसका विरोध नहीं किया गया तो आने वाले समय में छोटे व्यापारियों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि दवा विक्रेता वर्षों से मरीजों को सही मार्गदर्शन और जरूरत के समय दवाइयां उपलब्ध करवाने का कार्य करते आ रहे हैं, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में उनका अस्तित्व खतरे में पड़ता जा रहा है। उन्होंने सभी दवा विक्रेताओं से 20 मई को अपने प्रतिष्ठान पूर्ण रूप से बंद रखने तथा आंदोलन को शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से सफल बनाने की अपील की।

प्रकाश चंद प्रधान, विवेक बने महासचिव

अंनत ज्ञान, मंडी। हिमाचल प्रदेश वन राज्य विकास निगम निदेशालय मध्य क्षेत्र मंडी व वन कार्य मंडल मंडी कर्मचारी महासंघ के चुनाव केंद्रीय पर्यवेक्षक अश्वनी कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुए। इसमें प्रकाश चंद शर्मा को प्रधान, हेमचंद उपप्रधान, विवेक ठाकुर महासचिव, विशाल ठाकुर कोषाध्यक्ष, राम सिंह प्रेस सचिव, अल्का सह सचिव और अश्वनी कुमार मुख्य सलाहकार बनाए गए। कार्यकारिणी में टेक सिंह, नरपत राम, राजेंद्र कुमार, मनोज कुमार, भगतराम, प्रेम शर्मा, बसंत सिंह, जितेंद्र कुमार, नेकराम, वीरेंद्र, चेतराम, रेशम, सर्व दयाल, चरण दास, राम सिंह, जगत सिंह, मोहनलाल, जीवन, अनिल, राजीव, तुलसीराम, पवन कुमार, रजत राना, नीरज, रमेश, दिलेराम, रितेश, सचिन, विजय कुमार, पवन और हेमंत को सदस्य बनाया गया है।

सुंदरनगर नगर परिषद में 13 में से 9 सीटों पर भाजपा का कब्जा : जम्वाल

नगर निकाय चुनावों में विजयी रहे उम्मीदवारों के साथ विधायक राकेश जम्वाल। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। राकेश जम्वाल ने सुंदरनगर नगर परिषद चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की शानदार जीत पर क्षेत्र की जनता का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि 13 में से 9 सीटों पर भाजपा की जीत कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनता का स्पष्ट जनादेश है। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास का परिणाम है। राकेश जमवाल ने कहा कि प्रदेशभर में स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा को मिला समर्थन मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार की विफलताओं, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और कुशासन के खिलाफ जनता का जवाब है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने युवाओं, कर्मचारियों, महिलाओं और किसानों से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन आज विकास कार्य ठप पड़े हैं और जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बिगड़ रही है और कर्मचारी व पेंशनर अपने अधिकारों के लिए भटक रहे हैं।

राकेश जम्वाल ने कहा कि सुंदरनगर की जनता ने भाजपा को समर्थन देकर साफ कर दिया है कि लोग अब झूठे वादों और राजनीतिक ड्रामे से ऊब चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले पंचायती राज चुनावों में भी कांग्रेस को करारा जवाब मिलेगा।

अंडर-16 क्रिकेट चैंपियन टीम को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत आयोजित अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता में चैंपियन बनने पर मंडी जिला टीम का मंडी स्थित क्लासिओ होटल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ मंडी के अध्यक्ष अजय राणा ने खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को स्मृति चिन्ह व टोपी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी एवं पूर्व प्रिंसिपल अमिता राणा भी उपस्थित रहीं। समारोह में पूर्व रणजी खिलाड़ी प्रवीण सेन, मुकेश शर्मा, कौल सिंह ठाकुर, चीफ कोच चेतन ठाकुर, कोच मनीष गुप्ता, हिमाचल की पहली नॉर्थ जोन खिलाड़ी नेहा सैनी और कोच शकुन सैनी सहित विभिन्न सब सेंटरों के कोचों को भी सम्मानित किया गया। अजय राणा ने कहा कि मंडी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। समारोह में महेंद्र गोसामी, अभिनव गुलेरिया, गिरीश कपूर, तारा पंसारी, डॉ. अक्षय और सन्नी सिंह सहित करीब 200 लोग मौजूद रहे।

समारोह वर्ल्ड हिमाचली ऑर्गेनाइजेशन ने धूमधाम से मनाया पहला वार्षिक उत्सव

आराध्या ने बिखेरा हिमाचली संस्कृति का रंग

◆ **अपनी शानदार प्रस्तुति से मोह लिया सभी का मन**

◆ **कार्यक्रम में सांसद अनुराग ठाकुर रहे मुख्यातिथि**

अनंत ज्ञान

नेरचौक। वर्ल्ड हिमाचली ऑर्गेनाइजेशन चंडीगढ़ के प्रथम वार्षिक उत्सव एवं नियुक्ति कार्यक्रम-2026 में आराध्या कश्यप पहाड़न ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। यह कार्यक्रम चंडीगढ़ स्थित एमसीएम डीएवी कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि सांसद अनुराग ठाकुर ने किया, जबकि विशेष अतिथि के रूप में डॉ. सिकंदर कुमार मौजूद रहे। समारोह में हिमाचली संस्कृति की झलक देखने को मिली। हिमाचली नाटी, झमाकड़ा और अन्य लोक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आराध्या ने अपनी आकर्षक प्रस्तुति से मंच पर खूब वाहवाही बटोरी। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों और मुख्य अतिथियों ने सराहा। आराध्या की प्रस्तुति को बेहद शानदार और मनमोहक बताया गया।

आराध्या 'फीट ऑफ फायर सुंदरनगर' से नृत्य की बारीकियां सीख रही हैं, जिसके संचालक अमित भाटिया हैं। संस्था न केवल हिमाचल बल्कि देश के विभिन्न राज्यों में भी हिमाचली संस्कृति को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में बेहतर प्रस्तुति देने पर वर्ल्ड हिमाचली ऑर्गेनाइजेशन के चेयरमैन आकाश जस्वाल और अध्यक्ष अमित राणा ने आराध्या को सम्मानित कर शुभकामनाएं दीं।

वर्ल्ड हिमाचली ऑर्गेनाइजेशन चंडीगढ़ के प्रथम वार्षिक उत्सव में अपनी आकर्षक प्रस्तुति से मंच पर खूब वाहवाही लूटने वाली नन्ही आराध्या। अनंत ज्ञान

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा के तहत दी 2 लाख की आर्थिक सहायता

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक की शाखा भद्रवाड़ द्वारा एक जरूरतमंद परिवार को दो लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान कर सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया है। बैंक प्रबंधन की त्वरित कार्रवाई से दुर्घटना में मृत खाताधारक के परिवार को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध हो सकी।

जानकारी के अनुसार मृतका गीता देवी का बैंक खाता प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से जुड़ा हुआ था। इस योजना के तहत दुर्घटना में मृत्यु होने की स्थिति में बीमित व्यक्ति के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। बैंक की शाखा के प्रबंधक विशाल सरोच एवं शाखा कर्मचारियों ने आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्रता से पूरी करते हुए दो लाख रुपए की बीमा राशि मृतका के पति किशन चंद को सौंपी। इस दौरान मृतका के परिजनों ने बैंक प्रबंधन, शाखा कर्मचारियों तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका कहना था कि कठिन समय में यह सहायता परिवार के लिए बड़ा सहारा साबित होगी। शाखा प्रबंधक विशाल सरोच ने क्षेत्र के लोगों से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से जुड़कर इन जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील भी की।

जिस प्रकार जल कमल के पत्ते पर नहीं ठहरता है, उसी प्रकार मुक्त आत्मा के कर्म उससे नहीं चिपकते हैं।

-छांदोग्य उपनिषद

संपादकीय

तेल संकट और जनता का धैर्य

अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इस युद्ध ने पूरी दुनिया को एक नए आर्थिक संकट के मुहाने पर ला खड़ा किया है। इसका सबसे बड़ा प्रभाव अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर पड़ा है। मध्य-पूर्व विश्व ऊर्जा आपूर्ति का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है और होर्मुज स्ट्रेट उस व्यवस्था की जीवनरेखा है, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का कच्चा तेल गुजरता है। युद्ध और सैन्य तनाव के कारण यहां से गुजरने वाले तेल जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। कई जहाजों को रोका जा रहा है और सुरक्षा कारणों से तेल आपूर्ति में देरी हो रही है। इसका सीधा असर भारत जैसे देशों पर पड़ना स्वाभाविक है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल से पूरा करता है।

इसी वैश्विक संकट के बीच केंद्र सरकार ने हाल ही में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम बढ़ाने का फैसला लिया। सामान्य परिस्थितियों में ईंधन कीमतों में वृद्धि होते ही देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो जाते थे, लेकिन इस बार ऐसा देखने को नहीं मिला। यह स्थिति कई मायनों में अलग और महत्वपूर्ण है। जनता ने इस बार सरकार के फैसले को अपेक्षाकृत समझदारी और धैर्य के साथ स्वीकार किया। लोग यह समझ रहे हैं कि यह केवल भारत की समस्या नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया एक बड़े ऊर्जा संकट का सामना कर रही है।

दरअसल, युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत तक वृद्धि हो चुकी है। भारतीय सरकारी तेल कंपनियों को प्रतिदिन भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। कहा जा रहा है कि तेल कंपनियों का दैनिक घाटा लगभग 1000 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। ऐसे में सरकार के सामने स्थिति अत्यंत कठिन थी। यदि कीमतें न बढ़ाई जातीं, तो सरकार को भारी सब्सिडी का बोझ उठाना पड़ता, जिससे देश की अर्थव्यवस्था और राजकोषीय संतुलन प्रभावित हो सकता था। इसलिए सीमित मूल्य वृद्धि सरकार के लिए मजबूरी बन गई।

महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत में तेल कीमतों में हुई वृद्धि अभी भी दुनिया के कई देशों की तुलना में कम मानी जा रही है। अमेरिका, यूरोप और कई एशियाई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी उछाल देखने को मिला है। कई देशों में परिवहन व्यवस्था प्रभावित हुई है और वहां महंगाई दर तेजी से बढ़ी है। कुछ देशों में सरकारों को जनता के विरोध का सामना भी करना पड़ा है। इसके मुकाबले भारत ने अपेक्षाकृत संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। सरकार ने कीमतों में अचानक अत्यधिक वृद्धि करने के बजाय धीरे-धीरे बोझ बांटने की कोशिश की है।

इस पूरे संकट के दौरान केंद्र सरकार ने केवल जनता पर बोझ डालने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि सरकारी स्तर पर खर्चों में कटौती के प्रयास भी शुरू किए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर कई केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने अनावश्यक सरकारी खर्च कम करने, सरकारी वाहनों का सीमित उपयोग करने और यात्राओं में कटौती जैसे कदम उठाए हैं। यह कदम आर्थिक दृष्टि से भले बहुत बड़ा न हो, लेकिन इसका प्रतीकात्मक महत्व काफी अधिक है। इससे यह संदेश देने की कोशिश की गई कि संकट के समय सरकार भी त्याग और अनुशासन का पालन कर रही है।

हालांकि इस संकट में राज्यों की भूमिका पर भी चर्चा आवश्यक है। पेट्रोल और डीजल पर लगने वाला वैट राज्यों की आय का बड़ा स्रोत होता है। ऐसे में कई राज्यों ने अपने करों में कटौती करने से परहेज किया है। कुछ राज्यों ने मामूली राहत देने की कोशिश की, लेकिन अधिकांश राज्य सरकारें अपने राजस्व हितों को ध्यान में रखती दिखाई दीं। यही कारण है कि तेल कीमतों का पूरा दोष केवल केंद्र सरकार पर डालना उचित नहीं माना जा सकता। केंद्र और राज्य दोनों की कर नीतियां मिलकर ईंधन की अंतिम कीमत तय करती हैं।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह स्थिति विपक्षी दलों के लिए चुनौतीपूर्ण बन गई है। पहले पेट्रोल और डीजल की कीमतें सरकार के खिलाफ बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन जाया करती थीं, लेकिन इस बार जनता का रुख अपेक्षाकृत शांत दिखाई दिया। लोगों को यह एहसास है कि युद्ध, अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता और तेल आपूर्ति संकट जैसी परिस्थितियां किसी एक सरकार के नियंत्रण में नहीं होतीं। शायद यही कारण है कि इस बार विपक्ष को व्यापक जनसमर्थन नहीं मिल पाया लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि आने वाला समय आसान होगा। यदि अमेरिका-ईरान तनाव लंबे समय तक जारी रहता है और कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ती रहती हैं, तो भारत में महंगाई और गंभीर रूप ले सकती है।

परिवहन महंगा होगा, खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि होगी और आम आदमी का घरेलू बजट प्रभावित होगा। कृषि क्षेत्र पर भी इसका असर पड़ सकता है, क्योंकि डीजल की कीमतें बढ़ने से सिंचाई और परिवहन लागत बढ़ जाती है। उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ेगी, जिससे बाजार में वस्तुओं के दाम और अधिक बढ़ सकते हैं। ऐसे समय में केवल सरकार ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऊर्जा संरक्षण की आदतें अपनाना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाना और अनावश्यक ईंधन खर्च से बचना समय की आवश्यकता बन गया है।

आज की प्रमुख हस्ती

भारतीय फ्री स्टाइल पहलवान

दीपक पुनिया भारतीय फ्रीस्टाइल पहलवान हैं, जो 86 किलोग्राम भार वर्ग में खेलते हैं। उनका जन्म 19 मई 1999 को हरियाणा के झज्जर जिले में हुआ था। उनके पिता सुभाष पुनिया एक छोटी डेयरी चलाते थे। बचपन से ही दीपक का झुकाव कुश्ती की ओर था और उन्होंने मात्र पांच वर्ष की उम्र से ही अभ्यास शुरू कर दिया था। प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के साथ-साथ वे स्थानीय दंगल प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लेते थे। उनका सपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करना था। बेहतर प्रशिक्षण के लिए उन्होंने दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में प्रसिद्ध गुरु सतपाल से प्रशिक्षण प्राप्त किया। वहां उन्हें सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त जैसे दिग्गज पहलवानों का मार्गदर्शन मिला।

दीपक पुनिया
जन्म : 19 मई, 1999

दीपक ने अपने करियर की शुरुआत जूनियर स्तर की प्रतियोगिताओं से की। वर्ष 2015 में उन्होंने वर्ल्ड कैडेट चैंपियनशिप में भाग लिया। इसके बाद विश्व जूनियर चैंपियनशिप में लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। वर्ष 2018 में उन्होंने एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया।

कविता

सिमटती हुई जिंदगी

वीरेन्द्र शर्मा वात्स्यायन, ऊना (हिमाचल प्रदेश)

यह जिंदगी! कैसी है यह जिंदगी, मोबाइल लैपटॉप में
सिमट गई है जिंदगी, आ गया अब बनावटीपन, भर गया है यहां खालीपन
प्रशंसा से प्रशंसनीय, जिंदगी बनाने के प्रयास में दिन-रात हैं व्यस्त,
जिंदगी शाश्वत है संक्षिप्त, खूबसूरत तो है ना
ऐसी क्या लाचारी ?, क्या है यह जिंदगी ? एक पल श्वास, रुकी धड़कन तो
खत्म हुई जिंदगी! आधुनिक यंत्रों में, बदल गई है जिंदगी
परिवर्तनशील युग से निकल एकाकीपन जीने को विवश
हो रही है जिंदगी... जिंदगी बन गई स्वप्नहीन
शून्य हो गई भावनाएं, किसी के दुख में, खुश होना स्वाभाविकता
आधुनिक समाज की नियति, यही हमारी बन चुकी अनुभूति।

प्राचीन जल स्रोतों का संरक्षण एवं संवर्धन उच्च मानवीय आदर्श

सुभाष चंद काशव
गांव जौवा, डाकघर गैहरा, तहसील एवं जिला चंबा (हि.प्र.)

प्राचीन जल स्रोतों की विलुप्त होती स्थिति आज के समय की एक गंभीर और चिंताजनक समस्या बन चुकी है। कभी गांवों और कस्बों की जीवनरेखा माने जाने वाले कुएं, बावड़ियां, नाले, धाराएं और झरने न केवल जल की पूर्ति करते थे, बल्कि वे स्थानीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक जीवन का भी अभिन्न हिस्सा हुआ करते थे। इन जल स्रोतों के इर्द-गिर्द ही सभ्यताओं का विकास हुआ, लोगों की दिनचर्या निर्धारित होती थी और प्राकृतिक संतुलन कायम रहता था। आज जब हम आधुनिकता और विकास की दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं, तब इन्हीं प्राचीन जल स्रोतों का अस्तित्व धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है, जो भविष्य के लिए एक भयावह संकेत है।

प्राचीन जल स्रोतों के विलुप्त होने के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख कारण है अनियंत्रित शहरीकरण और अव्यवस्थित विकास। गांवों और कस्बों में बढ़ती आबादी और निर्माण कार्यों ने प्राकृतिक जल स्रोतों को या तो ढक दिया है या उन्हें पूरी तरह समाप्त कर दिया है। जहां कभी बावड़ियां और कुएं हुआ करते थे, वहां आज पक्के मकान और सड़कें बन चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, जल स्रोतों के आसपास अतिक्रमण भी एक बड़ी समस्या बन गया है। लोग इन स्थानों को अपनी निजी संपत्ति समझकर वहां निर्माण कर लेते हैं, जिससे जल स्रोतों की स्वाभाविक संरचना नष्ट हो जाती है। इसके साथ ही, आधुनिक जल आपूर्ति प्रणाली पर अत्यधिक निर्भरता भी एक महत्वपूर्ण कारण है। जब से नल और ट्यूबवेल के माध्यम से पानी की उपलब्धता आसान हुई है, तब से लोगों का ध्यान पारंपरिक जल स्रोतों से हट गया है। परिणामस्वरूप इन स्रोतों की देखभाल और संरक्षण की भावना कमजोर पड़ गई है। उपेक्षा के कारण ये स्रोत धीरे-धीरे सूखने लगे और अंततः समाप्त हो गए।

इसके अलावा, जंगलों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन भी जल स्रोतों के सूखने का एक बड़ा कारण है। पेड़ों की कमी से वर्षा का जल भूमि में समाहित नहीं हो पाता, जिससे भूजल स्तर लगातार गिरता जाता है और जल स्रोत सूख जाते हैं।

जलवायु परिवर्तन भी इस समस्या को और गंभीर बना रहा है। अनियमित वर्षा, लंबे सूखे और अचानक आने वाली बाढ़ जैसी परिस्थितियां प्राकृतिक जल चक्र को प्रभावित करती हैं। इससे जल स्रोतों का पुनर्भरण प्रभावित होता है और वे धीरे-धीरे समाप्त होने लगते हैं। इसके अतिरिक्त, बढ़ता प्रदूषण भी जल स्रोतों के लिए खतरा बन गया है। नालियों का गंदा पानी, प्लास्टिक कचरा और रासायनिक पदार्थ इन स्रोतों में मिलकर उन्हें दूषित कर देते हैं, जिससे उनका उपयोग असंभव हो जाता है। प्राचीन जल स्रोतों के विलुप्त होने का खमियाजा समाज के हर वर्ग को भुगतना पड़ रहा है। सबसे पहला और सीधा प्रभाव जल संकट के रूप में सामने आता है। जब पारंपरिक स्रोत समाप्त हो जाते हैं, तो लोग पूरी तरह आधुनिक जल आपूर्ति पर निर्भर हो जाते हैं, जो हर समय पर्याप्त नहीं होती। गर्मियों के मौसम में जल की कमी विकराल रूप ले लेती है और लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है। इससे विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों पर अधिक बोझ पड़ता है। कृषि क्षेत्र भी इससे बुरी तरह प्रभावित होता है। सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी न मिलने के कारण फसलें खराब हो जाती हैं, जिससे किसानों की आय घटती है और उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो जाती है।

पशुपालन पर भी इसका असर पड़ता है, क्योंकि पशुओं के लिए पानी की उपलब्धता कम हो जाती है। इसके अलावा, जल स्रोतों के समाप्त होने से स्थानीय जैव विविधता भी प्रभावित होती है। कई प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां, जो इन स्रोतों पर निर्भर थे, अब विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गए हैं। प्राचीन जल स्रोतों का संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। जल की कमी केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और स्वास्थ्य संबंधी संकट भी उत्पन्न करती है। जब स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं होता, तो लोगों के बीच विवाद बढ़ते हैं और सामाजिक सौहार्द प्रभावित होता है। साथ ही, दूषित पानी के उपयोग से डायरिया, टाइफाइड और हैजा जैसी जलजनित बीमारियां फैलती हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और जीवन स्तर प्रभावित होता है।

इन समस्याओं के समाधान के लिए प्राचीन जल स्रोतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। सबसे पहले, इन स्रोतों की पहचान और उनका सही दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए। जल स्रोतों के आसपास से अति, मण हटाकर स्वच्छता बनाए रखना भी जरूरी है। वर्षा जल संचयन, वृक्षारोपण और भूजल पुनर्भरण जैसे उपाय जल संकट को कम करने में सहायक हो सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, लोगों में जागरूकता फैलाना और पारंपरिक जल संरक्षण तकनीकों को पुनर्जीवित करना आवश्यक है। सरकार और पंचायतों को मिलकर जल संरक्षण समितियों का गठन करना चाहिए। साथ ही, जल का विवेकपूर्ण उपयोग हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि हम आज जल स्रोतों की रक्षा करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित कर पाएंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हणोगी माता मंदिर : आस्था, अध्यात्म और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

बर्फ से लकदक हिमालय की गोद के बीच अवस्थित हिमाचल प्रदेश देवभूमि वास्तव में किसी तराशे हुए हीरे से कम नहीं है। अपार प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व यहां के कुदरती नैसर्गिक के गौरव को आज भी बरकरार रखे हुए है। यहां के स्थानीय लोगों को ईश्वर के प्रति अगाध श्रद्धा में समर्पित हुए अक्सर देखा जा सकता है। कहा जाता है कि देवी- देवता मनुष्य की तीन रूपों में सेवा करते हैं, जोकि धार्मिक रूप में, मानसिक व आध्यात्मिक शांति देकर, इच्छापूरक के रूप में सांसारिक इच्छाओं को पूरा कर और रक्षक के रूप में जादू टोना, भूत-प्रेतों और अन्य प्रकृतिक या अप्राकृतिक विपत्तियों से रक्षा करते हैं। इसी कड़ी में इस राज्य के जनपद मंडी-कुल्लू राष्ट्रीय राजमार्ग-21 के मध्य और पंडोह बांध के नजदीक अवस्थित तथा ब्यास नदी की तलहटी के उस पार हणोगी माता का अलौकिक मंदिर की दिव्यता तो देखते ही बनती है। हणोगी माता मंदिर के इर्द-गिर्द जैसे कुदरत ने अपने सौंदर्य का अनुपम थाल यहीं परोस दिया हो, जिसका वर्णन शायद शब्दों में नहीं किया जा सकता है। कुल्लू वैसे भी अनेक देवी-देवताओं व ऋषि-मुनियों की तपोस्थली रही है और वह किसी न किसी ऐतिहासिक किंवदंतियों तथा जनश्रुति से जुड़ी हुई हैं। यही नहीं, कई महात्माओं ने यहां अपनी घोर तपस्या के द्वारा अनेक सिद्धियां को प्राप्त किया हुआ है। देवी पूजा का पहाड़ों में ही नहीं बल्कि हमारे समस्त देश में इसका प्रचलन सदियो से चला आ रहा है। कहते हैं कि देवी या शक्ति ही सृष्टि के मूल में निहित है। कुल्लू-मंडी के मध्य हणोगी नामक स्थान पर स्थित माता हणोगी अपने तीन रूपों में विराजमान है। किंवदंतियों के अनुसार प्राचीन काल में इस जगह पर

अभय राम गुरु रहा करते थे,जो देवी हणोगी मां के प्रति भक्ति में सदा समर्पित रहते थे। जनश्रुति अनुसार वह तांत्रिक विद्या में काफी पारंगत थे तथा अपनी शक्तियों के माध्यम से तुंगधारा पर्वत श्रृंखला से तुंगा माता को हणोगी में लेकर आए थे और कई वर्षों तक इस देवी की पूजा-अर्चना करते रहे। यह देवी 'तुंगाधार की जोगणी' के नाम से भी प्रचलित है। तुंगा मां की पांच हजार वर्ष पुरानी कलात्मक और अलौकिक पाषाण मूर्ति, जो पुरातन गुफा में विद्यमान है, प्रत्येक आगंतुक को अपनी ओर बरबस आकर्षित कर लेती है। हणोगी में ही काली माता का पुरातन भव्य मंदिर भी है,जो आज भी भक्तों की श्रद्धा व आस्था का केंद्र है। जब तक गुरु अभय राम थे तो उन्होंने माता की पूजा- अर्चना को प्रतिदिन निर्बाध जारी रखा। उनके मरणोपरांत मां की पूजा करने वाला कोई नहीं था। फलस्वरूप जिसके इस स्थल के इर्द-गिर्द आए-दिन कई अनहोनी घटनाएं घटित होने लगी। हणोगी माता मंदिर से जुड़ी दंतकथाएं स्थानीय लोगों की गहरी आस्था और विश्वास को दर्शाती हैं। कहा जाता है कि गुरु अभय राम के निधन के बाद देवी की पूजा-अर्चना बंद हो गई, जिसके कारण क्षेत्र में लगातार दुर्घटनाएं होने लगीं। लोगों ने इसे देवी का प्रकोप माना। एक अन्य कथा के अनुसार, एक श्रद्धालु को स्वप्न में देवी ने दर्शन देकर अपने स्थान की उपेक्षा न करने का संदेश दिया। इसके बाद वटवृक्ष को देवी स्वरूप मानकर पूजा आरंभ की गई। बाद में देवी के आदेशानुसार मंदिर निर्माण करवाया गया और दुर्घटनाएं कम हो गईं। वर्तमान में हणोगी में मां काली, लक्ष्मी और सरस्वती तीन रूपों में विराजमान हैं। मंदिर परिसर श्रद्धालुओं को शांति और आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। यहां नवरात्र में विशाल आयोजन, लंगर, कन्या-विवाह, चिकित्सा सुविधा और संस्कृत महाविद्यालय जैसे सामाजिक कार्य भी संचालित होते हैं। रोप-वे और व्यास नदी के मनोरम दृश्य इस स्थान की सुंदरता को और बढ़ाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

केंद्रीय एजेंसियों का राजनीतिक इस्तेमाल: जांच एजेंसियां या राजनीतिक हथियार?

साहिल शर्मा
गांव बाहल अर्जुन, जिला हमीरपुर

लोकतंत्र में जांच एजेंसियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उनका मुख्य उद्देश्य भ्रष्टाचार, आर्थिक अपराध और कानून के उल्लंघन की निष्पक्ष जांच करना होता है, ताकि व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे और जनता का विश्वास कायम रहे। भारत में प्रवर्तन निदेशालय (ED), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) और आयकर विभाग जैसी एजेंसियां इसी उद्देश्य से कार्य करती हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इन एजेंसियों की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर राजनीतिक बहस छिड़ी हुई है।

विपक्षी दल लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि इन संस्थाओं का उपयोग भ्रष्टाचार के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई के बजाय राजनीतिक दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। ऐसे में यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या जांच एजेंसियां वास्तव में स्वतंत्र और निष्पक्ष हैं, या वे धीरे-धीरे राजनीतिक हथियार बनती जा रही हैं। किसी भी जांच एजेंसी की सबसे बड़ी ताकत उसकी निष्पक्षता होती है। जनता तभी कानून और न्याय व्यवस्था पर भरोसा करती है जब उसे यह महसूस हो कि कानून सबके लिए समान है, लेकिन जब एजेंसियों की कार्रवाई मुख्य रूप से विपक्षी नेताओं तक सीमित दिखाई देती है, तो स्वाभाविक रूप से संदेह उत्पन्न होता है। अक्सर देखा गया है कि चुनावों से पहले या बड़े राजनीतिक घटनाक्रमों के दौरान विपक्षी नेताओं पर छापे, पूछताछ या गिरफ्तारी की कार्रवाई तेज हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि जांच एजेंसियों का उपयोग केवल कानूनी प्रक्रिया तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि राजनीतिक रणनीति का हिस्सा भी बनता जा रहा है। सबसे विवादास्पद स्थिति तब सामने आती है जब किसी नेता पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं और एजेंसियां लगातार सक्रिय रहती हैं, लेकिन वही नेता यदि सत्ताधारी दल के करीब आ जाए या उसमें शामिल हो जाए, तो उसके खिलाफ कार्रवाई

धीमी या समाप्त होती दिखाई देती है। इससे जनता के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या भ्रष्टाचार पार्टी बदलने से समाप्त हो जाता है? यदि कोई व्यक्ति विपक्ष में रहते हुए 'भ्रष्ट' माना जा रहा था, तो सत्ता पक्ष में आने के बाद अचानक उसकी छवि साफ कैसे हो जाती है? ऐसे उदाहरण लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े करते हैं। हालांकि यह भी सत्य है कि भारत में भ्रष्टाचार एक गंभीर समस्या रहा है और आर्थिक अपराधों की जांच के लिए मजबूत एजेंसियों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। बड़े घोटालों, मनी लॉन्ड्रिंग और सत्ता के दुरुपयोग की जांच के लिए सशक्त संस्थाएं जरूरी हैं, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब कार्रवाई में समानता और पारदर्शिता दिखाई नहीं देती। यदि एजेंसियों की कठोरता केवल विपक्ष तक सीमित लगे और सत्ताधारी पक्ष के नेताओं के मामलों में वैसी सक्रियता न दिखाई दे, तो जनता का भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। भारत के इतिहास में सरकारी संस्थाओं के दुरुपयोग को लेकर पहले भी बहस होती रही है। इंदिरा गांधी के आपातकाल का दौर इसका प्रमुख उदाहरण माना जाता है, जब विपक्ष और मीडिया पर दबाव डालने के आरोप लगे थे। उस समय यह स्पष्ट हुआ था कि जब संस्थाएं सत्ता के अत्यधिक प्रभाव में आ जाती हैं, तो लोकतंत्र की जड़ें कमजोर होने लगती हैं। यही कारण है कि लोकतंत्र में संस्थाओं की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को अत्यंत आवश्यक माना जाता है।

आज सोशल मीडिया और चौबीसों घंटे चलने वाले समाचार चैनलों के दौर में जांच एजेंसियों की हर कार्रवाई तुरंत राजनीतिक रंग ले लेती है। कई बार अदालत का फैसला आने से पहले ही मीडिया ट्रायल शुरू हो जाता है और लोगों को 'दोषी' या 'निर्दोष' घोषित कर दिया जाता है। इससे निष्पक्ष जांच प्रक्रिया प्रभावित होती है और जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा होती है। लोकतंत्र में न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि निष्पक्ष दिखाई भी देना चाहिए। इस समस्या का समाधान संस्थागत सुधारों में छिपा है। कई पूर्व अधिकारियों और विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि जांच एजेंसियों की नियुक्ति प्रक्रिया, कार्यप्रणाली और जवाबदेही को अधिक पारदर्शी बनाया जाए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नीट पेपर लीक की मानसिक, मानवीय और आर्थिक कीमत

हरप्रीत कौर बवेजा
एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी

नीट-यूजी पेपर लीक ने छात्रों, अभिभावकों और पूरे समाज का राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) पर भरोसा हिला दिया है। इस घटना ने भारत की परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

लगभग 22 लाख मेडिकल छात्रों के लिए यह सिर्फ एक प्रशासनिक गलती नहीं, बल्कि मानसिक, मानवीय और आर्थिक संकट बन चुका है। पेपर लीक और दोबारा परीक्षा की खबर ने लाखों छात्रों को तनाव, डर, निराशा और मानसिक थकान से भर दिया है। मेडिकल की तैयारी करने वाले छात्र कक्षा 9वीं से 12वीं तक अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण साल कठिन मेहनत में लगा देते हैं। उनका पूरा भविष्य साल में सिर्फ एक बार होने वाली इस परीक्षा पर निर्भर करता है। ऐसे में जब परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं, तो केवल करियर ही नहीं, बल्कि युवाओं का आत्मविश्वास भी टूट जाता है। इस घटना की मानवीय कीमत और भी दर्दनाक है। लगातार बढ़ते दबाव के कारण कई छात्रों द्वारा आत्महत्या जैसे कदम उठाने की खबरें सामने आई हैं। यह केवल व्यक्तिगत दुख नहीं, बल्कि हमारी व्यवस्था की बड़ी विफलता है। हमें इन छात्रों को सिर्फ आंकड़ों के रूप में नहीं देखना चाहिए। उनके सपनों, संघर्षों और मेहनत का सम्मान होना चाहिए। आर्थिक नुकसान भी बहुत बड़ा है। पूरे देश में नीट परीक्षा कराने पर सरकार हजारों करोड़ रुपए खर्च करती है। जब परीक्षा लीक हो जाती है, तो यह जनता के पैसे की बर्बादी बन जाती है। साथ ही, परिवारों पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ता है। कोचिंग, किताबें, यात्रा और रहने के खर्च में मध्यमवर्गीय और गरीब परिवार अपनी जमा पूंजी तक लगा देते हैं, ताकि उनके बच्चों को एक निष्पक्ष मौका मिल सके।

सबसे दुखद बात यह रही कि अब तक जिम्मेदार अधिकारियों की तरफ से

कोई सच्ची माफी या जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की गई। किसी भी लोकतंत्र में जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए जवाबदेही बहुत जरूरी होती है।

इस विवाद ने 'वन नेशन, वन एग्जाम' मॉडल की कमजोरियों को भी सामने ला दिया है। नीट को पारदर्शिता और समान अवसर देने के लिए शुरू किया गया था लेकिन जब एक ही परीक्षा में गड़बड़ी होती है, तो करोड़ों छात्रों का भविष्य एक साथ प्रभावित हो जाता है। पहले छात्रों के पास अलग-अलग परीक्षाओं के रूप में कई मौके होते थे, लेकिन अब एक परीक्षा की विफलता सब पर भारी पड़ती है।

भारत जैसा देश, जिसने चंद्रयान जैसे बड़े मिशन सफल किए हैं, वह अपने युवाओं के लिए सुरक्षित और निष्पक्ष परीक्षाएं भी करवा सकता है। बार-बार होने वाली ऐसी घटनाएं युवाओं का भरोसा कमजोर करती हैं और देश में 'ब्रेन ड्रेन' जैसी समस्याओं को बढ़ावा देती हैं।

समस्या का समाधान सिर्फ जांच तक सीमित नहीं होना चाहिए। हर स्तर पर जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। भारत को सुरक्षित और पारदर्शी कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं की ओर बढ़ना चाहिए। साथ ही, SAT की तरह साल में कई बार NEET कराने पर भी विचार होना चाहिए, ताकि छात्रों पर मानसिक दबाव कम हो सके। सरकार को सरकारी मेडिकल कॉलेजों और सीटों की संख्या भी बढ़ानी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह संकट हमें याद दिलाता है कि परीक्षाएं केवल छात्रों की नहीं, बल्कि सरकार, व्यवस्था और न्याय प्रणाली की भी परीक्षा

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन होंगे।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

'मात्सुदा' खूबसूरत ओलंपिक एथलीट

जापान की शिनो मात्सुदा महिला सर्फिंग की दुनिया में उभरा हुआ है नाम बन चुकी हैं। सिर्फ सर्फिंग ही नहीं शिनो अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं। शिनो सबसे खूबसूरत ओलंपिक एथलीट्स में से एक करार दिया गया है।

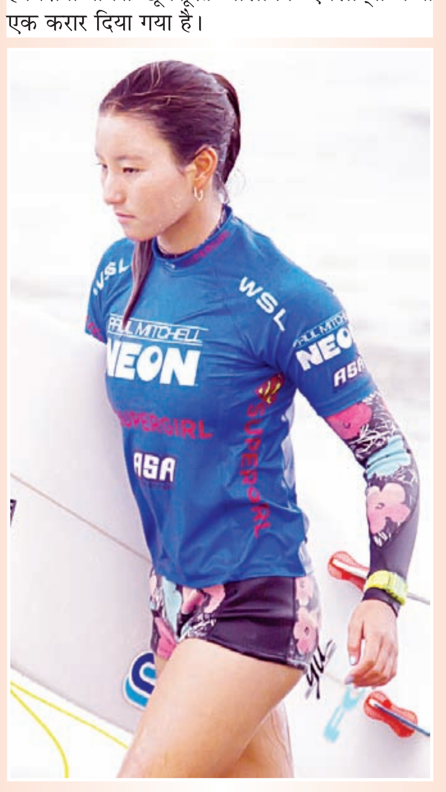

आईपीएल : प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी राजस्थान, एलएसजी से 'करो या मरो' की भिड़ंत

रियान पराग ने मानी फील्डिंग की गलती, अब जीत ही आखिरी सहारा, राजस्थान की नजर प्लेऑफ पर

एजेंसी, जयपुर

राजस्थान रॉयल्स को अगर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखना है तो उसे लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में खेल के हर विभाग में सुधार करना होगा। रॉयल्स ने अपने घरेलू मैदान सवाई मानसिंह स्टेडियम में अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और यहां होने वाला अंतिम मैच घरेलू टीम के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। रॉयल्स इसके बाद लीग चरण के अपने अंतिम मैच में मुंबई इंडियंस का सामना करेगा।

रॉयल्स को रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ निचले क्रम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों की खराब प्रदर्शन के कारण हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा उसकी फील्डिंग भी अच्छी नहीं रही थी। रॉयल्स की टीम अच्छी शुरुआत के लिए 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर काफी हद तक निर्भर रही है, लेकिन इस युवा खिलाड़ी को दूसरे छोर से यशस्वी जायसवाल से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला है। ध्रुव जुरेल ने कुछ शानदार पारियां खेली हैं, लेकिन पिछले मैच में उन्होंने कुछ धीमी पारी खेली जबकि दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे। कप्तान रियान पराग ने हाल के मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह चाहेंगे कि उनकी टीम आखिरी पांच ओवरों में बल्लेबाजी में और अधिक सटीक प्रदर्शन करे।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में अधिकतर टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं रही है और उन्होंने कई कैच छोड़े हैं। राजस्थान रॉयल्स भी इन टीमों में शामिल है जिसने कुछ अच्छे मौके गंवाए हैं। दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के बाद पराग ने टूर्नामेंट के अंतिम चरण में टीम के अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाने पर निराशा व्यक्त की थी।

पराग ने कहा, ''फील्डिंग खराब थी। अगर हम इसी तरह खेलते रहे तो हमें शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में नहीं होना चाहिए। अब अगर हम क्वालीफाई नहीं कर पाते हैं तो यह हमारी गलती होगी किसी और की नहीं।'' एलएसजी की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। वह अब बिना किसी दबाव के खेल रही है जिसका नमूना पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली जीत में देखने को मिला। उसे राजस्थान रॉयल्स के बाद अपने आखिरी लीग मैच में पंजाब किंग्स का सामना करना है। उसकी टीम इन दोनों टीमों के समीकरण बिगाड़ने के लिए प्रतिबद्ध होगी। बल्लेबाजी एलएसजी की सबसे कमजोर कड़ी रही है, लेकिन मिचेल मार्श ने सीएसके के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया जिससे टीम जीत हासिल करने में सफल रही। वह अपना इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखकर इस सत्र का सकारात्मक अंत करना चाहेगी। (अनंत ज्ञान)

मैच : शाम 7.30 बजे से

संभावित टीमें

राजस्थान रॉयल्स: शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, रियान पराग (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, सुशांत मिश्रा, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, युध्दवीर चरक, रवि सिंह, विग्नेश पुथुर, ब्रिजेश शर्मा।

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), अब्दुल समद, आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, हिम्मत सिंह, एडेन मार्कम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, अवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, मयंक प्रभु यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिक नोर्किया, जोश इंग्लिस, मोहसिन खान, नमन तिवारी, आकाश महाराज सिंह, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन सचिन तेंदुलकर, अक्षत रघुवंशी।

मलेशिया मास्टर्स में फ्रांस से बदला चुकता करने की कोशिश करेंगे भारतीय खिलाड़ी

एजेंसी, कुआलालंपुर

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मंगलवार से यहां शुरू होने वाले मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल में अपने प्रदर्शन में सुधार करके फ्रांस से थॉमस कप के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला चुकता करने की कोशिश करेंगे। भारत इसी महीने की शुरुआत में डेनमार्क के होर्सेन्स में थॉमस कप के सेमीफाइनल में फ्रांस से 0–3 से हार गया था और उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। भारत इस मुकाबले में अपने तीनों एकल मैच हार गया था।

अब मलेशिया मास्टर्स में भारतीय खिलाड़ियों का फिर से फ्रांस के खिलाड़ियों से मुकाबला होगा और इस बार वह किसी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। कोहनी की चोट के कारण फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में नहीं खेल पाने वाले स्टार भारतीय शटलर लक्ष्य सेन इंडोनेशिया के मोह जाकी उबैदिल्लाह के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

भारत के अन्य खिलाड़ियों का मुकाबला हालांकि फ्रांस के खिलाड़ियों से होगा। इनमें थारुन मन्नेपल्ली फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से, किरण जॉर्ज सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स लैनियर से और एचएस प्रणय क्रिस्टो पोपोव से भिड़ेंगे। एस शंकर मुथुसामी सुब्रमणियन को क्वालीफाइंग राउंड से गुजरना होगा। हरिहरन आमसकारुनन और एमआर अर्जुन को पुरुष युगल में थॉमस कप के सेमीफाइनल में खेलने का मौका नहीं मिला था। भारत की यह जोड़ी यहां क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव की सातवीं वरीयता प्राप्त फ्रांसीसी जोड़ी का सामना करेगी। भारतीय महिला एकल खिलाड़ियों में तन्वी शर्मा का मुकाबला थाईलैंड की पिचमोन ओपटनीपुथ से, छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुडा का चीन की हान कियान शी से, मालविका बंसोड़ का जर्मनी की यवोन ली से और अनमोल खरब का डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ड से होगा। रक्षिता श्री संतोष राम का मुकाबला जापान की नात्सुकी निदैरा से होगा, जबकि इशारानी बरुआ को पहले दौर में डेनमार्क की पांचवीं वरीयता प्राप्त लाइन क्रिस्टोफरसन की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। देविका सिहाग क्वालीफायर में खेलेंगी। महिला युगल में अश्विनी भट के और शिखा गौतम का मुकाबला कनाडा की जैकी डेंट और क्रिस्टल लाई से, जबकि रुतापर्णा पांडा और श्वेतापर्णा पांडा का जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त रिन इवानागा और की नाकानिशी से होगा। मिश्रित युगल में अशिथ सूर्या और अमृता प्रमुथेश का सामना इंडोनेशिया के बॉबी सेतियाबुडी और मेलाती डेवा ओक्टावियांती से होगा, जबकि रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गद्दे इंडोनेशिया के अमरी सयानावी और नीता वायलिना मारवाह से भिड़ेंगे। (अनंत ज्ञान)

स्पोर्ट्स विंडो

एमपी लीग का आगाज 3 जून से इंदौर में खेले जाएंगे मुकाबले

एजेंसी, इंदौर। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) 2026 का आयोजन 3 जून से इंदौर में शुरू होगा। इस बार टूर्नामेंट का विस्तार किया गया है, जिसमें पुरुष वर्ग की 10 और महिला वर्ग की 5 टीमें हिस्सा लेंगी। मुकाबले इंदौर के विभिन्न मैदानों पर खेले जाएंगे। पुरुष वर्ग के टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला 3 जून को होलकर स्टेडियम में शाम 7:30 बजे ग्वालियर चीता्स और उज्जैन फाल्कन्स के बीच खेला जाएगा। महिला वर्ग की प्रतियोगिता 4 जून से शुरू होगी, जहां पहले मुकाबले में चंबल घड़ियाल्स का सामना ग्वालियर शेरनिस से होगा। यह मैच सुबह 10 बजे डेली कॉलेज, इंदौर में खेला जाएगा। पूर्व एमपीएल चेयरमैन महानार्यमन सिंधिया ने कहा, 'हम मध्य प्रदेश लीग के आगामी सत्र का कार्यक्रम घोषित करते हुए बेहद खुश हैं। इस बार अधिक टीमें, ज्यादा मुकाबले और विस्तारित महिला प्रतियोगिता इसे पहले से कहीं बड़ा और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगी।उ एलिमिनेटर मुकाबला 12 जून को खेला जाएगा, जबकि महिला फाइनल 13 जून को होलकर स्टेडियम में आयोजित होगा। 4 जून से पुरुष वर्ग में डबल हेडर और ट्रिपल हेडर मुकाबलों की शुरुआत होगी। 4 जून को मालवा स्टैलियंस और चंबल घड़ियाल्स के बीच दोपहर 3 बजे मुकाबला होगा। इसके बाद शाम 7:30 बजे भोपाल लेपर्ड्स और इंदौर पिंक पैंथर्स आमने-सामने होंगे। पुरुष वर्ग का लीग चरण 24 जून तक चलेगा, जबकि दोनों सेमीफाइनल 25 जून को होलकर स्टेडियम में खेले जाएंगे। एमपीएल 2026 का फाइनल मुकाबला 26 जून को शाम 7:30 बजे इंदौर के होलकर स्टेडियम में आयोजित होगा। (अनंत ज्ञान)

भरत सिंह चौहान राष्ट्रमंडल शतरंज संघ के फिर से चुने गए अध्यक्ष

एजेंसी, नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय खेल प्रशासक भरत सिंह चौहान को फिर से राष्ट्रमंडल शतरंज संघ (सीसीए) का अध्यक्ष चुना गया है। श्रीलंका के वासाकाडुवा में राष्ट्रमंडल शतरंज संघ की वार्षिक आम सभा की बैठक के दौरान चुनाव कराए गए जिसमें चौहान को सर्वसम्मति से अगले चार साल के लिए अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। सीसीए की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ''चौहान का अध्यक्ष पद पर फिर से निर्वाचित होना राष्ट्रमंडल देशों में शतरंज को मजबूत करने और इस खेल को बढ़ावा देने के प्रति उनके दूरदर्शी नेतृत्व और लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता में निहित विश्वास और भरोसे को दर्शाता है।'' 68 वर्षीय चौहान इससे पहले अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के सचिव के रूप में कार्य कर चुके हैं। वह वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष और एशियाई शतरंज महासंघ (एसीएफ) के उपाध्यक्ष भी हैं। (अनंत ज्ञान)

पीजीए चैंपियनशिप : गोल्फर आरोन राय ने जीता पहला मेजर खिताब

एजेंसी, न्यूटाउन स्क्वायर

इंग्लैंड के गोल्फर आरोन राय ने पीजीए चैम्पियनशिप 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। 31 वर्षीय राय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला मेजर खिताब अपने नाम किया और 1919 के बाद पीजीए चैम्पियनशिप जीतने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बन गए।

एरोनिमिंक गोल्फ क्लब में रविवार को खेले गए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के अंतिम दौर में आरोन राय ने 5–अंडर 65 का शानदार कार्ड खेला। उन्होंने कुल 9–अंडर 271 के स्कोर के साथ स्पेन के जॉन रहम और अमेरिका के एलेक्स स्मॉली को तीन शॉट से पीछे छोड़ते हुए खिताब अपने नाम किया। राय ने फ्रंट नाइन में कुछ उतार–चढ़ाव के बावजूद शानदार वापसी की। उन्होंने पार–5 नौवें होल पर लगभग 40 फुट लंबा ईगल पुट डाला, जिसने मुकाबले का रुख बदल दिया। इसके बाद बैक नाइन में चार बर्डी लगाकर उन्होंने बढ़त मजबूत की। पार–3 17वें होल पर 68.5 फुट लंबा बर्डी पुट डालकर राय ने जीत लगभग पक्की कर दी। आरोन राय 2022 यूएस ओपन जीतने वाले मैट फिट्जपैट्रिक के बाद किसी मेजर टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी भी बने। इससे पहले अमेरिका के खिलाड़ियों ने लगातार 10 वर्षों तक पीजीए चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया था। राय ने पहले और 11वें होल पर बेहतरीन एप्रोच शॉट्स के जरिए आसान बर्डी हासिल की। हालांकि तीसरे और छठे होल पर ग्रीन से बाहर शॉट जाने के कारण उन्हें बोगी का सामना करना पड़ा। लेकिन नौवें होल पर शानदार ईगल के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जर्मनी के मैटी शिमड और एलेक्स स्मॉली भी खिताब की दौड़ में बने हुए थे, लेकिन दोनों अंतिम दौर में दबाव झेल नहीं सके। स्मॉली ने छठे होल पर डबल बोगी कर अपनी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया, जबकि शिमड का 10वें होल पर बोगी करना राय के लिए फायदेमंद साबित हुआ। (अनंत ज्ञान)

डब्ल्यूपीएल टीम का भी मालिक बनना चाहता है पंजाब किंग्स

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भले ही महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का तत्काल विस्तार नहीं करना चाहता हो, लेकिन आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सह–मालिक मोहित बर्मन का कहना है कि फ्रेंचाइजी चार सत्र पुराने इस टूर्नामेंट में किसी समय एक टीम का मालिक बनना पसंद करेगी। वर्तमान में डब्ल्यूपीएल में आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्वामित्व वाली तीन टीम मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स हैं। बीसीसीआई की मौजूदा पांच टीमों वाली डब्ल्यूपीएल में और टीमें जोड़ने की कोई तत्काल योजना नहीं है, लेकिन बर्मन वैश्विक स्तर पर इस खेल के विकास को लेकर आशान्वित हैं और इसलिए महिला लीग से भी जुड़ना चाहते हैं। पंजाब किंग्स में 48 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले बर्मन ने पीटीआई से कहा कि डब्ल्यूपीएल ने बहुत कम समय में ही महिला क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में अपनी पहचान बना ली है। महिला क्रिकेट की प्रगति शानदार रही है। हमने शुरू में महिला क्रिकेट में निवेश नहीं किया और इसे अविश्वास के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि 'व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि महिला क्रिकेट का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। हम एक महिला आईपीएल टीम (डब्ल्यूपीएल) के मालिक बनना चाहेंगे। बर्मन का मानना है कि डब्ल्यूपीएल और भारतीय महिला टीम की हालिया सफलता ने लोगों में काफी रुचि पैदा की है।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने पिछले साल पहली बार महिला वनडे विश्व कप जीता था और उसे अगले महीने इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप में भी खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

आईपीएल 2026 : पर्पल कैप की रेस में भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को खेले गए मुकाबलों में कई स्टार बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हराया, जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को मात दी। इस दौरान ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस भी और रोमांचक हो गई।

ऑरेंज कैप की दौड़: विराट कोहली ने पंजाब के खिलाफ 37 गेंदों में 58 रन की अहम पारी खेली। इस पारी के साथ उनके इस सीजन में 542 रन हो गए हैं और वह ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष के बेहद करीब पहुंच गए हैं। उनसे आगे केवल साई सुदर्शन (554 रन) और शुभमन गिल (552 रन) हैं। वहीं कूपर कोनोली ने 22 गेंदों में 37 रन बनाकर इस सीजन में अपने कुल रन 473 तक पहुंचा दिए और वह आठवें स्थान पर पहुंच गए।

दिन के दूसरे मुकाबले में केएल राहुल ने 42 गेंदों में 56 रन की शानदार पारी खेली। इसके साथ उनके 533 रन हो गए और उन्होंने हेनरिक क्लासेन को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल कर लिया। राजस्थान के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 21 गेंदों में 46 रन बनाए और अब वह 486 रनों के साथ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

पर्पल कैप की दौड़: भुवनेश्वर कुमार इस सीजन में शानदार लय में नजर आ रहे हैं। पंजाब के खिलाफ उन्होंने प्रियंश आर्य और प्रभसिमरन सिंह के विकेट चटकाए और 2/38 का प्रदर्शन किया। हालांकि इस मैच में उनकी इकॉनमी थोड़ी महंगी रही, लेकिन विकेट लेने का सिलसिला जारी रहा। इन दो विकेटों के साथ भुवनेश्वर के इस सीजन में 24 विकेट हो गए हैं। वह दूसरे स्थान पर मौजूद कगिसो रबाडा से तीन विकेट आगे हैं। वहीं अंशुल कंबोज उनसे पांच विकेट पीछे हैं। शाम के मुकाबले में जोफ्रा आर्चर ने 2/35 का प्रदर्शन किया। पिछले तीन मैचों में संघर्ष के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और अब 17 विकेट के साथ पर्पल कैप सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

ममता बोलीं- बंगाल बुलडोजर राजनीति में यकीन नहीं करता

एजेंसी, कोलकाता। कोलकाता में पार्त सर्कस इलाके में अतिक्रमण हटाने के खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस पर पथराव भी हुआ, जिसमें 3 पुलिसकर्मी घायल हो गई। सुरक्षा बलों के वाहनों में तोड़फोड़ भी की गई। पार्क सर्कस सेवन प्वाइंट क्रॉसिंग के पास बड़ी संख्या में लोग एंटी-एन्क्रोचमेंट ड्राइव के विरोध में जुटे थे। उन्होंने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस जब भीड़ को हटाने पहुंची, तो पथराव शुरू हो गया। कोलकाता पुलिस के एडिशनल कमिश्नर आशेष बिस्वास ने कहा- कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। बाकी की पहचान की जा रही है। दरअसल, कोलकाता के तिलजला इलाके में पिछले हफ्ते एक फैक्ट्री में आग लगने से 2 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद प्रशासन ने इलाके में अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाया। पार्क सर्कस में जुटे लोग इसी कार्रवाई का विरोध कर रहे थे। (अनंत ज्ञान)

सुप्रीम कोर्ट बोला- उमर खालिद को मिल सकती थी बेल

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगा साजिश मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को जमानत देने से इनकार करने वाले अपने पिछले फैसले पर आपत्ति जताई। कोर्ट ने सोमवार को यह बयान सैयद इफ्तिखार अंद्राबी से जुड़े नार्को-टेररिज्म मामले पर सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने माना कि किसी आरोपी को बेल देना एक नियम है, उसे जेल भेजना अपवाद होना चाहिए। जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने केए नजीब मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र किया। बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में माना था कि मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने पर अदालतें गैर-कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) मामलों में जमानत दे सकती हैं। कोर्ट ने कहा खालिद की जमानत याचिका खारिज करते समय कोर्ट ने इस फैसले पर ध्यान नहीं दिया था। 2019 से 2023 के बीच पूरे भारत में,क्क मामलों में सिर्फ 1.5%-4% लोगों को सजा हुई। यानी लगभग 94% मामलों में बरी होने की संभावना होती है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि जब कोई बड़ी बेंच फैसला सुना देती है तो छोटी बेंच को उसे मानना ही पड़ेगा। आजकल ऐसा देखा जा रहा है कि छोटी बेंच सीधे-सीधे मना तो नहीं करतीं, लेकिन घुमा-फिराकर बड़े फैसले के असर को कमजोर कर देती हैं। इस साल 4 जनवरी को जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। (अनंत ज्ञान)

अमित शाह ने रायपुर में शुरू की अत्याधुनिक 'नेक्स्ट जेन सीजी डायल–112' सेवा

छत्तीसगढ़ पुलिस को मिली हाईटेक ताकत, मोबाइल फॉरेंसिक वैन

एजेंसी, रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को माना पुलिस परेड ग्राउंड, रायपुर में छत्तीसगढ़ पुलिस की अत्याधुनिक 'नेक्स्ट जेन सीजी डायल–112 सेवा' और मोबाइल फॉरेंसिक वैन का शुभारंभ किया। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने 400 अत्याधुनिक डायल–112 वाहनों तथा 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, विधायकगण, जनप्रतिनिधिगण तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

'एक्के नंबर, सब्बो बर' थीम पर आधारित यह आधुनिक सेवा पुलिस, अग्निशमन और चिकित्सा सेवाओं को एकीकृत करते हुए नागरिकों को एक ही नंबर पर त्वरित आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराएगी। इसके तहत शुरू किए गए 400 अत्याधुनिक वाहनों में स्मार्टफोन, जीपीएस, वायरलेस रेडियो, पीटीजेड कैमरा, डैश कैम, मोबाइल एनवीआर और सोलर बैकअप जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन तकनीकों की मदद से घटनास्थल की लाइव मॉनिटरिंग, रियल–टाइम ट्रैकिंग और त्वरित संचार सुनिश्चित किया जा सकेगा।

यह सेवा 24×7 संचालित होगी। इसमें जीआईएस आधारित मॉनिटरिंग, एडवांस व्हीकल ट्रैकिंग, एसआईपी ट्रंक टेक्नोलॉजी तथा स्वचालित कॉलर लोकेशन पहचान जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। राज्य के सभी 33 जिला समन्वय केंद्रों को भी इस नेटवर्क से जोड़ा गया है। नागरिक वॉयस कॉल, एसएमएस, ईमेल, वेब पोर्टल, व्हाट्सएप, चैटबॉट और एसओएस–112 इंडिया ऐप के माध्यम से भी सहायता प्राप्त कर सकेंगे। 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन प्रदेश में अपराध अनुसंधान को नई दिशा देंगी। '32 वैन– 32 जिले– एक संकल्प: सटीक जांच, त्वरित न्याय' के उद्देश्य के साथ शुरू की गई यह पहल घटनास्थल पर ही प्रारंभिक वैज्ञानिक जांच की सुविधा उपलब्ध कराएगी। लगभग 65 लाख रुपये प्रति यूनिट लागत वाली इन अत्याधुनिक वैन में घटनास्थल संरक्षण किट, साक्ष्य संग्रहण एवं सीलिंग उपकरण, फिंगरप्रिंट डिटेक्शन सिस्टम, नार्कोटिक्स परीक्षण किट, डिजिटल फॉरेंसिक सपोर्ट, उच्च गुणवत्ता फोटोग्राफी व्यवस्था, बुलेट होल स्क्रीनिंग एवं बैलिस्टिक जांच किट तथा गनशॉट रेजिड्यू (जीएसआर) परीक्षण किट जैसी उन्नत सुविधाएं उपलब्ध हैं। नई मोबाइल फॉरेंसिक वैन के माध्यम से घटनास्थल पर ही प्रारंभिक जांच, साक्ष्य संरक्षण, परीक्षण और डिजिटल दस्तावेजीकरण किया जा सकेगा। इससे जांच की गुणवत्ता और गति दोनों में महत्वपूर्ण सुधार होगा। (अनंत ज्ञान)

नेपाल में सरकार के खिलाफ भूमिहीनों का प्रदर्शन, पीएम के इस्तीफे की मांग

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल सरकार द्वारा भूमिहीन लोगो की अव्यवस्थित बस्तियां हटाने की प्रक्रिया तथा बस्ती खाली करने की सूचनाओं के खिलाफ देशभर के भूमिहीन समुदाय ने आज भी कड़ा विरोध जताया है।

रूपनदेही जिले के बुटवल में सोमवार की दोपहर 41 डिग्री तापमान के बीच प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी की। देश के विभिन्न हिस्सों से जुटे हजारों भूमिहीन लोगों में अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं, जबकि कुछ पुरुष प्रतिनिधिमूलक रूप से शामिल हुए। आरोप है कि सरकार ने वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना सार्वजनिक जमीन संरक्षण के नाम पर 'डोजर आतंक' मचाया है। इसी के विरोध में हजारों लोग सड़क पर उतरे। उन्होंने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह सरकार से इस्तीफे की मांग करते हुए 'वोट वापस करो' के नारे भी लगाए। तेज गर्मी के बीच प्रदर्शनकारियों ने बालेन सरकार मुर्दाबाद, हमारा वोट वापस करो, डोजर आतंक बंद करो, अव्यवस्थित बसोबासी को व्यवस्थित करो, रोटी और आवास की गारंटी दो, डोजर नहीं समाधान दो तथा सुकुम्बासी होना शौक नहीं, मजबूरी है.. जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार ने सार्वजनिक जमीन संरक्षण के नाम पर बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए वर्षों से बसे लोगों की बस्तियों पर डोजर चलाया है, जिससे देशभर के भूमिहीन और अव्यवस्थित बसोबासी आंदोलन के लिए मजबूर हुए हैं। संघर्ष समिति रुपन्देही के संयोजक खगेंद्र पौडेल ने बताया कि नेपाल भूमिहीन संघर्ष समिति के इस प्रदर्शन में देश के विभिन्न जिलों से हजारों लोगों की भागीदारी रही।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जबरन बुलडोजर चलाया गया तो वे और सशक्त आंदोलन करेंगे। आंदोलनकारियों का कहना है कि दशकों से बसे स्थानों से उन्हें हटाना अन्यायपूर्ण है। भूमिहीन संघर्ष समिति के वीरेंद्र विश्वकर्मा ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य नागरिकों से कर लेता है, मतदान कराता है, लेकिन उनके निवास को अवैध घोषित करता है, जो दोहरा व्यवहार है। उन्होंने कहा कि दशकों से बसे आम लोगों को विस्थापित कर प्रधानमंत्री गुमनाम नहीं रह सकते। हजारों लोगों की ताकत को नजरअंदाज करना महंगा पड़ सकता है। उनका दावा था कि भूमिहीन लोग भी कर चुकाने वाले, मतदान करने वाले और राज्य के प्रति दायित्व निभाने वाले वैधानिक नागरिक हैं। (अनंत ज्ञान)

डॉलर के मुकाबले रुपया पहली बार 96 .18 पर पहुंचा व कच्चा तेल भी 2 प्रतिशत बढ़कर 110 डॉलर के पार

एजेंसी, मुंबई

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच सोमवार 18 मई को भारतीय रुपए में रिकॉर्ड गिरावट है। डॉलर के मुकाबले रुपया 20 पैसे कमजोर होकर 96.18 पर पहुंच गया। कच्चा तेल भी 2% बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार कर रहा है।

मिडिल ईस्ट के तनाव का असर शेयर बाजार पर भी दिख रहा है। सेंसेक्स सुबह करीब 1000 अंक से ज्यादा गिरकर 74,180 पर आ गया था। हालांकि अब इसमें रिकवरी आई है और ये मामूली तेजी के साथ 75,250 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी भी फ्लैट होकर 23,630 के करीब है। आज के कारोबार में आईटी शेयरों में तेजी है। (अनंत ज्ञान)

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी लगातार बढ़ती चली गई। हालांकि खरीदारों ने बीच–बीच में लिवाली का जोर बना कर मार्केट को सपोर्ट करने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि इन दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार नहीं हो सका। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.36 प्रतिशत और निफ्टी 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

चांदी 1,722 गिरकर 2.67 लाख पर आई और सोना 389 सस्ता होकर 1.58 लाख पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने–चांदी के दाम में आज यानी 18 मई को गिरावट है। 1 किलो चांदी का दाम 1,722 रुपए कम होकर 2.67 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले इसकी कीमत 2.69 लाख रुपए पर थी। वहीं इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 389 रुपए गिरकर 1.58 लाख रुपए हो गया है। इस साल सोने–चांदी की कीमत में लगातार उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 24 हजार रुपए और चांदी 37 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.58 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.67 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। (अनंत ज्ञान)

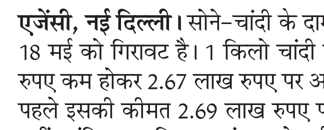

व अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी तहसील हरोली जिला ऊना (हि. प्र.)
श्री दर्शन लाल पुत्र रतन चन्द पुत्र भगवाना वासी ललडी तहसील हरोली जिला ऊना (हि. प्र.)
...........वादी
बनाम आम जनता
...........प्रतिवादीगण
दरखास्त बमुराद दुरुस्ती नाम राजस्व अभिलेख महाल ललडी तहसील हरोली जमाबन्दी वर्ष 2023-24 तहसील हरोली जिला ऊना हि. प्र.।
इश्तहार वावत दुरुस्ती नाम – प्रार्थी श्री दर्शन लाल पुत्र रतन चन्द पुत्र भगवाना वासी ललडी तहसील हरोली जिला ऊना (हि.प्र.)ने इस न्यायालय में आवेदन पत्र दुरस्ती नाम प्रस्तुत किया है कि राजस्व रिकॉर्ड महाल ललडी जमाबन्दी वर्ष 2023-24 में प्रार्थी का नाम दर्शन सिंह पुत्र रतन चन्द गलत दर्ज है। अतः प्रार्थी का सही नाम दर्शन लाल पुत्र रतन चन्द है। अतः प्रार्थी का नाम दर्शन लाल उपनाम दर्शन सिंह पुत्र रतन चन्द सही दर्ज किया जावे। अतः सर्व साधारण को इस इश्तहार/मुशत्री मुनादी के माध्यम से सूचित किया जाता है कि इस बारे किसी व्यक्ति को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 18-06-2026 को प्रातः 11:00 बजे से पहले अपना उजर लिखित या मौखिक तौर पर इस न्यायालय में निर्धारित तारीख पर पेश कर सकता है। यदि उपरोक्त वर्णित तिथि को किसी भी व्यक्ति को कोई उजर/एतराज इस न्यायालय में प्राप्त न हुआ तो एक-तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नाम दुरस्ती बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे। निर्धारित तारीख पेशी के उपरान्त कोई भी उजर काबले समायत ना होगा व न्यायालय द्वारा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा कर इस सम्बन्ध में फैसला सुना जाएगा।
कार्यकारी दण्डाधिकारी
तहसील हरोली जिला ऊना हि. प्र.

व अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी तहसील हरोली जिला ऊना (हि. प्र.)
श्री बचन सिंह पुत्र श्री सगली राम वासी पुत्र श्री हरिया वासी बाथडी तहसील हरोली जिला ऊना (हि. प्र.)
...........वादी
बनाम आम जनता
...........प्रतिवादीगण
दरखास्त बमुराद दुरुस्ती नाम राजस्व अभिलेख महाल बाथडी बेला व महाल बाथडी जमावन्दी 2021 -22 तहसील हरोली जमाबन्दी वर्ष 2020-2021 तहसील हरोली जिला ऊना हि. प्र.।
इश्तहार वावत दुरुस्ती नाम – प्रार्थी श्री बचन सिंह पुत्र श्री सगली राम पुत्र श्री हरिया वासी बाथडी तहसील हरोली जिला ऊना (हि.प्र.)ने इस न्यायालय में आवेदन पत्र दुरस्ती नाम प्रस्तुत किया है कि राजस्व रिकॉर्ड महाल बाथडी बेला जमाबन्दी वर्ष 2020-21 व महाल बाथडी जमावन्दी 2021 -22 में प्रार्थी का नाम बचन लाल पुत्र सगली राम गलत दर्ज है। अतः प्रार्थी का सही नाम वचन सिंह पुत्र सगली राम है। अतः प्रार्थी का नाम बचन सिंह पुत्र सगली राम सही दर्ज किया जावे। अतः आम जनता को इस इश्तहार/मुशत्री मुनादी के माध्यम से सूचित किया जाता है कि इस बारे किसी व्यक्ति को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 18-06-2026 को प्रातः 11:00 बजे से पहले अपना उजर लिखित या मौखिक तौर पर इस न्यायालय में असालतन या वकालतन निर्धारित तारीख पर पेश कर सकता है। यदि उपरोक्त वर्णित तिथि को किसी भी व्यक्ति को कोई उजर/एतराज इस न्यायालय में प्राप्त न हुआ तो आम जनता के विरुध एक-तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नाम दुरस्ती बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे। निर्धारित तारीख पेशी के उपरान्त कोई भी उजर काबले समायत ना होगा व न्यायालय द्वारा उक्त केस के सम्बन्ध में फैसला सुना जाएगा।
कार्यकारी दण्डाधिकारी
तहसील हरोली जिला ऊना हि. प्र.

व अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी तहसील हरोली जिला ऊना (हि. प्र.)
श्री उमर लाल पुत्र लछमण दास वासी कर्मपुर तहसील हरोली जिला ऊना (हि.प्र.)
...........वादी
बनाम आम जनता
...........प्रतिवादीगण
दरखास्त बमुराद दुरुस्ती नाम राजस्व अभिलेख महाल पालकवाह निचला तहसील हरोली जमाबन्दी वर्ष 2019-20, व राजस्व महाल कांगड जमावन्दी वर्ष 2019- 20 तहसील हरोली जिला ऊना हि. प्र.।
इश्तहार वावत दुरुस्ती नाम – प्रार्थी श्री उमर लाल पुत्र लक्ष्मण दास वासी कर्मपुर तहसील हरोली जिला ऊना (हि. प्र.) ने इस न्यायालय में आवेदन पत्र दुरस्ती नाम प्रस्तुत किया है कि राजस्व रिकॉर्ड महाल पालकवाह निचला जमाबन्दी वर्ष 2018-19 व राजस्व महाल कांगड जमावन्दी वर्ष 2019- 20 तहसील हरोली में प्रार्थी का नाम अमृत लाल उपनाम अमर लाल पुत्र लछमण गलत दर्ज है। प्रार्थी ने गुज़ारिश की है कि उसका नाम उमर लाल पुत्र लछमण सही दर्ज किया जावे। अतः आम जनता को इस इश्तहार/मुशत्री मुनादी के माध्यम से सूचित किया जाता है कि इस बारे किसी व्यक्ति को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 18 -06-2026 को प्रातः 11:00 बजे से पहले अपना उजर लिखित या मौखिक तौर पर इस न्यायालय में असालतन या वकालतन निर्धारित तारीख पर पेश कर सकता है। यदि उपरोक्त वर्णित तिथि को किसी भी व्यक्ति को कोई उजर/एतराज इस न्यायालय में प्राप्त न हुआ तो आम जनता के विरुध एक-तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नाम दुरस्ती बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे। निर्धारित तारीख पेशी के उपरान्त कोई भी उजर काबले समायत ना होगा व न्यायालय द्वारा उक्त केस के सम्बन्ध में फैसला सुना जाएगा।
कार्यकारी दण्डाधिकारी
तहसील हरोली जिला ऊना हि. प्र.

कुल्लू के रायसन में सुरक्षा दीवार का काम अधर में, लोगों पर मंडराया बरसात का खतरा

15 महीने बाद भी अधूरी है 2.41 करोड़ की योजना, बरसात के मौसम से पहले कार्य पूरा न होने पर ग्रामीणों में रोष

अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान मुद्दा

मोहन कपूर, पतलीकूहल। कुल्लू जिले के रायसन में फरवरी 2025 से शुरू किया गया बाढ़ सुरक्षा दीवार का कार्य अभी तक अधर में लटका हुआ है। करोड़ों रुपए की लागत से बनने वाली यह दीवार पंद्रह माह बीत जाने के बाद भी पूरी नहीं हो पाई है।

दो करोड़ इकतालीस लाख रुपए से बनने वाली दीवार का काम कछुआ रफ्तार से चलने के कारण स्थानीय लोगों में भारी रोष है। लोगों का आरोप है कि विभाग द्वारा दीवार की 'बैक फीलिंग' (पीछे मिट्टी भराई का कार्य) भी नहीं करवाई जा रही है।

रायसन में धीमी गति से चला बाढ़ सुरक्षा दीवार का कार्य।

इसके बिना बरसात के पानी के दबाव से बनी हुई दीवार के भी ढह जाने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। प्रशासन के ढुलमुल रवैये से परेशान होकर सोमवार को 'रायसन बाढ़ सुरक्षा कमेटी' ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अधिशासी अभियंता जल शक्ति विभाग कटराईं को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से इस सुरक्षा दीवार के काम को युद्ध स्तर पर जल्द से जल्द पूरा करवाने की गुहार लगाई है। स्थानीय लोगों को अब आगामी बरसात में नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण भारी नुकसान होने का डर सता रहा है। गौरतलब है कि पिछली बरसात में भी बाढ़ के रौद्र रूप के कारण लोगों को अपने घर छोड़ने पर विवश होना पड़ा था। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते काम पूरा नहीं हुआ, तो इस बार भी जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है।

लापरवाही: 12 दिन से काम पूरी तरह ठप

ग्रामीणों द्वारा कई दफा जल शक्ति विभाग और संबंधित ठेकेदार से दीवार का काम जल्द पूरा करने का आग्रह किया गया, लेकिन इसके बावजूद उनके कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। हैरानी की बात यह है कि बाढ़ सुरक्षा दीवार का कार्य पिछले लगभग बारह दिनों से पूरी तरह ठप्प पड़ा हुआ है।

ठेकेदार को जल्द काम पूरा करने के निर्देश

इस पूरे मामले पर जल शक्ति विभाग कटराईं के अधिशासी अभियंता रजनीश ओंकार ने बताया कि विभाग इस विषय को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि संबंधित ठेकेदार को जल्द से जल्द सुरक्षा दीवार का कार्य पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इस सुस्ती को लेकर पहले भी ठेकेदार को विभाग की तरफ से नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस कार्य को पूरा करवा लिया जाएगा।

खराहल स्कूल के स्काउट व गाइड्स ने बदली खेल मैदान की सूरत

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला खराहल के स्काउट और गाइड्स के स्वयंसेवकों ने अपनी सामाजिक और रचनात्मक जिम्मेदारी निभाते हुए विद्यालय परिसर को एक नया और आकर्षक रूप दिया है। स्काउट और गाइड्स के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार, आज खेल मैदान के साथ बनी बैठने की सीढ़ियों को सुंदर बनाने के लिए एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्काउट और गाइड्स के बच्चों ने कड़ी मेहनत करते हुए खेल मैदान की लगभग 110 फुट लंबी और 8 सीढ़ियों को 'ईंट कलर' के टेराकोटा पेंट से सजाया। बच्चों को व्यावहारिक ज्ञान देते हुए दीवार और सीढ़ियों पर पेंट करने की बारीकियों से अवगत कराया गया। बच्चों ने सबसे पहले सीढ़ियों को पानी से साफ और गीला किया, जिसके बाद उस पर स्पेशल 'सुपर सम' कोट लगाया गया। इस गतिविधि के जरिए बच्चों ने न केवल हुनर सीखा, बल्कि स्कूल प्रांगण को सुंदर बनाने में अपनी श्रमशक्ति का अमूल्य योगदान भी दिया। जिला प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) देव ठाकुर तथा स्काउट मास्टर सुभाष शर्मा ने बच्चों के साथ खुद लगकर उनका मार्गदर्शन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य चिमनलाल ने बच्चों के इस बेहतरीन और सुंदर कार्य की जमकर प्रशंसा की और उनका हौसला बढ़ाया। विद्यालय में कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए स्काउट और गाइड के कुल 8 पेट्रोलों ने जिम्मेदारी संभाली। टाइगर पेट्रोल, सनफ्लावर, ईगल, सनशाइन, वुल्फ, रोज, लायन और लोटस पेट्रोल के नेतृत्व में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एक दिवसीय कार्यशाला में सीढ़ियों को दिया नया रूप।

इसमें कई विद्यार्थियों ने भी सराहनीय योगदान दिया। प्रधानाचार्य ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों में नागरिकता की भावना पैदा करती हैं।

प्री-मानसून तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन सतर्क

एसडीएम केलांग कुनिका ने की मानसून तैयारियों की समीक्षा, सभी विभागों को दिए निर्देश

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, केलांग। उपमंडलाधिकारी (नागरिक) केलांग कुनिका एकर्स की अध्यक्षता में प्री-मानसून तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम उदयपुर अलीशा चौहान एवं तहसीलदार काजा ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी मानसून सीजन के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु जिला स्तर पर समन्वित एवं सुदृढ़ तैयारियां सुनिश्चित करना रहा। एसडीएम केलांग ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि मानसून से पूर्व संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, राहत एवं बचाव संसाधनों की उपलब्धता तथा विभागीय समन्वय को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लाहौल-स्पीति जैसे जनजातीय एवं भौगोलिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में समयपूर्व तैयारी अत्यंत आवश्यक है ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके।

केलांग में प्री-मानसून तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित।

बैठक में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ एवं एसडीएमएफ के तहत उपलब्ध निधियों, चल रहे कार्यों की प्रगति तथा उपयोगिता प्रमाण पत्रों की समीक्षा की गई। साथ ही अतिरिक्त वित्तीय सहायता हेतु नए प्रस्ताव तैयार करने और लंबित कार्यों में तेजी लाने पर भी चर्चा हुई। संभावित सूखा प्रभावित क्षेत्रों की पहचान, कृषि एवं बागवानी विभाग द्वारा निवारक उपाय, तथा एचपीडीआरआर परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। राहत शिविरों के लिए भूमि चिन्हित करने और भू-स्खलन संभावित स्थलों पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के आधार पर जोखिम न्यूनीकरण उपायों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। एसडीएम कुनिका एकर्स ने सभी विभागों को नोडल अधिकारी नियुक्त करने, नियमित समीक्षा करने, उपमंडल स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने तथा आपातकालीन संपर्क प्रणाली को सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य सामग्री, एलपीजी, पेट्रोल एवं डीजल का अग्रिम भंडारण सुनिश्चित करने, संवेदनशील क्षेत्रों में राशन उपलब्ध रखने और जमाखोरी पर सख्त निगरानी रखने पर जोर दिया। लोक निर्माण, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग को जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मौसम चेतावनियों के त्वरित प्रसार, सचेत, दामिनी और मौसम ऐप के उपयोग, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, तथा पुलिस एवं वन विभाग की निगरानी बढ़ाने पर भी बल दिया गया।

सभी विभागों को मानसून अवधि में पूर्ण सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए ताकि जन-धन की हानि को न्यूनतम किया जा सके।

मनाली में पंचायतीराज चुनाव की तैयारियां तेज

◆ चुनावी ड्यूटी में लापरवाही पर होगी जेल शेड्यूल जारी

अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। प्रदेश में पंचायतीराज सामान्य निर्वाचन 2026 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। इसी कड़ी में उपमंडलाधिकारी (ना0) एवं प्राधिकृत अधिकारी (पंचायत) मनाली, गुंजीत सिंह चीमा की ओर से जारी ताजा कार्यालय आदेश के तहत चुनाव संचालन के लिए पीठासीन अधिकारियों और मतदान अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है।

प्रशासन ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों और स्कूलों के 26 अधिकारियों व कर्मचारियों को 'आरक्षित' स्टाफ के रूप में रखा है। प्रशासन ने सभी संबंधित विभागाध्यक्षों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीन प्रतिनियुक्त किए गए सभी कर्मचारियों तक इन आदेशों की तामीली और समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करवाएं। (रिहर्सल के तुरंत बाद टीमें चुनावी सामग्री लेकर रवाना होंगी) कटराईं में 22 और 23 मई को वोट डालेंगे चुनाव ड्यूटी पर तैनात किए गए कर्मचारियों के लिए मतदान की विशेष व्यवस्था की गई है। आदेश के अनुसार, ये कर्मचारी 22 और 23 मई को खंड विकास अधिकारी कार्यालय नगर (स्थित कटराईं) में सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक अपने मतपत्र के जरिए मतदान कर सकेंगे।

लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

प्रशासन ने चुनावी ड्यूटी में तैनात स्टाफ को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। आदेश के अनुसार, यदि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी चुनावी ड्यूटी में जानबूझकर कोताही बरतता है या आदेशों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ 'हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994' की धारा 160¾ (2) के तहत दंडात्मक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सफल चुनाव संचालन के लिए मतदान कर्मियों को बेहतर ढंग से प्रशिक्षित करने के लिए तीन अलग-अलग तारीखों में पूर्वाभ्यास आयोजित किया जाएगा। प्रथम पूर्वाभ्यास 19 मई सुबह 11:00 बजे अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण संस्थान, अलेउ (मनाली) (इसी दिन पोल ड्यूटी मतपत्र फॉर्म भी बांटे जाएंगे) द्वितीय पूर्वाभ्यास 21 मई सुबह 11:00 बजे अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण संस्थान, अलेउ (मनाली), तृतीय पूर्वाभ्यास 24 मई सुबह 10:00 बजे खंड विकास अधिकारी कार्यालय कटराईं में होंगे।

काजा में चुनाव कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, काजा। स्पीति के विकास खंड काजा में आगामी पंचायतीराज चुनाव 2026 के सफल, निष्पक्ष एवं सुचारु संचालन के लिए तैनात चुनाव अधिकारियों और कर्मचारियों को सोमवार को प्रथम चरण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी काज़ा शिखा ने सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी, निष्पक्षता और सतर्कता के साथ करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान अधिकारियों से चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का गंभीरता से अध्ययन करने पर बल दिया ताकि किसी प्रकार की त्रुटि से बचा जा सके। काज़ा विकास खंड की 14 पंचायतों के 72 मतदान केंद्रों के लिए कुल 192 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें 58 पीठासीन अधिकारी और 134 मतदान अधिकारी शामिल रहे।

एक्टिव मोनल कल्चरल एसोसिएशन ने शुरू की वार्षिक बाल नाट्योत्सव कार्यशालाएं

बच्चों को 'थिएयेर गुर' सिखाएंगे अभिनय के गुरु

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश की अग्रणी सांस्कृतिक संस्था एक्टिव मोनल कल्चरल एसोसिएशन, कुल्लू ने हर साल की तरह इस वर्ष भी सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए 'वार्षिक बाल नाट्योत्सव कार्यशाला शुरू की है। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को अभिनय और नाट्य विधा की बारीकियों से रू-ब-रू करवाना तथा उनका सर्वांगीण (ऑल-राउंड) विकास करना है।

गौर करने वाली बात यह है कि संस्था पिछले 12 वर्षों से लगातार आस-पास के सरकारी स्कूलों में इस प्रकार की कार्यशालाएं पूरी तरह निःशुल्क (फ्री) आयोजित करती आ रही है।इस साल कुल्लू के चार प्रमुख स्कूलों में इन कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अनुभवी रंगकर्मी बच्चों को कला के गुर सिखा रहे हैं। जिनमें राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ढालपुर और संस्था के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध रंगकर्मी केहर सिंह ठाकुर खुद यहां कमान संभाल रहे हैं। राजकीय प्राथमिक पाठशाला, गांधीनगर वरिष्ठ रंगकर्मी मीनाक्षी बच्चों को प्रशिक्षण दे रही हैं।

बच्चों को थियेटर के गुर सिखाते हुए रंगकर्मी।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, भुंतर संस्था के वरिष्ठ रंगकर्मी रेवत राम विक्की कार्यशाला का संचालन कर रहे हैं। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मौहल संस्था के युवा रंगकर्मी परमानंद पिंकू बच्चों को थिएटर की बारीकियां सिखा रहे हैं। संस्था के अध्यक्ष केहर सिंह ठाकुर ने बताया कि यह कार्यशालाएं 21 दिनों तक चलेंगी। इन 21 दिनों में बच्चों के ओवरऑल पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए कई तरह की गतिविधियां करवाई जाएंगी, जिनमें शामिल हैं। इस 21 दिवसीय ट्रेनिंग प्रोसेस के दौरान प्रतिभागी बच्चों द्वारा एक लघु नाटक भी तैयार किया जाएगा। इसका पहला मंचन स्कूल परिसर में ही अन्य बच्चों और अध्यापकों के सामने किया जाएगा। बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें बेहतर एक्सपोजर देने के लिए संस्था द्वारा आगे चलकर एक 'बाल नाट्योत्सव' का भी आयोजन किया जाएगा। इस उत्सव में इन चारों कार्यशालाओं से तैयार हुए नाटकों को बड़े मंच पर दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा।

लंबित कार्यों को समयबद्ध तरीके से करें पूरा

एसडीएम ने की विकास योजनाओं, पर्यटन एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। उपायुक्त कार्यालय केलांग के सम्मेलन कक्ष में सोमवार को एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम केलांग कुनिका एकर्स ने की। इस दौरान उन्होंने पिछली बैठक की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा लंबित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश जारी किए।

बैठक में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, विभागाध्यक्षों तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जबकि एसडीएम उदयपुर अलीशा चौहान एवं तहसीलदार काज़ा ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में सहभागिता की। बैठक में जिले में चल रही विकास योजनाओं, पर्यटन गतिविधियों, सड़क एवं विद्युत व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े विषयों की विभागवार समीक्षा की गई। एसडीएम ने सरकारी कार्यालयों में बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने, कार्यालय अनुशासन बनाए रखने तथा जनहित से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे के निर्देश दिए। थिरोट पावर प्लांट, बिजली आपूर्ति, सौर ऊर्जा उपयोग तथा नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की गई। आगामी मानसून को देखते हुए आपदा प्रबंधन तैयारियों की समीक्षा करते हुए आई-सैट फोन, डीजी सेट, फॉग लाइट्स, राहत सामग्री एवं आपातकालीन मशीनरी की उपलब्धता की जानकारी ली गई।

इसके साथ ही क्षेत्रीय अस्पताल में मोर्चरी सुविधा सहित विभिन्न स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर भी चर्चा हुई। बैठक में एसडीआरएफ-एनडीआरएफ समन्वय, आपदा प्रतिक्रिया तंत्र तथा संवेदनशील क्षेत्रों की तैयारी पर विशेष जोर दिया गया। 'आपदा मित्र' स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण को और मजबूत करने पर सहमति बनी। पीएमजीवीके परियोजनाओं, ईको-टूरिज्म, ठोस कचरा प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, कृषि-बागवानी और अन्य विकास योजनाओं की भी समीक्षा की गई। अंत में त्रिलोकीनाथ मंदिर सौंदर्यीकरण, सड़क परियोजनाओं, वन स्वीकृति मामलों तथा स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण अभियानों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कुल्लू में भगवा लहराने में नाकाम रही भाजपा, कांग्रेस के हाथ को भी नहीं मिल पाया जनता का साथ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू की सबसे बड़ी नगर परिषद कुल्लू में इस बार चुनावी नतीजों ने राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। 11 वार्डों वाली इस नगर परिषद में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों को बड़ा झटका लगा है। भाजपा जहां बहुमत हासिल करने में नाकाम रही, वहीं कांग्रेस भी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई। परिणामस्वरूप दोनों दलों को केवल तीन-तीन सीटों पर ही संतोष करना पड़ा, जबकि पांच वार्डों में आज़ाद प्रत्याशियों ने जीत दर्ज कर बाजी अपने नाम कर ली। वार्ड-1 से भाजपा विचारधारा से जुड़ी पुष्पा देवी आज़ाद उम्मीदवार के रूप में विजयी रहीं। वहीं वार्ड-3 से आशा ठाकुर (गोल्डी), वार्ड-6 से रामदेई और वार्ड-8 से शालिनी रॉय भारद्वाज ने भी जीत दर्ज की है। इन आज़ाद उम्मीदवारों की जीत ने परिषद में सत्ता का गणित पूरी तरह उलझा दिया है। राजनीतिक समीकरणों के अनुसार अब बहुमत का फैसला इन आज़ाद पार्षदों के रुख पर निर्भर करेगा। यदि कुछ आज़ाद पार्षद भाजपा के साथ जाते हैं तो भाजपा बहुमत के करीब पहुंच सकती है, वहीं कांग्रेस भी अपने बागी और निर्दलीय जीते प्रत्याशियों को साधकर वापसी की कोशिश में है।सूत्रों के अनुसार पूर्व राजनीतिक प्रभाव वाले नेताओं और उनके समर्थक पार्षदों की भूमिका इस बार निर्णायक मानी जा रही है। यही कारण है कि अध्यक्ष पद की दौड़ अभी पूरी तरह खुली हुई है। कुल मिलाकर कुल्लू नगर परिषद चुनावों ने यह साफ कर दिया है कि मतदाताओं ने इस बार दोनों प्रमुख दलों को कड़ी चुनौती दी है और आज़ाद उम्मीदवारों ने राजनीतिक समीकरणों की धुरी बनकर उभरने में सफलता हासिल की है।

मनाली में भाजपा का 'क्लीन स्वीप'

अनंत ज्ञान

एम बोकटापा, मनाली। मनाली नगर निकाय चुनाव के नतीजों ने हर किसी को हैरान कर दिया है। राजनीति के पंडितों से लेकर आम जनता तक, किसी ने भी यह कल्पना नहीं की थी कि चुनाव में कांग्रेस का इस कदर सफाया हो जाएगा। इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब मनाली नगर परिषद में विपक्ष का एक भी पार्षद मौजूद नहीं होगा। सभी सात वार्डों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों ने एकतरफा जीत हासिल कर क्लीन स्वीप किया है। धरातल पर मजबूत संगठन न होना कांग्रेस की सबसे बड़ी कमजोरी साबित हुआ। स्थानीय विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने आखिरी समय में चुनाव प्रचार की कमान तो संभाली, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और वे अपने प्रत्याशियों को जीत दिलाने में नाकाम रहे। इससे पहले मनाली की सबसे बड़ी संस्था 'मनाली होटलियर्स एसोसिएशन' के अध्यक्ष पद के चुनाव में भी कांग्रेस समर्थित धड़े को मुंह की खानी पड़ी थी, जिससे पार्टी का मनोबल पहले ही कमजोर था। लिहाजा, इस ऐतिहासिक जीत के बाद जहां भाजपा खेमे में जश्न का माहौल है।

कांग्रेस की निष्क्रियता और संगठन की कमी पड़ी भारी

राजनीतिक विश्लेषकों और स्थानीय लोगों की मानें तो इस चुनाव में कांग्रेस की तरफ से वह ऊर्जा और सक्रियता कहीं दिखाई नहीं दी, जिसकी उम्मीद की जा रही थी। कांग्रेस के पूरे अभियान में न तो कोई मजबूत 'डोर-टू-डोर' कैंपेन दिखा और न ही कार्यकर्ताओं में जीत का वह जोश और जज़्बा नजर आया।

भाजपा का आक्रामक प्रचार और टीम वर्क

दूसरी तरफ भाजपा ने इस चुनाव को जीतने के लिए दिन-रात एक कर दिया था। भाजपा की पूरी टीम मैदान में बेहद संगठित और आत्मविश्वास से लबरेज दिखाई दी। पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर अपने समर्थकों के साथ सातों वार्डों में खुद घूम-घूम कर वोट मांगते दिखे। मैदान में आक्रामक प्रचार के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी भाजपा ने जबरदस्त कैंपेन चलाया। पोलिंग के दिन भी भाजपा कार्यकर्ता बेहद सक्रिय रहे और घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाने में जुटे रहे।

अभी सिर्फ ट्रेलर है, पूरी फिल्म बाकी: अजय

मनाली शहरी भाजपा के अध्यक्ष अजय अबरोल ने कहा कि यह कांग्रेस के साढ़े तीन साल के कुशासन का नतीजा है कि मनाली से उनका सूपड़ा साफ हो गया। जनता ने कांग्रेस द्वारा हर वर्ग को ठगे जाने का जवाब दिया है। अभी जनता ने सिर्फ ट्रेलर दिखाया है, पूरी फिल्म अगले साल (विधानसभा चुनावों में) दिखेगी।

हार की होगी विस्तृत समीक्षा: देवेंद्र नेगी

वरिष्ठ कांग्रेस नेता देवेंद्र नेगी ने कहा कि मनाली नगर निकाय चुनाव में मिली हार की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। हमें इस हार से निराश होने की जरूरत नहीं है, बल्कि इससे सीख लेने की जरूरत है। जनता का भरोसा दोबारा जीतने के लिए हम सभी को एक बार फिर पूरी मेहनत और लगन के साथ मैदान में उतरना होगा। '

शिविर घुड़दौड़ में पांच दिवसीय 'आनंद वरदान साधना शिविर' का शुभारंभ, देश-विदेश से सैकड़ों साधक पहुंचे

खुद के लिए समय निकालें, अन्यथा जीवन व्यर्थ: सुधांशु

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। संतुष्टि और आंतरिक तृप्ति से ही जीवन में सच्चे आनंद की प्राप्ति संभव है। आप खुद को जितना शांत और व्यवस्थित रखेंगे, आपके हर कार्य में उतनी ही गति और सफलता आएगी।

यह उद्गार विश्व जागृति मिशन के संस्थापक, संत सुधांशु जी महाराज ने व्यक्त किए। वे सोमवार को जिला कुल्लू के घुड़दौड़ स्थित साधना धाम परिसर के सभागार में आयोजित पांच दिवसीय 'आनंद वरदान साधना शिविर' के शुभारंभ अवसर पर देश-विदेश से जुटे सैकड़ों साधकों को संबोधित कर रहे थे। गौरतलब है कि विश्व जागृति मिशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इस एक मासीय ध्यान साधना शिविर के तहत सोमवार से दूसरे पांच दिवसीय सत्र की शुरुआत हुई है।

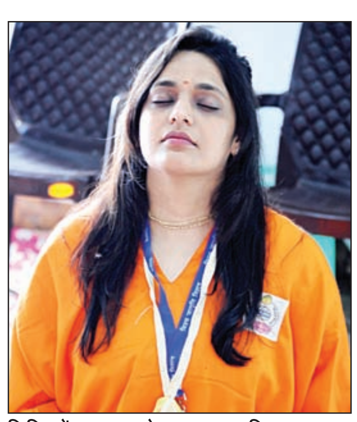

शिविर में ध्यान लगाते हुए साधक महिला।

नन्हीं साधक को गले लगाकर आशीर्वाद देते सुधांशु जी महाराज।

सेवा और ध्यान से मिटेगा दुर्भाग्य: डॉ. अर्चिका

शिविर में उपस्थित साधकों को संबोधित करते हुए ध्यान गुरु डॉ. अर्चिका दीदी जी ने सेवा और साधना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपने दुर्भाग्य को ध्यान, साधना और निरंतर सेवा के माध्यम से मिटा सकता है। इसके लिए स्वयं को उस मानसिक अवस्था में लाना होगा जहां परमात्मा और सद्गुरु का स्मरण करते हुए पापों व कष्टों से मुक्ति पाई जा सके। साधकों को सकारात्मकता का संदेश देते हुए उन्होंने दोहराया कि हर दिन मानसिक शांति का अनुभव करें। अपने मन को हमेशा सकारात्मक रखें। जीवन की हर मुश्किल घड़ी को पार करते हुए आनंद में जीने का संकल्प लें। 'शिविर के पहले ही दिन देश के कोने-कोने से आए साधक डॉ. अर्चिका दीदी के सानिध्य में ध्यान की गहराइयों में उतरे। साधकों ने इस अनुभव को अलौकिक बताते हुए कहा कि वे यहां आकर खुद को परम सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं।

वर्तमान को संभालें भविष्य को संवारें

साधकों को जीवन का मूलमंत्र देते हुए सुधांशु जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति जब भीतर से बेचैन होता है, तो उसका उग्र रूप बाहर भी दिखाई देता है। उन्होंने सचेत करते हुए कहा कि हमारे बचे हुए जीवन की उम्र, सांसें और पूंजी अब कहां इस्तेमाल होनी चाहिए, इसके लिए आज से ही सोचना होगा। जो बीत गया उसे भूल जाएं, लेकिन जो आगे बिताना है, उसके प्रति सावधान हो जाएं। खुद के लिए रोज़ एक घंटा समय जरूर निकालें, अन्यथा यह जीवन बेकार चला जाएगा। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि आज का इंसान दूसरों में अपनापन ढूंढ रहा है और खुद से पराया होता जा रहा है, जिससे वह परमात्मा की कृपा से दूर हो रहा है। उन्होंने सभी से आज से ही शांति, स्वास्थ्य और संतुलन के लिए कर्म करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

नगर निकाय चुनाव: कम वोटिंग ने बढ़ाई कांग्रेस व भाजपा की धड़कनें

कम मतदान आखिर किसके लिए खतरे की घंटी, क्या निर्दलीय जीतेंगे बाजी?

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। जिले के नगर निकाय चुनावों के नतीजों ने स्थानीय राजनीति का पूरा समीकरण बदल दिया है। नालागढ़, परवाणू, अर्की और कंडाघाट निकाय में भाजपा कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर रही है। परवाणू और अर्की में तो एक सीट का निर्णय टॉस उछाल कर हुआ। हालांकि भाजपा सभी निकायों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनाने की स्थिति में है। अब सब की नजर 31 मई को आने वाले नगर निगम सोलन के चुनावी नतीजों पर है। नगर निगम के 17 वार्डों में पार्षद पद के लिए हुए चुनाव में मतदान उम्मीद से कम हुआ, जिसने चुनाव परिणाम आने से पहले ही कांग्रेस और भाजपा दोनों की धड़कनें बढ़ा दीं। सोलन निगम चुनाव में कुल 58.59 फीसदी मतदान हुआ। अब नतीजों के बाद साफ हो गया है कि कम वोटिंग और साइलेंट वोटर ने चुनावी तस्वीर पूरी तरह बदल दी या फिर निगम में काबिज कांग्रेस को इसका फायदा होगा। अटकलें निर्दलीय को लेकर भी है। यदि एक से दो सीट पर निर्दलीय जीत कर आते हैं तो भाजपा-कांग्रेस के उम्मीदों पर पानी भी फिर सकता है।

नगर निगम सोलन सहित जिले के कई निकायों में मतदान प्रतिशत अपेक्षा से कम रहा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कम मतदान का सीधा असर सत्ता पक्ष कांग्रेस पर पड़ा, क्योंकि सरकार में होने के बावजूद पार्टी मतदाताओं को बूथ तक लाने में पूरी तरह सफल नहीं दिखी। वहीं भाजपा ने स्थानीय मुद्दों और संगठनात्मक रणनीति के दम पर कई जगह बढ़त बनाकर कांग्रेस के गणित को बिगाड़ दिया। इन चुनावों में सबसे बड़ा झटका कांग्रेस को चार निकायों में लगा, जहां पार्टी का पूरा तरह सूपड़ा साफ हो गया। दूसरी ओर भाजपा ने कई महत्वपूर्ण वार्डों और निकायों में बढ़त दर्ज कर यह संकेत दे दिया कि प्रदेश की राजनीति में मुकाबला अब और दिलचस्प होने वाला है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इस चुनाव में 'साइलेंट वोटर' निर्णायक साबित हुआ। महंगाई, सफाई व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल, सड़कें और स्थानीय विकास जैसे मुद्दों पर मतदाताओं ने मतदान किया। कई जगह मतदाताओं ने राष्ट्रीय मुद्दों से ज्यादा स्थानीय समस्याओं को प्राथमिकता दी, जिसका सीधा असर नतीजों में दिखाई दिया। कम मतदान को लेकर अब दोनों दल अपने-अपने स्तर पर समीक्षा में जुट गए हैं। कांग्रेस जहां संगठनात्मक कमजोरी और स्थानीय असंतोष को समझने की कोशिश कर रही है, वहीं भाजपा इन परिणामों को 2027 विधानसभा चुनावों से पहले बड़े राजनीतिक संकेत के रूप में देख रही है। जिले के राजनीतिक माहौल में अब यह चर्चा तेज हो गई है कि निकाय चुनावों ने आने वाले विधानसभा चुनावों की दिशा का ट्रेलर दिखा दिया है। आने वाले समय में दोनों दलों के लिए संगठन, स्थानीय नेतृत्व और जनता से सीधा संवाद सबसे बड़ी चुनौती रहने वाला है।

परवाणू नगर परिषद में खिला कमल, कांटे की टक्कर में भाजपा ने हासिल किया बहुमत

128-128 वोटों पर अटका फैसला, लकी ड्रॉ से भाजपा प्रत्याशी नंदिनी सूद की जीत

अनंत ज्ञान

परवाणू। नगर परिषद परवाणू चुनावों के नतीजों ने इस बार सियासत के सारे रोमांच को चरम पर पहुंचा दिया। बेहद उतार-चढ़ाव और कांटे की टक्कर वाले इस चुनावी दंगल में आखिरकार भाजपा ने बाजी मार ली है। कुल 9 वार्डों में से 5 सीटों पर कमल खिलाकर भाजपा ने बहुमत का जादुई आंकड़ा हासिल कर लिया, जबकि कांग्रेस को 4 सीटें पर ही संतोष करना पड़ा। अब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को लेकर लॉबिंग तेज हो गई है। इसमें ठाकुर दास शर्मा अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माने जा रहे हैं।

मतगणना के दौरान मुकाबला इतना कांटे का था कि दोनों ही प्रमुख दल 4-4 सीटें जीतकर बराबरी पर खड़े थे। खासकर वार्ड नंबर एक के नतीजों पर टिक गए था। जब वार्ड नंबर एक की गिनती पूरी हुई, तो अधिकारी और समर्थक दोनों हैरान रह गए। यहां भाजपा और कांग्रेस दोनों ही प्रत्याशियों को बराबर 128-128 वोट मिले। मुकाबला टाई होने के बाद दोनों उम्मीदवारों की सहमति से पर्ची (लक्की ड्रॉ) निकालने का फैसला किया गया। किस्मत का सिक्का भाजपा समर्थित नंदिनी सूद के पक्ष में उछला। पर्ची निकलते ही भाजपा खेमे में जश्न की लहर दौड़ गई और पार्टी ने बहुमत का आंकड़ा छू लिया।

परवाणू नगर परिषद चुनाव 2026 के नतीजे

भाजपा, 5 सीटें।
कांग्रेस, 4 सीटें

वार्ड परिणाम: वार्ड 1 : भाजपा, वार्ड 2 : भाजपा, वार्ड 3 : कांग्रेस, वार्ड 4 : भाजपा, वार्ड 5 : भाजपा, वार्ड 6 : कांग्रेस, वार्ड 7 : भाजपा, वार्ड 8 : कांग्रेस, वार्ड 9: कांग्रेस।

अर्की में कांग्रेस समर्थित दो पूर्व अध्यक्ष साख बचाने में रहे सफल

कृष्ण रघुवंशी, अर्की। नगर पंचायत अर्की के सात वार्डों में हुए दिलचस्प मुकाबले के बाद कांग्रेस समर्थित पूर्व अध्यक्ष सीमा शर्मा और अनुज गुप्ता ने अपनी साख बचाने में सफलता हासिल की। सीमा शर्मा और उनकी प्रतिद्वंद्वी के बीच बराबर वोट आने के कारण पर्ची सिस्टम के जरिए उनका नाम विजयी घोषित किया गया। वहीं प्रदीप शर्मा ने भी तीन मतों के अंतर से जीत दर्ज की, जबकि देवेंद्र कुमार और किरण गुप्ता भी विजयी रहे। दूसरी ओर कांग्रेस से भाजपा में आई रंजना कालिया और वीणा वर्मा ने भी जीत दर्ज कर अपनी स्थिति मजबूत की। वार्डों के नतीजों के बाद नगर पंचायत में भाजपा के 4 और कांग्रेस के 3 सदस्य जीतकर आए हैं, जिससे अध्यक्ष पद को लेकर मुकाबला रोचक हो गया है। अब दोनों दलों की नजर एक-एक सदस्य को अपने पाले में करने पर टिकी है, क्योंकि समीकरण किसी भी समय बदल सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

कसौली कैंटोनमेंट बोर्ड अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

अनंत ज्ञान, सोलन। एमएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा सामाजिक दायित्व और जन स्वास्थ्य सेवा के उद्देश्य से कैंटोनमेंट बोर्ड अस्पताल, कसौली में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य स्थानीय निवासियों तथा दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, कैंटोनमेंट बोर्ड कसौली प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर जनसेवा को सुदृढ़ करना तथा भावी चिकित्सकों को सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति संवेदनशील बनाना रहा। यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. रवि चंद शर्मा, रजिस्ट्रार अजय सिंगल, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मनप्रीत सिंह नंद्रा, वाइस प्रिंसिपल डॉ. जसदीप सिंह संधू, नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. अमिता पुरी, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. किरण कुमार सिंघल तथा नैक कोऑर्डिनेटर डॉ. जय गोपाल वोहरा ने स्वास्थ्य शिविर की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। स्वास्थ्य शिविर का आयोजन महर्षि मार्कंडेश्वर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल तथा कैंटोनमेंट बोर्ड कसौली प्रशासन के संयुक्त सहयोग से किया गया, जिसमें ऑर्थोपेडिक्स, फिजियोथेरेपी, नेत्र रोग विभाग, स्टाफ नर्सिंग टीम तथा सहायक स्वास्थ्य कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। शिविर से पूर्व आयोजित समन्वय बैठक की अध्यक्षता मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. किरण कुमार सिंघल ने की, जिसमें शिविर के संचालन से जुड़े सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में शिविर की समय-सारिणी, परिवहन व्यवस्था, आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, दवाइयों की उपलब्धता, रिपोर्टिंग प्रारूप तथा चिकित्सा दल की जिम्मेदारियों को अंतिम रूप दिया गया। साथ ही कैंटोनमेंट बोर्ड अधिकारियों एवं सहयोगी एजेंसियों की भूमिका और समन्वय पर भी विशेष चर्चा की गई।

लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल मनजयाट में छात्र परिषद शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

अनंत ज्ञान, अर्की। लक्ष्य कान्वेंट स्कूल मनजयाट में नए शैक्षणिक सत्र के लिए छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के छात्र परिषद सदस्यों के औपचारिक चयन एवं दायित्वों के वितरण हेतु किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या डॉ. कुसुम गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्या के प्रेरणादायक संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने नव-निर्वाचित विद्यार्थियों को ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर भास्कर को हेड बॉय तथा अर्चना को हेड गर्ल चुना गया। अन्य जिम्मेदारियों में यूनिटी हाउस कप्तान जीवितेश, यूनिटी हाउस वाइस कप्तान आराध्या, करेज हाउस कप्तान खुशी, करेज हाउस वाइस कप्तान दक्षिता, इंटीग्रिटी हाउस कप्तान स्वस्तिका तथा इंटीग्रिटी हाउस वाइस कप्तान धनिष्ठा शामिल रहे। वहीं कार्तिक को अनुशासन प्रभारी और आदित्य को स्वच्छता प्रभारी नियुक्त किया गया। नव-निर्वाचित छात्र परिषद सदस्यों ने विद्यालय की गरिमा, अनुशासन और मूल्यों को बनाए रखने की शपथ ली। इसी अवसर पर प्रधानाचार्या डॉ. कुसुम गुप्ता ने कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक बैठक भी की, जिसमें विद्यालय की समस्याओं, विद्यार्थियों की चिंताओं और सुधार हेतु सुझावों पर चर्चा की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को खुलकर अपने विचार रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन नव-निर्वाचित छात्र नेताओं को शुभकामनाएं देते हुए और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच हुआ।

नगर परिषद नाहन: भाजपा ने 13 में से 7 सीटों पर दर्ज की जीत

अनंत ज्ञान

जीत के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के साथ खुशी मनाते कार्यकर्ता। • अनंत ज्ञान

एसपी जैरथ, नाहन। जिला सिरमौर के नगर परिषद नाहन, पांवटा साहिब और नगर पंचायत राजगढ़ में हुए शहरी निकाय चुनावों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सिरमौर प्रियंका वर्मा ने बताया कि नगर परिषद नाहन के 13 वार्डों में हुए चुनाव में 31 प्रत्याशियों ने भाग लिया। परिणामों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने 7 वार्डों में जीत दर्ज कर परिषद में बढ़त बनाई। नाहन नगर परिषद के वार्ड नंबर-1 से कपिल गर्ग, वार्ड-2 से नरेंद्र सिंह तोमर, वार्ड-3 से उपमा धीमान, वार्ड-4 से पूजा, वार्ड-5 से सीमा अत्री, वार्ड-6 से योगेश कुमार, वार्ड-7 से राकेश कुमार, वार्ड-8 से संजय चौहान, वार्ड-9 से कौशल्या, वार्ड-10 से वसीम खान, वार्ड-11 से संध्या अग्रवाल, वार्ड-12 से प्रदीप कुमार तथा वार्ड-13 से संजना कौर विजयी घोषित किए गए।

वहीं नगर परिषद पांवटा साहिब और नगर पंचायत राजगढ़ के चुनाव परिणाम भी घोषित कर दिए गए हैं। पांवटा साहिब में 13 वार्डों तथा राजगढ़ में 7 वार्डों के लिए मतदान हुआ था। चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के विरोध में आंदोलन 20 को

अनंत ज्ञान, सोलन। देश में ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के विरोध में 20 मई को केमिस्ट्स और ड्रगिस्ट्स एक दिन की सांकेतिक हड़ताल करेंगे। जिलेभर के मेडिकल स्टोर बंद रखकर केमिस्ट्स आंदोलन का समर्थन करेंगे। यह हड़ताल ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एवं एचपीएसीडीए राज्य केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के आह्वान पर की जा रही है। जिला सोलन के सभी केमिस्ट्स एवं ड्रगिस्ट्स अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री, बिना डॉक्टर की पर्ची दवाएं देने और ऑनलाइन कंपनियों को भारी छूट नीति के खिलाफ विरोध जताएंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन प्रशासन के माध्यम से भेजा जाएगा। इसमें ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियम लागू करने और छोटे केमिस्ट्स के हित बचाने की मांग उठाई जाएगी।

राजगढ़ नगर पंचायत चुनाव में कांग्रेस ने फहराया परचम

अनंत ज्ञान

राजगढ़। नगर पंचायत राजगढ़ चुनाव के परिणाम घोषित हो गए हैं। सात वार्डों में हुए चुनाव में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 वार्डों में जीत हासिल कर अपना परचम लहराया, जबकि भाजपा समर्थित उम्मीदवार केवल 2 सीटों पर ही सिमट गए। चुनाव में कई वार्डों में कांटे की टक्कर देखने को मिली। खासकर वार्ड नंबर 1, 6 में त्रिकोणीय मुकाबले ने चुनाव को रोचक बना दिया। वार्ड नंबर 1 में नरेंद्र ठाकुर ने 113 वोट प्राप्त कर जीत दर्ज की। उनके प्रतिद्वंद्वी कपिल ठाकुर को 57 और अभिषेक को 39 वोट मिले। वार्ड नंबर 2 में पूरन सिंह ने 117 वोट लेकर कपिल को 27 वोटों से हराया। वार्ड 3 में बिमला कश्यप ने अनुप रायटा को मात्र 10 वोटों के अंतर से शिकस्त दी। वार्ड 4 से ज्योति सहानी ने 139 वोट हासिल कर एकता वर्मा को पराजित किया, जबकि वार्ड 5 में रीना कुमारी ने 51 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। वार्ड 6 में विक्रम ठाकुर ने त्रिकोणीय मुकाबले में जीत हासिल की। वहीं वार्ड 7 में राकेश ठाकुर ने 78 वोटों के बड़े अंतर से विजय प्राप्त की।

सोलन में बढ़ा गर्मी का पारा तेज धूप से लोग हुए बेहाल

अनंत ज्ञान

सोलन। पिछले दो दिनों से सोलन में लगातार पड़ रही तेज धूप और बढ़ते तापमान ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। खासकर स्कूली बच्चों और अभिभावकों को दोपहर के समय गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। तेज धूप के कारण दिन के समय शहर की सड़कें भी काफी हद तक सुनसान दिखाई दीं और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। आज सोलन का अधिकतम तापमान करीब 33 से 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 18 से 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम साफ रहने और धूप तेज रहने की संभावना जताई गई है। दोपहर के समय बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही कम देखने को मिली। स्कूल से लौटते बच्चों और उनके अभिभावकों को गर्म हवाओं और तेज धूप के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने गर्मी से राहत पाने के लिए ठंडे पेय पदार्थों और छांव का सहारा लिया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को गर्मी से बचाव के लिए सतर्क रहने की सलाह दी है।

गर्मी से बचने के लिए अपनाएं ये उपाय

दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच तेज धूप में निकलने से बचें। पर्याप्त मात्रा में पानी और तरल पदार्थ का सेवन करें। हल्के रंग और सूती कपड़े पहनें। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। बाहर निकलते समय छाता, टोपी या सनग्लास का उपयोग करें। ज्यादा तला-भुना भोजन खाने से बचें और ताजे फलों का सेवन करें। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी तापमान में बढ़ोतरी जारी रह सकती है, ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

सोलन में 58.32 प्रतिशत मतदान, वार्ड तीन में सबसे अधिक 67.09 फीसदी वोटिंग

कुल 34147 मतदाताओं में से 19914 ने किया मतदान

अनंत ज्ञान

सोलन। शहरी निकाय निर्वाचन-2026 के अंतर्गत नगर निगम सोलन में कुल 58.32 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कुल 34,147 मतदाताओं में से 19,914 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें 17,273 पुरुष मतदाताओं में से 10,027, 16,873 महिला मतदाताओं में से 9,886 तथा 01 अन्य मतदाता शामिल रहा। कुल मिलाकर पुरुषों का मतदान प्रतिशत 58.05 तथा महिलाओं का 58.59 रहा, जो लगभग समान भागीदारी को दर्शाता है।

वार्डवार आंकड़ों के अनुसार मतदान प्रतिशत में काफी भिन्नता देखने को मिली। सबसे अधिक मतदान वार्ड नंबर-03 कथेड़ (67.09 प्रतिशत), वार्ड नंबर-13 कलीन (65.78 प्रतिशत), वार्ड नंबर-14 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी (64.29 प्रतिशत), वार्ड नंबर-04 चम्बाघाट सलोगड़ा (62.92 प्रतिशत) तथा वार्ड नंबर-07 टोडो ग्राउंड (62.47 प्रतिशत) में दर्ज किया गया। इसके विपरीत वार्ड नंबर-17 बसाल पति कथेड़ (48.86 प्रतिशत), वार्ड नंबर-01 देहूंघाट सपरून (53.83 प्रतिशत) तथा वार्ड नंबर-11 डिग्री कॉलेज (54.75 प्रतिशत) में अपेक्षाकृत कम मतदान रहा।

लिंग आधारित मतदान पैटर्न में भी विविधता देखने को मिली। वार्ड नंबर-06 जवाहर पार्क में महिला मतदान प्रतिशत (66.18) पुरुषों (49.36) की तुलना में काफी अधिक रहा, जो महिला मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। वहीं कई वार्डों जैसे कलीन, हाउसिंग बोर्ड और रबौण आंजी में पुरुष और महिला मतदान लगभग समान या संतुलित रहा। कुछ क्षेत्रों में पुरुष मतदान थोड़ा अधिक रहा, जैसे कथेड़ और शिल्ली रोड।

वार्डवार विस्तृत आंकड़ों से स्पष्ट है कि शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं की भागीदारी मिश्रित रही, लेकिन अधिकांश वार्डों में मतदान 55 से 65 प्रतिशत के बीच रहा, जो कुल मिलाकर संतोषजनक माना जा सकता है। कुल 17 वार्डों में से कुछ वार्डों ने उच्च मतदान दर्ज कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति जागरूकता दिखाई, जबकि कुछ क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम मतदान ने सुधार की आवश्यकता भी दर्शाई।

कुल मिलाकर नगर निगम सोलन के चुनावों में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी ने स्थानीय लोकतंत्र को मजबूती प्रदान की है। यह रुझान भविष्य में शहरी निकायों के प्रति नागरिकों की बढ़ती रुचि और सहभागिता को दर्शाता है।

गुगाघाट स्कूल के छात्रों को बांटी कॉपियां और जूते

अनंत ज्ञान, कसौली। स्टूडेंट वेलफेयर सोसायटी सोलन के द्वारा राजकीय माध्यमिक पाठशाला गुगाघाट में जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूल की कॉपियां, पेन पेंसिल सैट व स्कूल के जूते तथा मिठाई का वितरण किया गया। स्कूल के विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही मनमोहक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया व भाषण तथा खेल प्रतियोगिता का भी बहुत सुंदर ढंग से आयोजन किया गया। स्टूडेंट वेलफेयर सोसाइटी की तरफ से सोसाइटी के मुख्य संस्थापक सदस्य व संरक्षक डॉक्टर एमआर लांबा, प्रधान अशोक ग्रोवर, महासचिव आरपी राणा, कोषाध्यक्ष शिव कुमार चावला, उपप्रधान संतोष भल्ला, उप सचिव बलवंत सिंह, सदस्य ओपी बंसल एवं उनकी पुत्रवधू प्रियंका बंसल व इंजीनियर दिनेश गुप्ता शामिल हुए। प्राथमिक स्कूल के मुख्य अध्यापक एलआर शर्मा व सहयोगी अध्यापक मोहित पुरी व नीलम और सचिन का बहुत सहयोग रहा।

एफएचएसएमयूएन 2026 में पाइनग्रोव स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

शोध कौशल; कूटनीति, वाद-विवाद में मनवाया लोहा, मिले प्रतिष्ठित पुरस्कार

अनंत ज्ञान

सोलन। पाइनग्रोव स्कूल के एमयूएन प्रतिनिधिमंडल ने स्ट्रॉबेरी फील्ड हाई स्कूल द्वारा आयोजित एफएचएसएमयूएन 2026 में गर्वपूर्वक भाग लिया, जिसमें 24 प्रतिष्ठित स्कूलों के 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। धर्मपुर और सुबाथू परिसरों के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल में 16 छात्र शामिल थे, जिन्होंने पूरे सम्मेलन के दौरान असाधारण आत्मविश्वास, कूटनीति, शोध कौशल और वाद-विवाद में उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने स्कूल को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार दिलाए, जिनमें से प्रत्येक उच्च प्रशंसा पुरस्कार विजेता को 4000 का नकद पुरस्कार भी मिला। पुरस्कार विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं:-उच्च प्रशंसा: कृत्य सिकरी, अथर्व काल्टा, अंगद वर्मा, राव्या गर्ग विशेष उल्लेख: प्रथम महाजन, रेवा कश्यप, युव महाजन, विशेष उल्लेख: आरुष गर्ग प्रतिनिधिमंडल की उल्लेखनीय उपलब्धियां पाइनग्रोव स्कूल की अपने छात्रों में नेतृत्व क्षमता, बौद्धिक जिज्ञासा और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

सनवारा टोल प्लाजा के पास दोस्तों में झड़प धर्मपुर थाना में केस दर्ज

अनंत ज्ञान, सोलन। जीरकपुर से कसौली घूमने आ रहे दोस्तों के बीच रास्ते में किसी बात को लेकर खूनी झड़प हो गई। इसमें एक दोस्त ने इसकी शिकायत पुलिस को दी है। धर्मपुर पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जानकारी के अनुसार शिकायत में पंचकूला निवासी साहिल राणा ने बयान दर्ज करवाया कि वह अपने दोस्तों के साथ अलग-अलग गाड़ियों में कसौली आ रहा था। जब वे सनवारा टोल प्लाजा के पास पहुंचे, तो साहिल की अपनी ही गाड़ी में बैठे दोस्त रोबिन के साथ किसी बात को लेकर बहस हो गई। इसी बीच पीछे से दूसरी गाड़ी में सवार उनका अन्य दोस्त निखिल भी वहां पहुंच गया। कार से उतरकर पार्थ उर्फ सानिध्य ने रोबिन के साथ मिलकर साहिल की पिटाई कर दी, जिससे उसे चोटें आई हैं। उधर, इस मामले की एसपी सोलन टीएसडी वर्मा ने मामले की पुष्टि की है।

छात्रों को इंटर्नशिप, रिसर्च और नवाचार के नए अवसर देगा शूलिनी-एंटियर समझौता

शूलिनी विवि और एंटियर सॉल्यूशंस में एआई पर एमओयू

अनंत ज्ञान

सोलन। शूलिनी विश्वविद्यालय और एंटियर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (एलएलएम), ब्लॉकचेन और शिक्षा आधारित नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य उद्योग और शिक्षा जगत के बीच मजबूत संबंध स्थापित करना तथा छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए नए अवसर सृजित करना है।

एमओयू पर शूलिनी विश्वविद्यालय में नवाचार एवं एआई के अध्यक्ष तथा योगानंद स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर और डेटा साइंस के निदेशक प्रोफेसर आशीष खोसला और एंटियर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगा और भविष्य में विशेष परियोजनाओं एवं नवाचार कार्यक्रमों के लिए इसे आगे भी बढ़ाया जा सकेगा। इस सहयोग के तहत एआई, एलएलएम, ब्लॉकचेन और संबंधित तकनीकों में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं चलाई जाएंगी। साथ ही छात्रों के लिए इंटर्नशिप, प्लेसमेंट, कार्यशालाएं, सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय और कंपनी मिलकर नई तकनीकों पर आधारित नवाचार और बौद्धिक संपदा विकास पर भी कार्य करेंगे।

नवाचार और एआई को लेकर एमओयू हस्ताक्षर करते अधिकारी। • अनंत ज्ञान

> शिक्षा का भविष्य अकादमिक उत्कृष्टता और तकनीकी नवाचार के संगम में निहित है। यह साझेदारी छात्रों को अत्याधुनिक तकनीकों से जोड़ने और उन्हें भविष्य के करियर के लिए तैयार करने में सहायक होगी।
>
> **आशीष खोसला, प्रोफेसर**

> एआई और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकें तेजी से दुनिया को बदल रही हैं। उम्मीद है कि यह सहयोग व्यावहारिक शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को नई दिशा देगा।
>
> **विक्रम सिंह, प्रबंध निदेशक एंटियर सॉल्यूशंस**

व्यक्तिगत छवि और प्रभाव रहा प्रत्याशियों की जीत का आधार

नगर निकाय चुनावों के नतीजों से स्थानीय राजनीति में बने नए समीकरण

अनंत ज्ञान

राजेश शर्मा, ऊना। जिला ऊना के नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के ताजा नतीजों ने स्थानीय राजनीति में नए समीकरण खड़े कर दिए हैं। चुनाव परिणामों में भाजपा ने 6 में से 4 नगर निकायों पर बढ़त बनाते हुए अपना दबदबा कायम किया है, जबकि कांग्रेस को दो निकायों में सफलता मिली है। खास बात यह रही कि उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के प्रभाव क्षेत्र माने जाने वाले टाहलीवाल में भी भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने जीत दर्ज कर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है।

ऊना जिले में नगर निकाय चुनाव में जीत हासिल करने वाले प्रत्याशी।

नगर निकाय चुनावों में यह साफ देखने को मिला कि प्रत्याशियों की व्यक्तिगत छवि और स्थानीय प्रभाव जीत का बड़ा आधार बने। कई वार्डों में उम्मीदवार एकतरफा मुकाबलों में विजयी रहे, जिससे यह संकेत मिला कि मतदाताओं ने स्थानीय समीकरणों और व्यक्तिगत संपर्क को अधिक महत्व दिया। चुनाव परिणामों में सत्ता विरोधी लहर या किसी एक दल की व्यापक लोकप्रियता जैसा स्पष्ट प्रभाव नजर नहीं आया। भाजपा ने मैहतपुर-बसदेहड़ा, संतोषगढ़, गगरेट और टाहलीवाल नगर निकायों में बढ़त हासिल कर जीत का दावा किया है। वहीं अंब और दौलतपुर चौक में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाई। संतोषगढ़ नगर परिषद के 9 वार्डों में से 6 में भाजपा समर्थित उम्मीदवार विजयी रहे, जबकि 3 वार्ड कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों के खाते में गए।

मैहतपुर-बसदेहड़ा में भी भाजपा को बढ़त मिली है। यहां 9 वार्डों में से 4 पर भाजपा समर्थित उम्मीदवार जीते, जबकि कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों ने 3 सीटों पर जीत दर्ज की। दो वार्डों में भाजपा के बागी उम्मीदवारों की जीत ने भी पार्टी की स्थिति को मजबूत किया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर भी भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की दावेदारी मजबूत बनी हुई है।
सबसे अधिक चर्चा टाहलीवाल नगर पंचायत के परिणामों को लेकर रही। यह क्षेत्र उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की विधानसभा हरोली का हिस्सा माना जाता है। यहां भाजपा समर्थित 5 उम्मीदवार विजयी रहे, जबकि कांग्रेस को केवल 2 सीटों पर संतोष करना पड़ा। हालांकि नगर निकाय चुनाव पार्टी सिंबल पर नहीं लड़े जाते, इसलिए आने वाले समय में राजनीतिक समर्थन के समीकरण बदलने की संभावनाएं भी बनी हुई हैं।

परिणाम आने के बाद ऊना सदर से विधायक एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सत्ती ने कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मनाया। ढोल-नगाड़ों और नारेबाजी के बीच कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की। सतपाल सत्ती ने कहा कि यह जीत पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने दावा किया कि जनता ने कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ मतदान किया है और आने वाले समय में भाजपा और मजबूत होकर उभरेगी।

वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन चुनाव परिणामों से भाजपा को मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली है, जबकि कांग्रेस को अंब और दौलतपुर में मिली जीत से कुछ राहत जरूर मिली है। स्थानीय स्तर पर इन नतीजों को भविष्य की राजनीति और आगामी चुनावी रणनीतियों के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

गेहूं की पैदावार घटी पर अच्छे दाम मिलने से किसानों को राहत

अनंत ज्ञान, ऊना। ऊना जिले में इस बार गेहूं की पैदावार अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही, लेकिन किसानों को फसल के अच्छे दाम मिलने से काफी राहत मिली है। निजी व्यापारी गांव-गांव पहुंचकर किसानों से सीधे गेहूं खरीद रहे हैं। जिले में व्यापारी 2650 से 2700 रुपये प्रति क्विंटल तक गेहूं खरीद रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार की ओर से इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। एमएसपी के आसपास या उससे अधिक कीमत मिलने और घर-द्वार पर खरीद सुविधा मिलने से किसान इसे फायदे का सौदा मान रहे हैं। जानकारी के अनुसार जिले में सरकारी खरीद सीमित होने के कारण निजी व्यापारी किसानों से सीधे संपर्क कर रहे हैं। खरीदी गई गेहूं को बड़े उद्योगों, आटा मिलों और दाना मंडियों में भेजा जा रहा है। किसानों का कहना है कि पहले फसल बेचने के लिए मंडियों तक जाना पड़ता था, जिससे वाहन किराया, मजदूरी और समय की अतिरिक्त लागत लगती थी। अब व्यापारी गांवों में पहुंचकर सीधे खरीद कर रहे हैं, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत हो रही है। किसान राजीव कुमार, राज कुमार, सतपाल, नीरज कुमार, रमन सैनी, अनिल कुमार और राकेश स्याल ने बताया कि इस बार मौसम की मार के कारण गेहूं की पैदावार प्रभावित हुई है। कई क्षेत्रों में बारिश और तापमान में उतार-चढ़ाव का असर फसल पर देखने को मिला। इसके बावजूद खुले बाजार में अच्छे दाम मिलने से किसानों की लागत निकल आई है और उन्हें आर्थिक राहत महसूस हो रही है।

ज्ञानी बाबा ने होनहार विद्यार्थी किए सम्मानित

वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल सिंगा को स्मार्ट बोर्ड देने की घोषणा

दसवीं और बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

टाहलीवाल। हरोली उपमंडल के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिंगा में दसवीं और बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान गुरदेव सिंह उर्फ ज्ञानी बाबा द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। बारहवीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा कोमल को 2100 रुपए, द्वितीय स्थान पर रही सिमरन को 1100 रुपए तथा तृतीय स्थान हासिल करने वाली साक्षी को 1100 रुपए की राशि देकर सम्मानित किया गया। वहीं दसवीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कीर्ति

◆ **12वीं में प्रथम स्थान पाने वाली कोमल को दिए 2100 रुपए**

को 2100 रुपये, द्वितीय स्थान पर रही पल्लवी को 1100 रुपये तथा तृतीय स्थान हासिल करने वाली रितिका को 1100 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।
इस अवसर पर ज्ञानी बाबा ने कहा कि पिछले वर्ष विद्यार्थियों को दी जाने वाली सम्मान राशि कम थी, लेकिन इस बार इसे दोगुना कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य बच्चों को प्रोत्साहित करना है ताकि अन्य विद्यार्थी भी उनसे प्रेरणा लेकर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ें और अपने माता-पिता व क्षेत्र का नाम रोशन करें। विद्यालय के प्रिंसिपल राजिंदर जम्बाल ने स्कूल के लिए एक स्मार्ट बोर्ड की मांग रखी, जिस पर ज्ञानी बाबा ने जल्द ही स्मार्ट बोर्ड उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया।

प्रिंसिपल जम्वाल ने कहा कि दिल से अमीर होना सबसे बड़ी बात है और ज्ञानी बाबा हमेशा विद्यालय के प्रति सेवा भाव रखते हुए बच्चों को प्रोत्साहित करते रहते हैं। उन्होंने बताया कि वह स्वयं भी जिस विद्यालय में कार्यरत रहते हैं, वहां अपने वेतन का 10 प्रतिशत हिस्सा स्कूल के विकास कार्यों और सौंदर्यीकरण पर खर्च करते हैं ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। इस मौके पर अध्यापक राकेश कुमार, आशा देवी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अब ऑनलाइन ट्रैक होंगी जल शक्ति विभाग की सभी फाइलें

जल शक्ति विभाग ऊना में ई-ऑफिस प्रणाली लागू

अनंत ज्ञान

ऊना। जिले में जल शक्ति विभाग ने अपने कामकाज को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तेज बनाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस प्रणाली लागू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत अब विभागीय फाइलें दफ्तरों की अलमारियों या अधिकारियों की टेबलों पर लंबित नहीं रहेंगी, बल्कि उनकी पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संचालित होगी। इससे यह आसानी से पता लगाया जा सकेगा कि कौन-सी फाइल किस अधिकारी के पास कितने समय तक लंबित रही और उसमें देरी का कारण क्या था। ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने के बाद विभाग में फाइल प्रबंधन, ई-नोटिंग, ई-डिस्पैच, पत्राचार प्रक्रिया और दस्तावेजों की डिजिटल ट्रैकिंग पूरी तरह ऑनलाइन होगी। अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर फाइलों पर कार्रवाई करनी होगी। यदि किसी स्तर पर फाइल रोकी जाती है, तो संबंधित अधिकारी को उसका कारण भी ऑनलाइन दर्ज करना पड़ेगा। इससे विभागीय कार्यों में होने वाली अनावश्यक देरी और लापरवाही पर अंकुश लगने की उम्मीद है। वरिष्ठ अधिकारी अब ऑनलाइन माध्यम से हर फाइल की स्थिति पर नजर रख सकेंगे। अधीक्षण अभियंता नरेश धीमान ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल व्यवस्था लागू होने से विभागीय कार्य क्षमता बढ़ेगी और जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध होंगी।

728 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दी मतदान प्रक्रिया की व्यवहारिक जानकारी

पंचायत चुनाव के लिए आयोजित पूर्वाभ्यास में मतदान प्रक्रिया की विस्तृत और व्यवहारिक जानकारी लेते अधिकारी एवं कर्मचारी। अनंत ज्ञान

पंचायत चुनाव के लिए दूसरे चरण का चुनावी पूर्वाभ्यास आयोजित

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। पंचायती राज संस्थाओं के सामान्य चुनाव-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के उद्देश्य से सोमवार को ऊना कॉलेज में दूसरे चरण का चुनावी पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया। पूर्वाभ्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला पंचायत अधिकारी श्रवण कुमार ने की। इस पूर्वाभ्यास में कुल 728 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया, जिनमें 208 पीठासीन अधिकारी तथा 520 मतदान अधिकारी शामिल रहे। इस दौरान चुनावी ड्यूटी में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतदान प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न चरणों की विस्तृत एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई। जिला पंचायत अधिकारी ने उपस्थित कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं तथा निर्वाचन प्रक्रिया में तैनात प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी की भूमिका अत्यंत अहम होती है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण एवं रिहर्सल के दौरान दी जा रही जानकारी को गंभीरता से ग्रहण करें तथा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, सजगता एवं पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित करें।

मतदाता योग्य प्रतिनिधि चुनें: डॉ. रविंद्र ठाकुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। जन-जागरूकता कल्याण मंच कोट द्वारा मतदाताओं को उनके वोट के महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। मंच के संस्थापक एवं अध्यक्ष तथा राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ. रविंद्र कुमार ठाकुर (पूर्व एचपीएस) ने प्रदेश के मतदाताओं से पंचायत चुनाव में जागरूक होकर मतदान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव हैं और विकसित ग्राम पंचायतें ही देश की खुशहाली सुनिश्चित करती हैं। मतदाताओं को जाति, रिश्तेदारी, धर्म और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर ईमानदार, निष्पक्ष और योग्य उम्मीदवारों का चयन करना चाहिए डॉ. ठाकुर ने कहा कि वही प्रतिनिधि गांव के विकास को नई दिशा दे सकते हैं, जो सरकारी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने और जनता की आवाज सरकार व प्रशासन तक मजबूती से उठाने में सक्षम हों। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने वोट का सही उपयोग कर आदर्श ग्राम पंचायत के निर्माण में भागीदार बनें।

कांग्रेस की गलत नीतियों से जीती भाजपा : पांडेय

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर नगर परिषद चुनाव परिणामों पर विश्व मानव कल्याण संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. तेज प्रताप पांडेय ने भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की जीत उसकी उपलब्धियों के कारण नहीं, बल्कि कांग्रेस की गलत नीतियों और जनता से बढ़ती दूरी का परिणाम है। डॉ. पांडेय ने कहा कि चुनावों में विकास और जनहित के मुद्दों की बजाय शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक समीकरण हावी रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर की समस्याओं को समझने वाले सक्षम लोगों की बजाय राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा कि बिलासपुर शहर ट्रैफिक जाम, पार्किंग, पेयजल, सफाई और बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन चुनाव प्रचार में इन मुद्दों पर कोई गंभीर चर्चा नहीं हुई। डॉ. पांडेय ने चेतावनी दी कि यदि नगर परिषद ने शहर की मूलभूत समस्याओं के समाधान की दिशा में काम नहीं किया तो सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है।

सांस्कृतिक संध्या में गायक मोहित की धूम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर जिले की बम्म घाटी में पांचवें कहलूर उत्सव एवं झंडे वाला मेले की पहली सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्यातिथि रामचंद बरूर ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर लोक गायक मोहित गर्ग ने पहाड़ी-पंजाबी गीतों से समां बांध दिया। बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम से मेले का आगाज हुआ। मुख्यातिथि ने मेलों को ऐतिहासिक परंपरा का प्रतीक बताते हुए स्थानीय व्यापार व युवा कलाकारों को मिलने वाले मंच की सराहना की। मेला प्रबंधन कमेटी के प्रधान कर्म दत्त शर्मा ने बताया कि यह आयोजन पिछले पाँच वर्षों से लगातार हो रहा है। इस दौरान कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक सभा की मासिक बैठक 21 को

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। बिलासपुर जिला की प्रमुख सामाजिक संस्था वरिष्ठ नागरिक सभा की मासिक बैठक वरिष्ठ नागरिक सभागार रौड़ा सैक्टर में 21मई को आयोजित होगी। सभा के महासचिव मस्तराम वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में विभिन्न विषयों पर विचारविमर्श करके निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

इस बार नई टीम के हाथों में होगी बिलासपुर नप की कमान

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। बिलासपुर नगर परिषद चुनाव में इस बार मतदाताओं ने बदलाव पर भरोसा जताया है। 11 वार्डों वाली नगर परिषद में भाजपा ने 9 सीटों पर जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है, जबकि कांग्रेस को केवल 2 सीटों से संतोष करना पड़ा। खास बात यह रही कि भाजपा के जीतकर आए 9 पार्षदों में केवल 2 ही पुराने चेहरे हैं, जबकि बाकी 7 पहली बार नगर परिषद पहुंचे हैं। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि जनता ने नए चेहरों और नई सोच को मौका देने का फैसला किया है।

कांग्रेस की बात करें तो उसके पास आई दो सीटों में भी एक पार्षद पुराना है, जबकि एक नया चेहरा चुनाव जीतकर आया है। ऐसे में इस बार नगर परिषद में पुराने अनुभव और नई ऊर्जा का मिश्रण देखने को मिलेगा।

नगर परिषद अध्यक्ष पद इस बार महिला वर्ग के लिए आरक्षित है। ऐसे में दूसरी बार चुनाव जीतकर नगर परिषद पहुंचीं नरेश कुमारी का नाम अध्यक्ष पद के लिए सबसे मजबूत माना जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में लगभग तय

◆ **भाजपा के 9 पार्षदों में अधिकांश नए चेहरे**

माना जा रहा है कि भाजपा नेतृत्व उन पर भरोसा जता सकता है। नगर परिषद में बड़ी संख्या में नए चेहरों के आने से शहर की राजनीति में भी बदलाव की चर्चा तेज हो गई है। अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि नई टीम शहर की मूलभूत समस्याओं जैसे ट्रैफिक व्यवस्था, पार्किंग, सफाई, पेयजल और विकास कार्यों को लेकर कितना प्रभावी काम कर पाती है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस बार जनता ने पारंपरिक राजनीति से हटकर बदलाव का संदेश दिया है। अब नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों के सामने जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने की बड़ी चुनौती रहेगी।

विधायक रणधीर शर्मा ने जनता का जताया आभार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश नगर परिषद चुनावों में बिलासपुर जिले में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत पर भाजपा नेता व श्री नयना देवी जी के विधायक रणधीर शर्मा ने प्रदेश एवं जिला की जनता का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, भाजपा की जनहितकारी नीतियों और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। रणधीर शर्मा ने कहा कि बिलासपुर जिले की जनता ने नगर परिषद चुनावों में भाजपा के पक्ष में मतदान कर कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल से आम जनता नाराज है और नगर परिषद चुनावों के परिणाम इसका स्पष्ट संकेत हैं। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित पार्षदों एवं भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना अब सभी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। भाजपा सदैव विकास, पारदर्शिता और जनसेवा की राजनीति करती आई है।

भाजपा समर्थित नवनिर्वाचित पार्षदों का अभिनंदन समारोह संपन्न

विधायक त्रिलोक ने नवाजे नवनिर्वाचित पार्षद

अभिनंदन समारोह में विधायक त्रिलोक जम्वाल ने नवनिवार्चित पार्षद सम्मानित किए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर नगर परिषद के भाजपा समर्थित नवनिर्वाचित पार्षदों के सम्मान में जिला भाजपा कार्यालय में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद के सभी 9 नवनिर्वाचित पार्षदों ने भाग लिया, जबकि पार्टी कार्यकर्ता भी भारी संख्या में मौजूद रहे।

समारोह के दौरान नवनिर्वाचित पार्षदों को सम्मानित कर बधाई दी गई। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला और कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी कर जीत का जश्न मनाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि नगर परिषद चुनावों में मिली सफलता जनता के भाजपा पर विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास और जनसेवा की राजनीति के लिए प्रतिबद्ध है तथा नगर परिषद में जनता की अपेक्षाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण लाल चंदेल ने कहा कि यह जीत संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने नवनिर्वाचित पार्षदों से जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

समारोह में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी मनाई। कार्यक्रम के दौरान भाजपा समर्थकों द्वारा 'भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद' और 'मोदी-जय राम' के नारों से जिला कार्यालय गूंज उठा।

घायल गोवंश के लिए सड़क पर लेट गया युवक

'अगर इंसान होता तो क्या प्रशासन तब भी चुप रहता?' घायल गोवंश को लेकर फूटा गुस्सा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर में आवारा और घायल गौवंश की समस्या अब केवल सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि जनआक्रोश का रूप लेने लगी है। कंदरौर पुल पर समाजसेवी सुनील शर्मा के चर्चित 'सड़क लेटो आंदोलन' के बाद अब आम लोग भी सड़कों पर उतरकर विरोध जताने लगे हैं।

सोमवार सुबह घाघस में बिलासपुर मंडी मुख्य मार्ग पर एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने राहगीरों को झकझोर कर रख दिया। सड़क किनारे एक घायल गौवंश दर्द से तड़प रहा था। वाहन गुजरते रहे, लोग देखते रहे, लेकिन मदद के लिए कोई आगे नहीं आया। इसी बीच एक युवक ने ऐसा कदम उठाया जिसने पूरे इलाके में चर्चा छेड़ दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक अचानक घायल गौवंश के पास सड़क पर लेट गया और कहा कि 'जब तक इस बेजुबान की सुध नहीं ली जाती, मैं भी यहीं पड़ा रहूंगा।' तपती सड़क पर युवक का यह विरोध प्रशासनिक व्यवस्था पर सीधा सवाल बनकर सामने आया।

घायल गोवंश के लिए सड़क पर लेटा युवक। अनंत ज्ञान

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यही हालत किसी इंसान की होती तो एंबुलेंस, पुलिस और प्रशासन मिनटों में मौके पर पहुंच जाता, लेकिन गौवंश के मामले में जिम्मेदार विभाग आंखें मूंद लेते हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में घायल गौवंश सड़कों पर तड़पते रहते हैं, लेकिन न तो उनके उपचार की व्यवस्था है और न ही स्थायी संरक्षण की।

घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ लोगों ने युवक को समझाने की कोशिश की, जबकि कई लोग प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते दिखाई दिए। बाद में स्थानीय लोगों ने युवक को अस्पताल पहुंचाया और घायल गोवंश को सुरक्षित स्थान तक ले जाने का प्रयास किया। क्षेत्र में अब यह सवाल जोर पकड़ रहा है कि आखिर कब तक बेजुबान पशु सड़कों पर दम तोड़ते रहेंगे और प्रशासन केवल तमाशबीन बना रहेगा।

देशव्यापी हड़ताल करेंगे दवा विक्रेता 24 घंटे बंद रहेंगी मेडिकल दुकानें

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ कैमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर 19 मई रात्रि 12 बजे से 20 मई रात्रि 12 बजे तक देशभर में अंग्रेजी दवाइयों की दुकानें बंद रहेंगी। इस दौरान कैमिस्ट्स और ड्रगिस्ट्स अपनी मांगों को लेकर 24 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर रहेंगे।

दवा विक्रेता संघ बिलासपुर के अध्यक्ष हेमंत शर्मा ने बताया कि इस आंदोलन का राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ कैमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के अध्यक्ष जे.एस. शिंदे कर रहे हैं, जबकि प्रदेश स्तर पर सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स अलायंस के अध्यक्ष संजीव पंडित इसकी अगुवाई कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि दवा विक्रेताओं की प्रमुख मांगों में ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री पर रोक, 28 अगस्त 2018 के जीएसआर 817 को वापस लेना तथा दवाइयों पर भारी कॉरपोरेट

◆ **आज बंद रहेंगी अंग्रेजी की दवा दुकानें**

◆ **नकली दवाओं के खिलाफ दवा विक्रेताओं का होगा बड़ा आंदोलन**

डिस्काउंट बंद करना शामिल है। उनका कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री के कारण नकली और अवैध दवाओं का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा पैदा हो रहा है।

हेमंत शर्मा ने सरकार से मांग की कि नकली दवाओं के अवैध व्यापार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कड़े कानून लागू किए जाएं तथा 26 मार्च 2020 के कोविड जीएसआर 220 को भी वापस लिया जाए। उन्होंने जिला के लोगों से इस हड़ताल को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि यह आंदोलन केवल दवा विक्रेताओं का नहीं, बल्कि आम जनता की सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है।

चंबा जिले में पंचायतीराज चुनावों के लिए 3813 अधिकारी एवं कर्मचारी होंगे तैनात : उपायुक्त

जिलेभर में सेक्टर, पीठासीन और मतदान अधिकारी नियुक्त

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश रेपसवाल ने जानकारी दी कि जिला चंबा में 26, 28 और 30 मई को तीन चरणों में होने वाले पंचायतीराज चुनावों के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए जिले में कुल 3813 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। इनमें सेक्टर अधिकारी, पीठासीन अधिकारी, सहायक पीठासीन अधिकारी तथा मतदान अधिकारी शामिल हैं। विकास खंडवार तैनाती के अनुसार भरमौर में 464, भटियात में 766, चम्बा में 536, मैहला में 521, पांगी में 295, सलूणी में 632 तथा तीसा में 599 कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी पर लगाया गया है। इस व्यवस्था के तहत मतदान केंद्रों पर पर्याप्त स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है ताकि मतदान प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने आगे बताया कि जिलेभर में कुल 57 सेक्टर अधिकारी, 396 सहायक निर्वाचन अधिकारी, 824 पीठासीन अधिकारी और 2536 मतदान अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन सभी अधिकारियों को चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य है कि पंचायती राज चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हों।

इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं, जिसमें प्रशिक्षण, निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था शामिल है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती मिल सके।

जिले में 411 पंचायत प्रतिनिधि निर्विरोध चुने

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) मुकेश रेपसवाल ने बताया कि जिले में 4 प्रधान, 7 उप प्रधान तथा 400 पंचायत सदस्य निर्विरोध निर्वाचित चुने गए हैं। विकास खंड भरमौर में 1 प्रधान, (पंचायत तुंदाह) 2 उप प्रधान (पंचायत नयाग्रां और गरौंडा) तथा 45 पंचायत सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। विकास खंड भटियात में 96 पंचायत सदस्य, विकास खंड चंबा में 1 उप प्रधान (पंचायत चीलबंगला) तथा 57 पंचायत सदस्य, विकास खंड मैहला में 2 प्रधान (ग्राम पंचायत फागड़ी और भटवाडा), 2 उपप्रधान (पंचायत कुठेड़ और बसौदन) तथा 67 पंचायत सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। विकास खंड पांगी में 21 पंचायत सदस्य, विकास खंड सलूणी में 1 प्रधान, 1 उप प्रधान तथा 61 पंचायत सदस्य और विकास खंड तीसा में 1 उप प्रधान ग्राम पंचायत दियोला तथा 53 पंचायत सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

नप चंबा में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों का परचम, छह सीटों पर किया है कब्जा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। नगर परिषद चंबा के चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने के बाद आए परिणामों ने शहर की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। चुनावी मुकाबले में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल छह सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी मजबूत पकड़ साबित की, जबकि भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को पांच सीटों पर सफलता मिली। परिणाम सामने आते ही पूरे शहर में राजनीतिक चर्चाओं का दौर तेज हो गया और समर्थकों में जश्न का माहौल देखने को मिला।

सुबह से ही मतगणना केंद्र के बाहर समर्थकों की भारी भीड़ जुटी रही। जैसे-जैसे परिणाम घोषित होते गए, वैसे-वैसे प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की धड़कनें भी तेज होती रहीं। कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों की जीत के बाद समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ खुशी मनाई और मिठाइयां बांटकर जीत का जश्न मनाया। वहीं भाजपा खेमे ने भी अपने प्रदर्शन को संतोषजनक बताते हुए इसे जनता का समर्थन करार दिया। चुनाव परिणामों के बाद अब नगर परिषद के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां और तेज होने की संभावना है। शहर में इस बात को लेकर चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं कि आगामी परिषद गठन में किस दल का प्रभाव अधिक रहेगा और शहर के विकास की दिशा किस ओर जाएगी। प्रशासन की ओर से पूरे चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाया गया। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच मतदान से लेकर मतगणना तक सभी कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए गए। चुनाव परिणामों ने यह साफ कर दिया है कि नगर परिषद चंबा की राजनीति में मुकाबला बेहद कांटे का रहा, लेकिन अंततः कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार बढ़त बनाने में सफल रहे।

जीत के जश्न में डूबा चंबा, विजयी पार्षदों का जोरदार स्वागत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, चंबा। नगर परिषद चुनाव परिणाम घोषित होते ही जिला मुख्यालय चंबा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच उत्साह का माहौल देखने को मिला। चंबा सदर विधायक नीरज नैय्यर के आवास पर जीत का भव्य जश्न मनाया गया, जहां कांग्रेस समर्थित विजयी पार्षदों का ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और जोरदार नारों के साथ स्वागत किया गया। जीत की खुशी में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर विधायक नीरज नैय्यर ने विजयी पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि नगर परिषद चुनाव में जनता ने विकास, पारदर्शिता और जनसेवा की राजनीति पर अपना विश्वास जताया है।

बीडीसी की सैलरी तक छोड़ने को तैयार युवा उम्मीदवार राकेश ठाकुर

अनंत ज्ञान, चंबा। पंचायत राड़ी, भटवाड़ा, प्रीना एवं गांण क्षेत्र में इस बार बीडीसी चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल पूरी तरह बदलता नजर आ रहा है। क्षेत्र से बीडीसी पद के उम्मीदवार राकेश ठाकुर अपने अलग अंदाज और जनसेवा के संकल्प के कारण लगातार चर्चा में बने हुए हैं।

'हर घर से पुकार, परिवर्तन का नया दौर' के नारे के साथ चुनाव मैदान में उतरे राकेश ठाकुर ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि यदि जनता उन्हें बीडीसी सदस्य चुनती है तो वे अपनी पूरी बीडीसी सैलरी नहीं लेंगे और उसे जरूरतमंदों की सहायता एवं जनहित कार्यों में समर्पित करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और युवाओं को मार्गदर्शन देना है।

भाजपा का 'गढ़' ढहा, चंबा-डलहौजी-चुवाड़ी में जनता ने दिया बदलाव का जनादेश : मनीष

अनंत ज्ञान

◆ **नगर निकाय चुनावों में जनता ने कांग्रेस सरकार की नीतियों पर भरोसा जताया**

राहुल सहगल, चंबा। डलहौजी विधानसभा क्षेत्र से 2022 के पूर्व प्रत्याशी एवं सामाजिक कार्यकर्ता मनीष सरीन ने चंबा जिले के नगर निकाय चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह परिणाम जनता की ओर से दिया गया स्पष्ट राजनीतिक संदेश है। उन्होंने दावा किया कि नगर परिषद चंबा, नगर परिषद डलहौजी और नगर पंचायत चुवाड़ी में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की पराजय इस बात का संकेत है कि जनता अब 'जुमलों और प्रचार की राजनीति' से ऊब चुकी है।

मनीष सरीन ने कहा कि जिन क्षेत्रों को भाजपा अपना मजबूत गढ़ मानती थी, वहीं मतदाताओं ने उसे नकार दिया है। उन्होंने इसे केवल स्थानीय निकाय चुनाव का परिणाम नहीं, बल्कि महंगाई, बेरोजगारी, विकास कार्यों की धीमी गति और संस्थाओं के राजनीतिक उपयोग के खिलाफ जनमत बताया। उन्होंने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू के नेतृत्व में प्रशासनिक पारदर्शिता और जनकल्याण की दिशा में किए गए प्रयासों का असर अब जमीन पर दिखने लगा है। सरीन के अनुसार भाजपा केवल प्रचार और ध्रुवीकरण की राजनीति तक सीमित रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि चंबा और डलहौजी जैसे क्षेत्रों में लोग अब सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल और रोजगार जैसे मूलभूत मुद्दों पर वोट कर रहे हैं, जिनमें भाजपा विफल रही है। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों और जीएसटी, महंगाई तथा ईंधन की बढ़ती कीमतों को भी हिमाचल की अर्थव्यवस्था पर असर डालने वाला बताया। सरीन ने कहा कि नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों का बेहतर प्रदर्शन यह दर्शाता है कि भाजपा की 'डबल इंजन' राजनीति का प्रभाव कम हो रहा है। उन्होंने इसे 2027 विधानसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत बताया। अंत में उन्होंने सभी विजयी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे स्थानीय निकायों में पारदर्शी और जनहितकारी कार्य करेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार 17 मई को हुए मतदान में 69 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया था, जो शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

गुंआं में 'जर्जर कला मंच' दे रहा हादसे को न्योता, बना खतरा

अनंत ज्ञान, देशराज कश्यप, धरवाला। शिक्षा खंड मैहला के अंतर्गत पड़ती राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गुंआं में बच्चों की सुरक्षा राम भरोसे विद्यालय परिसर के ठीक सामने बना कला मंच बेहद जर्जर वह जानलेवा बन चुका है कला मंच की दीवारों पर बड़ी-बड़ी दरारें साफ देखी जा सकती हैं। एक ओर जहां विद्यालय में होने वाले सभी कार्यक्रम व वार्षिक समारोह सहित विद्यालय में होने वाले अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम मजबूरन इसी 'जर्जर' कला मंच पर करवाए जाते हैं वहीं दूसरी ओर विद्यालय पहुंचने वाले बच्चों सहित दर्जनों गांव के राहगीर भी कला मंच के नीचे से होकर गुजरते हैं ऐसे में न सिर्फ स्कूली बच्चों को बल्कि राहगीरों को भी बेहद खतरा बना हुआ है। विद्यालय समिति के अध्यक्ष पूर्ण सिंह का कहना है कि 'जर्जर' कला मंच को लेकर वह कई बार सभी दस्तावेज संबंधित विभाग में जमा करवा चुके हैं बावजूद उसके भी कोई कार्रवाई अब तक नहीं हुई है। वहीं विद्यालय समिति के अध्यक्ष पूर्ण सिंह ने बताया कि एपीएमसी के अध्यक्ष ललित ठाकुर ने उन्हें आश्वास्त किया है कि 15 अगस्त का झंडा नव निर्मित कला मंच के ऊपर ही फैलाया जाएगा।

पंचायतीराज चुनाव को लेकर 533 कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

निष्पक्ष व सुचारु चुनाव संचालन के लिए प्रशासन ने करवाया अभ्यास। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव-2026 के सफल एवं सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज विकास खंड चंबा में निर्वाचन पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया।

यह पूर्वाभ्यास राजकीय महाविद्यालय चम्बा के सभागार में संपन्न हुआ, जिसमें निर्वाचन ड्यूटी में तैनात मतदान कर्मियों को चुनाव प्रक्रिया संबंधी आवश्यक प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। पूर्वाभ्यास के दौरान कुल 533 मतदान कर्मियों ने भाग लिया, जिनमें 131 पीठासीन अधिकारी तथा 402 मतदान अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपमंडलाधिकारी(ना) चंबा प्रियांशु खाती, निर्वाचन अधिकारी (पं) व खंड विकास अधिकारी महेश चंद, पंचायत इंस्पेक्टर ुलदीप सिंह व प्रवक्ता कंप्यूटर साइंस डाइट सरु इमरान द्वारा मतदान कर्मियों को निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न चरणों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान मतदान कर्मियों को बैलेट पेपर आधारित निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान सामग्री के उपयोग, मतदाता पहचान, मतपेटियों के संचालन तथा मतदान केंद्रों पर अपनाई जाने वाली व्यवस्थाओं संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान करने के साथ व्यावहारिक अभ्यास भी करवाया गया।

पेट्रोल-डीजल मूल्य वृद्धि और नीट पेपर लीक के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

अनंत ज्ञान

हिसार। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल एवं डीजल की बढ़ी हुई कीमतों तथा नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण को लेकर सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया और उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने सोमवार को कहा कि देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में शामिल नीट परीक्षा का पेपर लीक होना देश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। इस घटना ने लगभग 22 लाख विद्यार्थियों और उनके परिवारों के विश्वास को गहरा आघात पहुंचाया है। बार-बार प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं सामने आना इस बात का प्रमाण है कि देश में संगठित पेपर लीक माफिया सक्रिय है, जो युवाओं के सपनों को कुचलने का काम कर रहा है। ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त और उदाहरणात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। बृजलाल बहबलपुरिया ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी पर भी भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने एक बार फिर आम जनता पर महंगाई का बोझ डालने का काम किया है। पेट्रोल, डीजल एवं सीएनजी की

◆ **नीट पेपर लीक और महंगाई ने युवाओं व आमजन को निराश किया : बृजलाल बहबलपुरिया**

कीमतों में वृद्धि का सीधा असर परिवहन, कृषि, उद्योग तथा रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं पर पड़ता है।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर 10 कर्मियों पर एफआईआर

अनंत ज्ञान, गुरुग्राम। राष्ट्रीय जनगणना 2027 कार्य में लापरवाही बरतने और सरकारी आदेशों की अवहेलना करने वाले 10 कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। गुरुग्राम थाना शहर में सरकारी कार्य में बाधा और जनगणना ड्यूटी नहीं निभाने के आरोपों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। नगर निगम गुरुग्राम के चार्ज ऑफिसर कम जोनल टैक्सेशन ऑफिसर राजेश यादव और दिनेश कुमार द्वारा अलग अलग शिकायत दर्ज कराई गई। जिसमें बताया गया कि संबंधित कर्मचारियों को 29 एवं 30 अप्रैल 2026 को जनगणना 2027 के लिए एन्यूमरेटर नियुक्त किया गया था और उन्हें हाउस लिस्टिंग ब्लॉक आवंटित किए गए थे। शिकायत में कहा गया है कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा 17 मई को समीक्षा किए जाने पर पाया गया कि पर्याप्त समय बीत जाने के बावजूद संबंधित कर्मचारियों ने अपने आईएएलओ एप आईडी में एक भी एंट्री नहीं की। इसे राष्ट्रीय जनगणना कार्य के प्रति गंभीर लापरवाही और सरकारी आदेशों की जानबूझकर अवहेलना माना गया है। कर्मचारी संदीप, हंसराज, कुलदीप, राजेश कुमार, रविता यादव, जगमति, सुनील कुमार, डेजी शर्मा, सुनील कुमार और अमित कुमार के नाम शामिल हैं। शिकायत के अनुसार ये सभी कर्मचारी जनगणना प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे तथा बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद कार्य शुरू नहीं किया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि कर्मचारियों की लापरवाही के कारण जनगणना कार्य की तैयारियों और संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। साथ ही इसे सरकारी कार्य में बाधा और सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन में विफलता माना गया है।

ऑनलाइन नामांकन लागू नहीं करने पर पंजाब चुनाव आयुक्त घिरे, हाई कोर्ट ने जारी किया अवमानना नोटिस

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब में स्थानीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों के दौरान नामांकन प्रक्रिया में हिंसा, अव्यवस्था और उम्मीदवारों के साथ कथित उत्पीड़न के मुद्दे पर दायर जनहित याचिका अब अवमानना कार्रवाई तक पहुंच गई है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पंजाब के राज्य चुनाव आयुक्त राज कुमार चौधरी (आईएएस सेवानिवृत्त) को नोटिस जारी हुआ है।

उन्हें ये नोटिस अदालत के आदेशों की कथित जानबूझकर अवहेलना के मामले में जारी कर जवाब तलब किया है। यह आदेश जस्टिस विकास बहल की अदालत ने अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया। याचिका हाई कोर्ट के वकील निखिल थम्मन ने दायर की है। अदालत ने नोटिस जारी करते हुए राज्य चुनाव आयुक्त से पूछा है कि पूर्व आदेशों का पालन न करने पर उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। मामले की अगली सुनवाई 27 मई 2026 तय की गई है।

वैकल्पिक ऑनलाइन नामांकन प्रणाली की मांग

याचिकाकर्ता का आरोप है कि पंजाब में नगर निगम, नगर परिषदों और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों के लिए वैकल्पिक ऑनलाइन नामांकन प्रणाली लागू करने संबंधी उनकी प्रतिनिधित्व याचिका पर हाई कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद निर्धारित समयसीमा में निर्णय नहीं लिया गया। इससे अदालत के आदेशों की अवहेलना हुई। दरअसल, इससे पहले दायर जनहित याचिका में निखिल थम्मन ने स्थानीय चुनावों में नामांकन दाखिल करने के दौरान बार-बार सामने आने वाली हिंसा, नामांकन पत्र फाड़ने, उम्मीदवारों को शारीरिक रूप से रोकने, धमकाने और चुनावी अराजकता की घटनाओं को मुद्दा बनाया था।

60 दिनो में निर्णय लेने के दिए थे आदेश

याचिका में मांग की गई थी कि भारत निर्वाचन आयोग की 'सुविधा' प्रणाली की तर्ज पर पंजाब में भी वैकल्पिक ऑनलाइन नामांकन पोर्टल शुरू किया जाए, ताकि जमीनी लोकतंत्र को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और भयमुक्त बनाया जा सके। 6 फरवरी 2026 को मुख्य न्यायाधीश शील नागू और जस्टिस संजीव बेरी की खंडपीठ ने राज्य चुनाव आयोग को 14 दिसंबर 2025 की प्रतिनिधित्व याचिका पर 60 दिनों के भीतर स्पीकिंग ऑर्डर पारित कर निर्णय लेने और उसे याचिकाकर्ता को सूचित करने का निर्देश दिया था। अब याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि स्पष्ट न्यायिक आदेश के बावजूद आयोग ने समयसीमा के भीतर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की, जिससे उन्हें अवमानना याचिका दायर करनी पड़ी।

कनाडा में चार पंजाबी युवक गिरफ्तार फिरौती और अपहरण के मामले पकड़े

एजेंसी, जालंधर

◆ **एक कारोबारी को बनाया था निशाना**

कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में फिरौती और अपहरण के एक बड़े मामले में कैलगरी पुलिस ने भारतीय मूल के 4 पंजाबी युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरोह का कथित मास्टरमाइंड अब भी फरार है। पुलिस ने इस पूरे मामले को दक्षिण एशियाई समुदाय को निशाना बनाकर रची गई सुनियोजित फिरौती साजिश बताया है।

पुलिस के अनुसार 6 मई की शाम एडमोंटन शहर से एक दक्षिण एशियाई युवक का बंदूक की नोक पर अपहरण किया गया। आरोपियों ने युवक को कार में बंधक बनाकर कैलगरी पहुंचाया और उसे अपने कारोबारी दोस्त को घर से बाहर बुलाने के लिए मजबूर किया। कारोबारी ही गिरोह का असली निशाना था।

जब पीड़ित युवक ने अपने दोस्त को बुलाने से इनकार कर दिया तो आरोपियों ने उसके साथ कार के भीतर बेरहमी से मारपीट की। इसी दौरान कारोबारी अपनी पत्नी के साथ घर से बाहर निकला तो आरोपियों ने उनका पीछा किया और बीच सड़क पर बंदूक तान दी। दंपती किसी तरह जान बचाकर वापस घर में घुस गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस की हलचल बढ़ती देख आरोपी पीड़ित युवक को वापस एडमोंटन ले गए और अगली सुबह उसके घर के पास छोड़कर फरार हो गए। बाद में पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। कैलगरी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवकों की पहचान तरनवीर सिंह (24), दक्ष गौतम (25), आकाशदीप सिंह (18) और प्रदीप सिंह (24) के रूप में हुई है।

पुलिस ने इनके कब्जे से अवैध हथियार भी बरामद किया है। मामले का मुख्य आरोपी गगनदीप सिंह (29) अभी फरार है। पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी है और उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी कनाडा के नागरिक नहीं हैं। कुछ आरोपी एक्सपायर्ड वर्क वीजा और कुछ शरणार्थी दावे के आधार पर कनाडा में रह रहे थे।

सांसद सुभाष बराला ने गांवों को दी करोड़ों की विकास परियोजनाओं की सौगात

बस स्टैंड व ग्राम सचिवालय किए समर्पित

अनंत ज्ञान

फतेहाबाद। राज्य और केन्द्र सरकार गांवों को आधुनिक सुविधाओं से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी शहरों जैसी मूलभूत एवं आधुनिक सुविधाएं अपने गांव में ही उपलब्ध हों, ताकि ग्रामीण जीवन अधिक सुगम, सुविधाजनक और आत्मनिर्भर बन सके।

यह बात राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने सोमवार को पंचायत फंड स्कीम के अंतर्गत गांव मुंदलिया और दमकौरा में विभिन्न जनहितकारी विकास परियोजनाओं के उद्घाटन अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने गांव मुंदलिया में लगभग 19 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित बस स्टैंड तथा 10 लाख रुपये की लागत से तैयार की गई 'साझी छत बैठक' का लोकार्पण किया। इसके पश्चात उन्होंने गांव दमकौरा में लगभग 58 लाख रुपये की लागत से निर्मित

आधुनिक ग्राम सचिवालय तथा करीब 43 लाख रुपये की लागत से बनी गांव की पक्की फिरनी का उद्घाटन कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि गांव मुंदलिया में नवनिर्मित बस स्टैंड बनने से विद्यार्थियों, कामकाजी लोगों, महिलाओं तथा बुजुर्गों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। अब ग्रामीणों को परिवहन संबंधी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित प्रतीक्षा स्थल उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि 'साझी छत बैठक' ग्रामीणों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन को नई दिशा देने का कार्य करेगी।

ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, प्रमाण पत्रों तथा प्रशासनिक सेवाओं के लिए बार-बार अन्य स्थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, बल्कि अधिकांश सुविधाएं गांव स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि गांव की पक्की फिरनी बनने से ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर सांसद ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए। इस अवसर पर गांव मुंदलिया के सरपंच कुलदीप सिंह संधू, गांव दमकौरा के सरपंच कर्मजीत सिंह, मंडल अध्यक्ष रमन मडिया, वेद जांगड़ा, एसईपीओ माया गोदारा, सचिव विजय भाटिया, एबीपीओ अरुण, कृष्ण नैन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

पंजाब के मंत्री संजीव को अदालत ने एक जून तक न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी, गुरुग्राम

◆ **मंत्री को पेशी के लिए ईडी लेकर पहुंची गुरुग्राम कोर्ट**

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा की दो दिन के रिमांड के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने उन्हें सोमवार को यहां अदालत में पेश किया। अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उनकी पेशी के दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा काफी संख्या में रिश्तेदार, कार्यकर्ता मौजूद रहे।बता दें कि ईडी गुरुग्राम शाखा की ओर से संजीव अरोड़ा को गिरफ्तार करने के बाद अदालत से उनकी रिमांड मांगी थी। अदालत ने पहली बार उन्हें सात दिन की ईडी रिमांड पर भेजा था। पूछताछ आगे बढ़ाने के लिए ईडी की ओर से दो दिन का और रिमांड मिला था। सोमवार को सात एवं दो दिन को मिलकर नौ दिन तक ईडी की पूछताछ में शामिल रहे मंत्री संजीव अरोड़ा को अदालत में ईडी की ओर से पेश किया गया। ईडी के जांच अधिकारी ने अदालत के समक्ष जानकारी दी कि फिलहाल के लिए पूछताछ पूरी हो चुकी है। ईडी की ओर से और रिमांड की मांग नहीं की गई। लिहाजा अदालत ने मंत्री संजीवच अरोड़ा को 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए। अब वे 14 दिन तक भौंडसी जिला जेल में रहेंगे। एक जून को उनकी पेशी होगी। उस पेशी पर तय हो पाएगा कि मंत्री संजीव अरोड़ा को बेल मिलेगी या फिर उन्हें और अधिक समय तक जेल में रहना पड़ेगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच का सामना कर रहे आम आदमी पार्टी के सांसद संजीव अरोड़ा को आज गुरुग्राम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। दो दिन की रिमांड अवधि खत्म होने के बाद ईडी ने उन्हें भारी सुरक्षा के बीच गुरुग्राम अदालत में पेश किया, जहां से माननीय कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश सुनाया है। अब संजीव अरोड़ा को आगामी 1 जून को दोबारा कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा। पंजाब सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा के एडवोकेट अर्जुन दिवान ने कहा कि संजीव अरोड़ा जी को ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा गया है।

नगर एवं ग्रामसत्ता

नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस की प्रचंड जीत : विनय कुमार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस की ऐतिहासिक और प्रचंड विजय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि यह जीत प्रदेश सरकार की जनहितकारी नीतियों, संगठन की मजबूती तथा कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी के प्रति जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार निरंतर जनसेवा और विकास के पथ पर अग्रसर है, जिस पर प्रदेश की जनता ने नगर निकाय चुनावों में अपने प्रचंड समर्थन की मुहर लगाई है।

◆ **भाजपा की भ्रामक राजनीति को जनता ने पूरी तरह नकारा**

विनय कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की असत्य और भ्रम फैलाने वाली राजनीति को प्रदेश की जनता ने पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं, जिलाध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों तथा नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब सभी को एकजुट होकर जनसेवा और विकास कार्यों में पूरी निष्ठा से जुटना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना पार्टी की प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस पुनः विजय प्राप्त कर प्रदेश में अपनी सरकार बनाएगी।

नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस का दबदबा : छत्तर सिंह

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। नगर निकाय चुनावों के परिणामों पर प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष छत्तर सिंह ठाकुर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे कांग्रेस सरकार की जनहितैषी नीतियों और विकास कार्यों पर जनता की स्पष्ट मुहर बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों को मिला व्यापक समर्थन इस बात का प्रमाण है कि जनता प्रदेश सरकार की कार्यशैली और विकासोन्मुख सोच से संतुष्ट है। छत्तर सिंह ठाकुर ने कहा कि जनता ने भाजपा की जनविरोधी राजनीति, भ्रामक प्रचार और विरोध की नकारात्मक सोच को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पारदर्शिता, जनकल्याण और विकास की राजनीति को प्राथमिकता दी है, जिसका प्रतिफल नगर निकाय चुनावों में स्पष्ट रूप से देखने को मिला। उन्होंने इसे कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत, संगठन की मजबूती और जनता के विश्वास की जीत बताया।

नगर निकाय चुनाव के नतीजों के बाद मंत्रियों की बढ़ी धड़कनें

प्रदर्शन और राजनीतिक पकड़ को देखकर फैसला लेंगे मुख्यमंत्री सुक्खू

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। नगर निकाय चुनावों के नतीजों ने राज्य की राजनीति में नई समीकरण तैयार किए हैं। भाजपा ने कांग्रेस के कई पारंपरिक गढ़ों में सेंध लगाकर सत्ता पक्ष को साफ संदेश दिया है कि प्रदेश में राजनीतिक मुकाबला अब पहले से ज्यादा कड़ा और संतुलित हो चुका है। खास बात यह रही कि जिन विधानसभा क्षेत्रों को मंत्रियों का मजबूत प्रभाव क्षेत्र माना जाता था, वहां भी कांग्रेस को अपेक्षित बढ़त नहीं मिल सकी।

ऐसे में अब सरकार के भीतर मंत्रियों की राजनीतिक उपयोगिता, संगठनात्मक पकड़ और जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता को लेकर गंभीर मंथन शुरू होने की चर्चा तेज हो गई है। हालांकि इन सबके बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने एंटी इनकंबेंसी के दबाव के बावजूद अपनी सियासी पकड़ को कमजोर नहीं होने दिया। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि मुख्यमंत्री ने अपनी टीम के जरिए मैदान में बेहद आक्रामक और संगठित रणनीति अपनाई। खासकर उनके गृह क्षेत्र और उनकी पत्नी विधायक कमलेश ठाकुर के प्रभाव वाले इलाकों में कांग्रेस का प्रदर्शन सत्ता पक्ष के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आया। इससे यह संदेश गया है कि तमाम राजनीतिक चुनौतियों और सत्ता विरोधी माहौल के बावजूद मुख्यमंत्री का प्रभाव अभी भी मजबूत बना हुआ है और संगठन पर उनकी पकड़ कायम है। दूसरी ओर कई मंत्रियों के क्षेत्रों में जिस तरह भाजपा ने बढ़त बनाई या कांटे की टक्कर दी, उसने सत्ता के भीतर बेचैनी बढ़ा दी है। रामपुर, ठियोग, कोटखाई, सुन्नी और नेरवा जैसे क्षेत्रों के परिणामों को केवल स्थानीय चुनाव नहीं, बल्कि भविष्य के राजनीतिक संकेतों के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री अब केवल प्रशासनिक कामकाज ही नहीं बल्कि मंत्रियों की राजनीतिक परफॉर्मेंस का भी गहन आकलन करेंगे।

◆ **कुछ मंत्रियों के इलाकों में कांग्रेस का अच्छा नहीं रहा प्रदर्शन, भाजपा रही आगे**

जिन मंत्रियों के क्षेत्रों में संगठन कमजोर दिखाई दिया है, वहां जवाबदेही तय होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा। सत्ता के गलियारों में विभागीय फेरबदल और कुछ मंत्रियों की जिम्मेदारियों में कटौती तक की चर्चाएं तेज हैं। सरकार केवल जीत-हार के आंकड़ों तक सीमित नहीं रहने वाली।

कुछ नेताओं को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू अपनी दृढ़ता और आत्मविश्वास के लिए जाने जाते हैं और वे चुनाव परिणामों को केवल औपचारिक समीक्षा तक सीमित नहीं रखेंगे। आने वाले दिनों में मंत्रियों और विधायकों की राजनीतिक ताकत, जनता में पकड़ और संगठनात्मक सक्रियता को लेकर बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। कुछ चेहरों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जबकि कमजोर प्रदर्शन करने वालों पर गाज गिरने की संभावना भी जताई जा रही है। ऐसे में निकाय चुनावों के ये परिणाम अब केवल स्थानीय सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि प्रदेश सरकार और कांग्रेस संगठन के भीतर बड़े राजनीतिक पुनर्संतुलन की भूमिका तैयार करते नजर आ रहे हैं।

अच्छा प्रदर्शन करने वालों को मिल सकती है तरक्की

नगर निकायों में बनने वाले अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सत्ता समीकरणों पर भी मुख्यमंत्री कार्यालय की पैनी नजर रहने वाली है। कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने कहां संगठनात्मक मजबूती दिखाई, किस क्षेत्र में बगावत ने नुकसान पहुंचाया और किन नेताओं ने विपरीत परिस्थितियों में भी पार्टी को संभाला, इन सभी पहलुओं की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर उन्हीं चेहरों को अधिक महत्व मिलेगा, जिन्होंने कठिन राजनीतिक माहौल में भी अपनी उपयोगिता साबित की है।

नगर निकाय चुनावों में भाजपा की हुई जीत
कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता का जनादेश : जयराम

पार्टी मुख्यालय में जयराम ठाकुर व राजीव बिंदल का स्वागत करते पार्टी कार्यकर्ता।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त करते हुए इसे कांग्रेस सरकार की नाकामी, भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनता का करारा जवाब बताया। शिमला स्थित भाजपा मुख्यालय दीप कमल में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मनाते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब कांग्रेस सरकार के झूठे वादों और कुशासन से पूरी तरह ऊब चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा गई है, माफिया तत्वों को संरक्षण मिल रहा है और भ्रष्टाचार ने शासन व्यवस्था को भीतर तक खोखला कर दिया है। जय राम ठाकुर ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि जनता अब कांग्रेस सरकार को सत्ता से बाहर करने का मन बना चुकी है। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें पहले से अपनी हार का अंदेशा था, इसी कारण कांग्रेस सरकार लगातार चुनावों से बचती रही और न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद ही चुनाव करवाने पड़े। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दावों और बयानों पर अब उनके मंत्री तक विश्वास नहीं करते।

जयराम ठाकुर ने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव परिणाम सामने आने के बाद मुख्यमंत्री की स्थिति पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसी दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का जनादेश सर्वोपरि होता है और मुख्यमंत्री को इसे विनम्रता के साथ स्वीकार करना चाहिए।

निकाय चुनावों में भाजपा की प्रचंड विजय पार्टी व पीएम पर भरोसे का प्रमाण : अनुराग

बोले- प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता में भयंकर आक्रोश

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में निकाय चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे पार्टी व मोदी जी पर जनता के भरोसे का प्रमाण बताया है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा 'देवभूमि हिमाचल प्रदेश में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय भाजपा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जनता के अटूट विश्वास की जीत है। नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के परिणाम से साफ है हिमाचल में जनता कांग्रेस की भ्रष्ट व असफल नीतियों से त्रस्त आ चुकी है और आने वाले विधानसभा चुनावों में बदलाव का मन बना चुकी है। यह जीत भाजपा के एक-एक समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत का प्रतिफल है। मैं हिमाचल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष माननीय राजीव बिंदल जी व भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता व चुनावों में भाग लेने वाले सभी सम्मानित मतदाता को बधाई देता हूं व इस बड़ी जीत के लिए उनका आभार प्रकट करता हूं।' अनुराग ठाकुर ने कहा, 'हिमाचल प्रदेश की जनता मौजूदा कांग्रेस सरकार के रूप में इतिहास की सबसे दिशाहीन, असंवेदनशील और निकम्मी सरकार के शासन को देख रही है। हिमाचल के 7 दशकों के इतिहास में आज की मौजूदा कांग्रेस सरकार सबसे भ्रष्ट और निकम्मी सरकार है, जिसके खिलाफ जनता में भयंकर आक्रोश है। यह सरकार ना जनभावनाओं पर ना ही अपने वादों पर खरी उतर पाई इसलिए जनता ने कांग्रेस को इन निकाय चुनावों में ख़ारिज कर भाजपा पर भरोसा जताया है और 2027 में भी हिमाचल की जनता ने कांग्रेस का सूपड़ा साफ़ कर सुशासन की भाजपा सरकार लाने का मन बना लिया है।'

नगर निकाय चुनावों में निर्दलीयों ने भी दिखाई ताकत

भाजपा-कांग्रेस में बराबरी की जंग, जनता ने किसी एक दल को नहीं दिया खुला जनादेश

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल में नगर निकाय चुनावों ने राज्य की राजनीति को नए मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। सत्ता के सेमीफाइनल माने जा रहे इन चुनावों के नतीजों ने साफ संकेत दे दिया है कि यहां पर राजनीतिक मुकाबला अब पहले से कहीं ज्यादा दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण हो चुका है। भाजपा और कांग्रेस के बीच कई जगह सीधी टक्कर देखने को मिली, जबकि कुछ निकायों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने पूरा खेल बदल दिया। यही वजह है कि चुनाव परिणाम आने के बाद भी राजनीतिक सरगर्मियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। कई निकायों में सत्ता की चाबी अब उनके हाथ में मानी जा रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल सकते हैं। यही वजह है कि दोनों दल अब निर्दलीयों को अपने पाले में लाने के लिए सक्रिय रणनीति बनाने में जुट गए हैं।

जानकार बताते हैं कि प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में इस बार मतदाताओं ने बेहद सोच-समझकर मतदान किया है। जनता ने किसी एक दल को पूरी तरह खुला मैदान देने के बजाय दोनों बड़ी पार्टियों को लगभग बराबरी की स्थिति में खड़ा कर दिया है। यही कारण है कि कई नगर परिषदों और नगर पंचायतों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों को लेकर अब पर्दे के पीछे की राजनीति तेज होती दिखाई दे रही है। उनका मानना है कि कि असली शक्ति परीक्षण अब शुरू होगा, जब निकायों में सत्ता गठन की तस्वीर सामने आएगी।

साफ तौर पर देखने में आया है कि शिमला जिला इस चुनाव में कांग्रेस के लिए राहत भरी तस्वीर लेकर आया है। जुब्बल, चौपाल और कुछ अन्य क्षेत्रों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने मजबूत प्रदर्शन कर भाजपा को कड़ी चुनौती दी है। देहरा में भी कांग्रेस की बढ़त ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के गृह प्रभाव वाले क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा हुआ दिखाई दे रहा है। वहीं ग्रामीण और शहरी मतदाताओं के बदले रुझान ने यह भी संकेत दिया है कि प्रदेश में सत्ता विरोधी और समर्थन की भावना साथ-साथ चल रही है।

दूसरी ओर भाजपा ने भी कई क्षेत्रों में अपनी राजनीतिक पकड़ बरकरार रखकर यह साबित किया है कि संगठन अभी भी मजबूत स्थिति में खड़ा है। नाहन, सोलन और कई अन्य निकायों में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की जीत ने पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर दी है। प्रदेश भाजपा नेतृत्व अब इन परिणामों को कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता की नाराजगी के रूप में पेश करने में जुट गया है। वहीं कांग्रेस इन नतीजों को सरकार की नीतियों पर जनता की मुहर बताकर अपने पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास कर रही है।

अब दावों और नारों से नहीं चलेगा काम

बहरहाल नगर निकाय चुनावों के इन परिणामों ने एक बात पूरी तरह साफ कर दी है कि हिमाचल की राजनीति अब शांत नहीं रहने वाली। राज्य में राजनीतिक तापमान लगातार बढ़ रहा है और 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट अभी से सुनाई देने लगी है। फिलहाल जनता ने दोनों दलों को साफ संदेश दे दिया है कि अब केवल दावे और नारों से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीन पर काम करने वालों को ही जनता का साथ मिलेगा।

हिमाचल के 25 में से 18 नगर परिषदों व 12 नगर पंचायतों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की बड़ी जीत
नगर निकाय चुनावों में भाजपा का परचम : डॉ. राजीव

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में संपन्न नगर परिषद एवं नगर पंचायत चुनावों के परिणामों के बाद हिमाचल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने चुनाव परिणामों को कांग्रेस सरकार के विरुद्ध जनता का स्पष्ट जनादेश बताते हुए कहा कि शहरी हिमाचल ने विकास, सुशासन और पारदर्शिता की राजनीति पर मुहर लगाई है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की ऐतिहासिक सफलता यह सिद्ध करती है कि प्रदेश की जनता वर्तमान कांग्रेस सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली से बेहद असंतुष्ट है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय दीप कमल शिमला से जारी बयान में डॉ. बिंदल ने प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त करते हुए इसे जनता के विश्वास और कार्यकर्ताओं की मेहनत की विजय बताया। डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रदेश की 25 नगर परिषदों में से 18 में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने शानदार जीत दर्ज कर नया राजनीतिक संदेश दिया है, जबकि 22 नगर पंचायतों में से 12 में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने एकतरफा बढ़त बनाकर कांग्रेस को गहरा झटका दिया। उन्होंने दावा किया कि बिलासपुर, ऊना, सोलन, कांगड़ा, महासू और सुंदरनगर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भाजपा की सफलता यह दर्शाती है कि जनता अब बदलाव चाहती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री तथा कांग्रेस मंत्रियों और विधायकों के प्रभाव वाले क्षेत्रों में भाजपा की विजय यह प्रमाणित करती है कि जनता सरकार की नाकामियों से तंग आ चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने प्रदेश को आर्थिक संकट, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अव्यवस्था के दलदल में धकेल दिया है।

जोगिंद्रनगर में दहशत में बदल गया जीत का जश्न

उग्र सांड ने भाजपा समर्थकों की भीड़ पर बोला हमला, सात लोग घायल

अनंत ज्ञान

अंकित कुमार, जोगिंद्रनगर। नगर निकाय चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद जोगिंद्रनगर में जीत का जश्न उस समय अफरातफरी और दहशत में बदल गया, जब एक उग्र सांड ने भाजपा समर्थकों की भीड़ पर अचानक हमला कर दिया, जिस कारण सात लोग घायल हो गए। यह घटना देर शाम पुलिस थाना के समीप स्थित राजकीय बाल पाठशाला जोगिंद्रनगर के मुख्य गेट के पास हुई, जहां मतगणना समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में प्रत्याशी, समर्थक, पुलिस कर्मी, मीडिया प्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चुनाव परिणाम सामने आते ही विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला। ढोल-नगाड़ों, पटाखों और जोरदार नारेबाजी के बीच समर्थक जीत का जश्न मना रहे थे। इसी दौरान अचानक एक सांड भीड़ के बीच पहुंच गया और लोगों पर हमला करना शुरू कर दिया। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। बताया जा रहा है कि सांड तेजी से भीड़ की ओर दौड़ रहा था और रास्ते में आने वाले लोगों को टक्कर मारते हुए मतगणना स्थल की ओर बढ़ गया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से कुछ देर के लिए पूरे क्षेत्र में चीख-पुकार और दहशत का माहौल बन गया।

पुलिस और मीडिया कर्मियों ने भागकर बचाई जान

घटना के दौरान मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों और चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए सुरक्षित स्थानों की ओर दौड़ लगाई। वहीं चुनाव परिणामों की कवरेज कर रहे मीडिया कर्मियों को भी कैमरे और अन्य उपकरण छोड़कर अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कुछ समय तक किसी को समझ नहीं आया कि आखिर अचानक क्या हो गया, क्योंकि जश्न के माहौल में सांड के हमले ने सभी को स्तब्ध कर दिया।

देवभूमि के निकाय चुनाव में चला मोदी मैजिक : प्रो. सिकंदर कुमार

बोले-2027 के चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ होना तय

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के नगर परिषद व नगर पंचायत चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार सफलता के बाद प्रदेश की राजनीति में नई हलचल तेज हो गई है। भाजपा सांसद एवं प्रदेश महामंत्री सिकंदर कुमार ने चुनाव परिणामों को देवभूमि में चला मोदी मैजिक करार देते हुए कहा कि प्रदेश की जनता ने कांग्रेस सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली को पूरी तरह नकार दिया है।

उन्होंने कहा कि निकाय चुनावों में मिली यह प्रचंड जीत केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि जनता का स्पष्ट जनादेश है, जिसने भाजपा की विकासपरक सोच और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है। प्रो. सिकंदर कुमार ने कहा कि हिमाचल की जनता कांग्रेस सरकार के कथित कुशासन, झूठे वादों और जनविरोधी नीतियों से परेशान हो चुकी है। यही कारण है कि निकाय चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को व्यापक समर्थन मिला। उन्होंने दावा किया कि इन परिणामों ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों की दिशा भी स्पष्ट कर दी है और आने वाले समय में प्रदेश से कांग्रेस का सियासी अस्तित्व कमजोर होता जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता अब केवल विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही की राजनीति चाहती है, जिसका प्रतिनिधित्व भाजपा कर रही है। भाजपा सांसद ने इस ऐतिहासिक जीत के लिए पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व, प्रदेश पदाधिकारियों और जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर तथा सांसद अनुराग ठाकुर के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का समर्पण और जनता का विश्वास ही पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति है, जो संगठन को जनसेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ाने का काम कर रहा है।

सियासत — शिमला के रामपुर में बदले सियासी समीकरणों ने बढ़ाई कांग्रेस की धड़कनें

कांग्रेस पार्टी के सबसे अभेद्य गढ़ में खिला 'कमल'

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में दशकों से कांग्रेस के सबसे मजबूत और अभेद्य किलों में गिने जाने वाले रामपुर बुशहर में इस बार ऐसा सियासी उलटफेर हुआ है, जिसने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। वीरभद्र सिंह परिवार की राजनीतिक विरासत और कांग्रेस की गहरी पकड़ वाले इस क्षेत्र में पहली बार भाजपा समर्थित पार्षदों ने नगर परिषद में बहुमत हासिल कर 'कमल' खिला दिया।

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के प्रभाव वाले क्षेत्र में भाजपा की यह जीत केवल स्थानीय निकाय चुनाव का परिणाम नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे बदलते जनमत और आने वाले विधानसभा चुनावों की बड़ी आहट के तौर पर देखा जा रहा है। जानकार बताते हैं कि रामपुर नगर परिषद के नौ वार्डों में हुए चुनाव में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने पांच सीटों पर कब्जा जमाकर कांग्रेस के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को चुनौती दे दी। कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार चार सीटों तक सिमट गए। यह पहला अवसर है जब नगर परिषद गठन के बाद भाजपा समर्थित पार्षद बहुमत में पहुंचे हैं। राजनीतिक गलियारों में इस परिणाम को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि रामपुर क्षेत्र हमेशा से दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की राजनीतिक कर्मभूमि रहा है। यही नहीं, प्रदेश कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और सांसद रह चुकीं प्रतिभा सिंह का भी इस क्षेत्र में गहरा प्रभाव माना जाता रहा है।

◆ **स्व. वीरभद्र के गढ़ में पहली बार भाजपा समर्थित पार्षदों का दिखा दबदबा**

◆ **विक्रमादित्य सिंह के प्रभाव वाले क्षेत्र में बड़ा उलटफेर**

वहीं सबसे अधिक चर्चा वार्ड नंबर-दो के परिणाम को लेकर रही, जहां कांग्रेस को अप्रत्याशित राजनीतिक झटका लगा। भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने वार्ड नंबर 2, 5, 6, 7 और 8 में जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार वार्ड नंबर 1, 3, 4 और 9 में विजयी रहे। भाजपा खेमे ने इसे 'रामपुर की राजनीति में ऐतिहासिक परिवर्तन' करार दिया है। परिणाम घोषित होते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार जश्न मनाया और इसे जनता द्वारा विकास और बदलाव के पक्ष में दिया गया जनादेश बताया।

बताते चलें कि चलें कि चुनाव में मतदाताओं का उत्साह भी देखने लायक रहा। तेज गर्मी के बावजूद लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान किया। नगर परिषद क्षेत्र के कुल 4060 मतदाताओं में से 2821 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और कुल मतदान प्रतिशत 68.29 फीसदी दर्ज किया गया। वार्ड नंबर-7 में सबसे अधिक 76.65 फीसदी मतदान हुआ, जबकि वार्ड नंबर-8 में सबसे कम 47.32 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। पुरुष और महिला मतदाताओं की भागीदारी भी लगभग संतुलित रही, जिसने चुनाव को और अधिक दिलचस्प बना दिया।

भविष्य की राजनीति के लिए बड़े संकेत

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि रामपुर जैसे कांग्रेस के परंपरागत गढ़ में भाजपा की यह सेंध भविष्य की राजनीति के लिए बड़े संकेत दे रही है। जिस क्षेत्र को अब तक कांग्रेस की अजेय राजनीतिक धरती माना जाता था, वहां भाजपा की यह बढ़त सत्ता पक्ष के लिए चिंता और विपक्ष के लिए नई ऊर्जा लेकर आई है। खासकर ऐसे समय में जब प्रदेश की राजनीति धीरे-धीरे 2027 विधानसभा चुनावों की दिशा में बढ़ रही है, रामपुर का यह परिणाम आने वाले दिनों में राजनीतिक रणनीतियों को पूरी तरह बदल सकता है।